@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 6 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 198 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी को चुना गया एनडीए गठबंधन का नेता

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 5 जून। एक तरफ नई सरकार के गठन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक हुई, तो दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर गठबंधन के नेताओं की बैठक भी संपन्न हो गई है। इस बैठक में शामिल होने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-एसपी (राकांपा-एसपी), शिवसेना-यूबीटी, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी , झारखंड मुक्ति मोर्चा और अन्य घटक दलों के नेता खरगे के आवास पर जुटे। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद, गठबंधन के नेता खरगे के आवास पर बैठक कर रहे हैं। बैठक में गठबंधन की आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा 'हमने अच्छा संघर्ष किया, एकजुट होकर और दृढ़ता से लड़े।' खरगे ने आगे कहा गठबंधन उन सभी दलों का स्वागत करता है जो हमारे संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हैं।' कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि इस बार जनादेश निर्णायक रूप से पीएम मोदी और उनकी राजनीति की शैली के खिलाफ है। दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक खत्म हुए। इस बैठक में घटक दलों के सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से पीएम मोदी को एनडीए गठबंधन का नेता चुना। इसके लिए बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। एनडीए के सभी नेताओं ने पीएम मोदी को उनके नेतृत्व के लिए बधाई दी। सभी ने राष्ट्र निर्माण में पीएम मोदी की कड़ी मेहनत और प्रयासों की सराहना की। एनडीए सहयोगियों ने कहा कि पीएम मोदी के पास विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। सभी ने दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने में पीएम मोदी की भूमिका की सराहना की। एनडीए नेताओं ने गरीबी हटाने की दिशा में पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना की और अच्छे काम जारी रखने का संकल्प लिया। एनडीए की बैठक के बाद तेलगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि एनडीए का हिस्सा बनकर टीडीपी ने चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि बैठक अच्छी रही। एनडीए के घटक दल जदयू, लोजपा, टीडीपी, जदएस और शिवसेना इस मीटिंग में शामिल रहे। बैठक में सरकार बनाने को लेकर मंथन हुआ। बैठक के खत्म होने के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि एनडीए की बैठक में नीतीश कुमार शामिल हुए।

बैठक में सभी घटक दलों के नेताओं ने अपने विचार रखे और तीसरी बार एनडीए को जनादेश देने के लिए जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा और जल्द ही सभी सांसदों की बैठक होगी। एनडीए की बैठक से पहले, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए अपना समर्थन दिया। दोनों ही दलों के नेता दिल्ली में एनडीए की बैठक में शामिल हुए। शिवसेना को महाराष्ट्र में सात और एनसीपी को एक सीट पर जीत मिली है। तेलुगुदेशम पार्टी (टीडीपी) भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा घटक दल है। इसके वरिष्ठ नेता कनकमेडला रविंद्र कुमार पहले ही साफ कर चुके हैं कि आंध्र प्रदेश में भाजपा और जनसेना के साथ हमारा चुनाव पूर्व समझौता महज राजनीतिक अंकगणित की सौदेबाजी नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता का बंधन है। उधर, टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू एनडीए की बैठक में शामिल रहे। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि हम जनादेश का सम्मान करते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी इंडी गठबंधन के संस्थापकों में शामिल रहे हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि वह विपक्षी गठबंधन में फिर से शामिल हो सकते हैं। त्यागी ने अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा क जनता का फैसला सर्वोपरि है। जदयू ने एनडीए में रहकर भाजपा के साथ चुनाव लड़ा है और केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनेगी। लोक जनशक्ति पार्टी-राम विलास के प्रमुख चिराग पासवान ने भी कहा था कि वे किसी भी सूरत में एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे और बुधवार को दिल्ली में होने वाली एनडीए की बैठक में शामिल होंगे।

नीतीश-चंद्रबाबू सभी के दोस्तः राउत

मुंबई, 5 जून। भाजपा तीसरी बार लोकसभा चुनाव में भारत की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए जल्द ही सरकार बनाने का एलान कर सकता है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। इन सबके बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। 'इंडी गठबंधन की सरकार' बनाने के सवाल पर राउत ने कहा कि नीतीश कुमार और चंद्राबाबू सभी के दोस्त हैं। मुझे नहीं लगता कि दोनों ऐसे लोगों के साथ जाएंगे, जिनसे लोकतंत्र और संविधान को खतरा है। भाजपा के पास बहुमत नहीं है। वे 240 पर अटके हैं। पीएम मोदी और भाजपा के पास बहुमत नहीं है। वे अस्थिर सरकार देना चाहते हैं। अस्थिर सरकार चलाना मोदी जी का काम नहीं है। वे मोदी की सरकार, मोदी की गारंटी की बात करते थे। हमारे पास जनादेश है। जनता को हमपर भरोसा है। वहीं, एनडीए के सरकार गठन के चर्चाओं पर रावत ने कहा कि एनडीए में कौन-कौन हैं, नीतीश बाबू, चंद्र बाबू और चिराग बाबू। देख लेंगे। जनता ने भाजपा का बहुमत छीन लिया है। लोगों ने उन्हें 240 पर लाकर खड़ा कर दिया है। वे जोड़-तोड़ वाली सरकार बनाने की जुगत में हैं। उन्हें करने दीजिए। लोकतंत्र में ऐसी कोशिशें होती रहती हैं। उन्हें शपथ लेने दीजिए। उनके पास आंकड़े होंगे तो वे जाएंगे। हमारा मनोरंजन हो रहा है, हम अपना मनोरंजन क्यों छोड़ेंगे?

लोगों ने शरद-उद्धव की पार्टियों को दिया असली का तमगा

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 5 जून। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और कई राज्यों के नतीजों ने चौंकाया है। जिन राज्यों के चुनाव नतीजे भाजपा के अनुरूप नहीं आए हैं, उनमें महाराष्ट्र भी प्रमुख है। इस राज्य में 2019 के चुनाव में 23 सीटे जीतने वाली भाजपा इस बार नौ सीटों पर सिमट गई है। वहीं पिछले चुनाव में एक सीट जीतने वाली कांग्रेस इस बार 13 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इन चुनाव नतीजों से एक बात साफ हुई है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी को लोगों की सहानुभूति मिली है। शिवसेना यूबीटी और एनसीपी एसपी ने बगावत, टूट देखी और दोनों के चुनाव चिन्ह छिन गए, यहां तक कि नाम भी बदलने पड़े, इसके बावजूद जनता ने इन दोनों पार्टियों को असली का तमगा देते हुए खूब सीटें दीं। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी को नौ और एनसीपी एसपी को 8 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा नौ सीटों पर सिमट गई है, जबकि कांग्रेस 13 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। एकनाथ शिंदे की

शिवसेना को सात और अजित पवार की एनसीपी को सिर्फ एक सीट पर जीत मिली है। एक सीट निर्दलीय के खाते में गई है। जोरदार जीत के बाद शिवसेना यूबीटी के पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर भी लग गए, जिनमें लिखा था कि कौन असली शिवसेना है? जनता ने ये बता दिया है। महाराष्ट्र में पिछला चुनाव भाजपा और शिवसेना (अविभाजित) ने मिलकर लड़ा था और राज्य की 48 सीटों में से 41 पर कब्जा किया था। बाद में दोनों पार्टियों ने विधानसभा चुनाव भी साथ मिलकर लड़ा और बंपर जीत हासिल की, लेकिन सीएम पद को लेकर दोनों पार्टियों में ठन गई। नतीजा ये हुआ कि शिवसेना ने गठबंधन तोड़कर एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी की सरकार बना ली। इस बीच साल 2022 में शिवसेना के वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने बगावत कर पार्टी तोड़ ली और भाजपा के साथ गठबंधन करके सीएम बन गए। वहीं लंबे समय से सत्ता में आने की जुगत में लगे अजित पवार ने भी अपने चाचा और एनसीपी मुखिया शरद पवार के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया। नतीजा ये हुआ कि एनसीपी भी दो फाड़ हो गई और अजित पवार की एनसीपी को चुनाव आयोग ने असली का दर्जा दिया और शरद पवार को अपनी पार्टी का नाम बदलकर एनसीपी एसपी रखना पड़ा।

स्वघोषित चाणक्य जो सीट ढूंढते हुए कई दरवाजे खटाखट खटखटा रहेः जयराम रमेश

नई दिल्ली, 5 जून। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद इंडिया गठबंधन में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। खासतौर पर, कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश, भाजपा पर निशाना साधने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे। उन्होंने बुधवार को एक के बाद एक, कई ट्वीट कर दिए। अपने ट्वीट में जयराम रमेश ने दो शब्दों मास्टर डिस्टॉर्टियन और स्वघोषित चाणक्य का इस्तेमाल किया है। जयराम ने लिखा, जिस इतिहास को मास्टर डिस्टॉर्टियन भी दोबारा नहीं लिख सकते, वह यह है कि नेहरू 1952 में 364, 1957 में 371 और 1962 में 361 सीटों के साथ प्रधानमंत्री चुने गए थे। दूसरा, उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेता के लिए लिखा, सीटों की बखूशीश ढूंढते हुए कई दरवाजे खटाखट खटाखट खटखटा रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने ट्वीट में लिखा, कार्यवाहक प्रधानमंत्री अपना सिकुड़ा हुआ सीना ठोक कर बोल रहे हैं कि 1962 के बाद से कोई सरकार लगातार तीन बार नहीं चुनी गई है। जिस इतिहास को मास्टर डिस्टॉर्टियन भी दोबारा नहीं लिख सकते, वह यह है कि नेहरू 1952 में 364, 1957 में 371 और 1962 में 361 सीटों के साथ प्रधानमंत्री चुने गए थे। नरेंद्र मोदी को 2024 में 241 सीटें मिली हैं। यह उनके खिलाफ एक प्रचंड जनादेश है, लेकिन वह इसका सम्मान नहीं करना चाहते। निवर्तमान प्रधानमंत्री अब कार्यवाहक प्रधानमंत्री बन चुके हैं। जयराम रमेश के मुताबिक, देश ने इनके खिलाफ प्रचंड जनादेश दिया है, लेकिन ये डेमोक्रेसी को डेमो-कुर्सी बनाना चाहते हैं। अहंकाराचार्या मोदी और स्वघोषित चाणक्य, अमित शाह, फिक्स्ड मैच खेलने में माहिर हैं।

ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक ने इस्तीफा दिया

कौमी संवाददाता

भुवनेश्वर, 5 जून। लोकसभा चुनाव के नतीजों के साथ ओडिशा विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आ चुके हैं। विधानसभा चुनाव में नवीन पटनायक के नेतृत्व में बीजू जनता दल (बीजद) को हार का सामना करना पड़ा। बीजद के हार के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज्यपाल रघुवर दास को अपना इस्तीफा सौंपा। इसी के साथ ओडिशा में बीजद के 24 साल का राज भी खत्म हो गया। अब भाजपा राज्य में अपनी सरकार बनाएगी। ओडिशा विधानसभा की 147 सीटों में बीजद को केवल 51 सीटों पर ही जीत मिलीं। वहीं भाजपा ने 78 सीटों पर जीत हासिल की। इसके अलावा कांग्रेस को 14, निर्दलीय को तीन और सीपीएम को एक सीट पर जीत मिलीं। इसके अलावा ओडिशा की 21 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 20 पर और कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजद का खाता भी नहीं खोल पाई।

मंगलवार को जारी रुझानों के बाद बीजद नेता नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर बीजद के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, सभी विजेता उम्मीदवारों को शुभकामनाएं। मैं बीजू जनता दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रयास और योगदान का सम्मान करने के साथ उनका आभार व्यक्त करता हूं। बता दें कि नवीन पटनायक साल 2000 में पहली बार ओडिशा के मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद लगातार 24 वर्षों तक वे ओडिशा के सीएम के तौर पर कार्यरत रहें। सिक्किम के पवन कुमार चामलिंग के बाद नवीन पटनायक दूसरे ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जो 24 वर्षों तक सीएम पद पर बने रहे हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री बनने से पहले वह बीजद के अध्यक्ष और केंद्रीय इस्पात और खनन मंत्री के पद पर भी काम कर चुके हैं।

लाजपत नगर के अस्पताल में लगी आग

नई दिल्ली, 5 जून। लाजपत नगर इलाके के एक आंखों के अस्पताल में आग लगने की सूचना है। आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। मौके पर दमकल विभाग की टीम पहुंची और आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। जानकारी के मुताबिक, दक्षिणी दिल्ली के लाजपत नगर में श्व4द्द7 चौधरी आई सेंटर में आग लग गई। दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग किस वजह से लगी है अभी इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है। आग लगने के बाद मौके पर भारी भीड़ लग गई। दमकल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, अस्पताल में आज सुबह 11.30 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई।

भाजपा का संदेशखाली कार्ड बेअसरः ममता

कोलकाता, 5 जून। मशहूर अमेरिकी पत्रिका टाइम ने 12 साल पहले ममता बनर्जी को विश्व की सौ असरदार हस्तियों में शुमार किया था, लेकिन उनका जलवा आज भी कायम है। सारे एग्जिट पोल को धता बताते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पिछले लोकसभा चुनाव में मजबूत ताकत बनकर उभरी भाजपा की चुनौती इस बार ध्वस्त कर दी। टीएमसी बंगाल में इंडिया गठबंधन से अलग चुनाव लड़ने के बावजूद एनडीए पर भारी रही। कुछ राजनीतिक विश्लेषक भाजपा की छह-सात सीटें बढ़ने का अनुमान लगा रहे थे, लेकिन मतगणना में भाजपा 10 सीटों पर सिमट गई। 31 सीटों पर झंडे गाड़ कर ममता ने साबित कर दिया कि भाजपा अब भी यहां के लिए बाहरी पार्टी ही है। भाजपा इस बार कई सीट भी हार गई। इस बार ममता को एकतरफा मुस्लिम वोट मिला। ममता ने भाजपा के जवाब में साफ्ट हिंदू कार्ड चला और अपने हिंदू वोट बैंक को खिसकने नहीं दिया। नतीजों से ममता ने अपनी बंगाली पहचान और पुख्ता कर ली है। लक्ष्मी भंडार योजना, हर महीने खाते में एक हजार रुपये देने की घोषणा ने जोरदार असर किया। भाजपा के इस राज्य में सबसे बड़े दो कार्ड थे-संदेशखाली और नागरिकता कानून। दोनों उसे फायदा न पहुंचा सके। टीएमसी के मुस्लिम नेता शाहजहां शेख के अत्याचार को उसने मुद्दा बनाकर पीड़िता रेखा पात्रा को चुनाव मैदान में उतारा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी काउंसिलिंग की लेकिन पात्रा यहां तृणमूल के नुरुल इस्लाम से भाजपा हार गई। संदेशखाली प्रकरण के जरिये भाजपा की मुस्लिम तुष्टीकरण को हथियार बनाने की कोशिश बेकार गई।

उपमुख्यमंत्री पद से फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश

सौरभ शर्मा

मुंबई, 5 जून। मंगलवार को लोकसभा चुनाव का परिणाम चुनाव आयोग ने घोषित किया। इसके बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सीएम एकनाथ शिंदे को उन्हें राज्स सरकार से मुक्त करने का प्रस्ताव दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हार के पहलुओं पर विचार करने और सुधार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विपक्ष के झूठे दावों का मुकाबला करने में वे असफल रहे हैं। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश की 48 लोकसभा सीट में से एनडीए को सिर्फ 17 सीटें मिलीं। जिसमें भाजपा को 9, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) को 7 और एनसीपी (अजित पवार) को 1 सीट मिली है। वहीं इंडी ब्लॉक महाराष्ट्र में 30 सीटों पर विजयी रही। इस हार के बाद उपमुख्यमंत्री ने हार की जिम्मेदारी ली और अपने पद से इस्तीफा देने की बात कही। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवींस के इस्तीफा देने की बात से पार्टी को भी बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र में भाजपा और पार्टी की स्थिति देखने के बाद उपमुख्यमंत्री ने यह फैसला किया है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैं देश की जनता को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने पीएम मोदी को तीसरी बार पीएम बनने के लिए अपना आशीर्वाद दिया।

महाराष्ट्र में हमें अपेक्षित नतीजे प्राप्त नहीं हुए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को जो झटका लगा उसकी पूरी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। क्योंकि पार्टी का नेतृत्व मैं कर रहा था। मैं विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में भाजपा को पूरा समय देना चाहता हूं। मैं भाजपा के आलाकमान से अनुरोध कर रहा हूं कि वे मुझे सरकार की जिम्मेदारियों से मुक्त करें। ताकि मैं आगामी चुनाव के लिए कड़ी मेहनता कर सकूं। उनके इस बयान के बाद से ही पार्टी के अन्य नेताओं ने प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने ही बयान के बाद कहा कि चुनावी हार सामूहिक जिम्मेदारी है, तीनों पार्टियों ने मिलकर चुनाव में काम किया। हम सामूहिक रूप से विपक्ष का सामना करने में विफल रहे हैं। वोट शेयर देखा जाए तो मुंबई में महायुती को 2 लाख से ज्यादा वोट मिले हैं। उन्होंने कहा कि हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। पिछले दो सालों में सरकार ने राज्य में कई अच्छे काम भी किए हैं। मैं खुद देवेंद्र फडणवीस से बात करूंगा, हम आगे भी साथ मिलकर काम करते रहेंगे। वहीं शिवसेना के नवनिर्वाचित सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने कहा कि एनडीए ने हर जगह अच्छा प्रदर्शन किया। परिस्थितियों कभी स्थायी नहीं होती हैं। आने वाले समय में स्थिति बदलेगी। हम बेहतर प्रदर्शन करेंगे, जो गलतियां हमने की हैं, उनका विश्लेषण करेंगे और अगली बार मजबूती से जीतेंगे। उप मुख्यमंत्री के इस्तीफे की बात पर मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र में सीटें कम आने की जिम्मेदारी ली है, वे सरकार में बने रहेंगे और संगठन के साथ काम की करेंगे।

पीएम मोदी को प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए कुछ भी करूंगा: ओवैसी

हैदराबाद, 5 जून। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद लोकसभा सीट के उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह पीएम मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए कुछ भी करेंगे। एआईएमआईएम प्रमुख ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान ही उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था। बता दें कि हैदराबाद लोकसभा सीट से ओवैसी के खिलाफ भाजपा ने माधवी लता को चुनावी मैदान में उतारा था। इस सीट से ओवैसी ने 338087 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। मीडिया से बात करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मैं अगर, लेकिन और संभावनाओं पर बात नहीं कर सकता। चुनाव के दौरान ही मैंने कहा था कि अगर पीएम मोदी के अलावा कोई और उम्मीदवार प्रधानमंत्री बन सकता है, तो मैं उसका समर्थन करूंगा। चुनावी नतीजों का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा को इतनी सीटें भी नहीं मिलनी चाहिए थी। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, देश में जैसा माहौल था, उसके अनुसार भाजपा को इतनी सीटें भी नहीं मिलनी चाहिए थी। अगर हमने सही काम किया होता तो उन्हें केवल 150 सीट ही मिलतीं। हम भाजपा को सरकार बनाने से रोक सकते थे और जनता भी यही चाहती थी। हम इसमें असफल हो गए, लेकिन कम से कम हमें दोष नहीं दिया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, एक बात स्पष्ट हो गया कि देश में कोई मुस्लिम वोट बैंक नहीं है और न ही कभी था। उत्तर प्रदेश में भाजपा के प्रदर्शन पर बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि उन्हें (भाजपा) लगा कि वे यहां अजेय हैं, लेकिन कोई भी अजेय नहीं है। क्या पीएम मोदी बैसाखी के सहारे सरकार चलाएंगे? रुझानों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) ने 37, भाजपा ने 33, जबकि कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की। हैदराबाद लोकसभा सीट से ओवैसी को 6,61,981 वोट मिलें। जीत के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने इस ऐतिहासित जीत के लिए लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, हमें पांचवीं बार जीताने के लिए मैं लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं।

देश की तीसरी बड़ी पार्टी बनी सपा

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 5 जून। सपा ने लोकसभा आम चुनाव में अब तक के अपने इतिहास में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उसने कुल 37 सीटें जीतीं। इस तरह सपा देश की तीसरी बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई है। धार्मिक मुद्दों के बजाय जातीय गोलबंदी और यादवों-मुस्लिमों पर कम दांव की रणनीति से सपा को यह सफलता मिली। सपा ने पिछला लोकसभा चुनाव बसपा के साथ लड़ा था। तब उसे महज पांच सीटें मिली थीं। राजनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण यूपी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विपक्ष के अभियान का नेतृत्व किया। सपा ने गठबंधन के तहत 62 सीटों पर चुनाव लड़ा। 17 सीटें कांग्रेस और एक सीट तृणमूल कांग्रेस को दी। सीट शेयरिंग की यह रणनीति काफी कारगर साबित हुई। कांग्रेस के साथ साझेदारी करने के चलते सपा मतदाताओं को यह मनोवैज्ञानिक संदेश देने में सफल रही कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का विकल्प मौजूद है। 2019 के चुनाव में पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह ही सपा से अलग थे, लेकिन इस बार परिवार की एकजुटता से भी अच्छा संदेश गया। सपा ने प्रत्याशी तय करने में पीडीए फार्मूले का भी पूरा ध्यान रखा। अपना आधार वोट माने जाने वाले यादवों और मुस्लिमों से ज्यादा कुर्मी बिरादरी के प्रत्याशी उतारे। ब्राह्मण व ठाकुर समेत सामान्य जाति के प्रत्याशियों को भी प्रतिनिधित्व दिया। अखिलेश का यह दांव बिल्कुल सही बैठा और पार्टी को अप्रत्याशित सफलता मिली। अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों से खुद को और अपनी पार्टी को दूर रखा। बहुत ही सधे अंदाज में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर सीधे कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इतना ही नहीं इटावा में विशाल मंदिर का निर्माण प्रारंभ कराया। इससे भाजपा को धार्मिक मुद्दों पर उन्हें घेरने का मौका नहीं मिला। साथ ही जातीय गोलबंदी के लिए संविधान और आरक्षण के मुद्दे को प्रमुखता दी। पेपर लीक और अग्निवीर के सहारे बेरोजगारी की समस्या से बड़ी चोट की। इस रणनीति ने उन्हें सफलता के शिखर पर पहुंचाया। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के गढ़ में साइकिल पूरी गति से दौड़ी। यादवलैंड की छह सीटों में मैनपुरी का रुतबा बरकरार रहा, जबकि सपा ने भाजपा से चार सीटें छीन लीं। सभी सीटों पर वोटबैंक बढ़ाने में भी कामयाब रही, जबकि

फर्रुखाबाद में भाजपा तीसरी बार जीत दर्ज कर हैट्रिक लगाने में कामयाब रही। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद यह पहला लोकसभा चुनाव था। ऐसे में भाजपा ने इस क्षेत्र पर कब्जा जमाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी यहां जनसभा की और श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाया। इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जनसभाएं कीं, लेकिन सपा ने टिकट बंटवारे में सोशल इंजीनियरिंग पर फोकस किया। हमेशा भाजपा का साथ देने वाले शाक्य और दोहरे बिरादरी के मतदाताओं को भी पार्टी से जोड़ा। यह कारगर साबित हुआ। मैनपुरी में डिंपल यादव 2.21 लाख मतों से विजयी रहीं। उन्हें 56.79 फीसदी वोट मिले और भाजपा को 35.76 फीसदी। वर्ष 2019 में सपा को 53.75 फीसदी और भाजपा को 44.09 फीसदी वोट मिले थे। हालांकि 2022 के उपचुनाव में यहां सपा को 64.08 फीसदी वोट मिले थे। इस तरह सामान्य चुनाव में सपा का वोटबैंक बढ़ा है। इटावा में सियासी तौर पर कठेरिया बनाम दोहरे बिरादरी के बीच संघर्ष होता है। भाजपा ने सांसद रामशंकर कठेरिया को दोबारा मौका दिया तो सपा ने बसपा से आए जितेंद्र सिंह दोहरे पर दांव लगाया और करीब 58 हजार वोट से चुनाव जीत लिया।

इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में भूकंप के झटके

एजेंसी

हांगकांग। इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक 02:20 बजे (ग्रीनविच मीन टाइम) आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.7 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 3.66 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 100.68 डिग्री पूर्वी देशांतर तथा जमीन की सतह से 10.0 किलोमीटर की गहराई पर रहा।

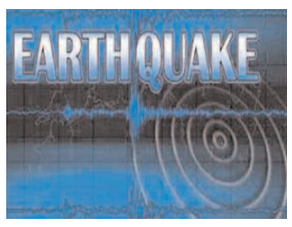

चीन की कोयला खदान में बाढ़ से तीन लोगों की मौत

जिनान। पूर्वी चीन के शेडोंग प्रांत में बाढ़ से कोयला खदान में फंसे आठ लोगों में से तीन की मौत हो गयी है। बचावकर्मियों ने बुधवार को कहा कि खोज और बचाव अभियान समाप्त होने के बाद सभी लोगों को ढूंढ लिया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पांच लोगों की स्थिति स्थिर है और तीन की मौत हो गई है। शनिवार को ताइआन शहर के निंगयांग काउंटी में हुआफेंग कोयला खदान में बाढ़ शाम करीब पांच बजे आई।। खदान में काम कर रहे 10 लोगों में से दो भागने में सफल रहे जबकि आठ लोग फंस गए।

नेहरू के बाद मोदी लगातार तीसरा कार्यकाल शुरू करने वाले प्रधानमंत्री बनेः द न्यूयार्क टाइम्स

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत के आम चुनाव के नतीजे पर दुनियाभर के प्रमुख संचार माध्यमों ने अपनी टिप्पणियों के साथ चर्चा की है। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से लेकर मालदीव तक गूंज है। अमेरिका के प्रमुख समाचार पत्र द न्यूयार्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दिए गए संदर्भ में टिप्पणी की है कि नेहरू के बाद मोदी लगातार तीसरा कार्यकाल शुरू करने वाले प्रधानमंत्री बने। अखबार ने लिखा है कि नतीजों ने संकेत दिया कि नरेन्द्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी अभी भी अधिकांश संसदीय सीटें जीतेगी...। सरकार बनाने के लिए उसे संभवतः अपने गठबंधन में छोटे दलों की आवश्यकता होगी। द न्यूयार्क टाइम्स ने लिखा है- 'मोदी पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल शुरू करने वाले दूसरे भारतीय नेता होंगे। मोदी ने कल इसे भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।'

पाकिस्तान में ईसाई बुजुर्ग की पिटाई से मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ईशनिंदा के आरोप में पिछले सप्ताह हिंसक भीड़ द्वारा गंभीर रूप से घायल किए एक बुजुर्ग ईसाई व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। कट्टरपंथी इस्लामवादी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में एक उग्र भीड़ ने 25 मई को लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर पंजाब के सरगोधा जिले के मुजाहिद कॉलोनी में ईसाई समुदाय के सदस्यों पर हमला किया, जिसमें दो ईसाई और 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने ईसाइयों के घरों और संपत्तियों को जला दिया और लूटपाट की। पुलिस के अनुसार, भीड़ ने नजीर मसीह उर्फ लजार मसीह नामक बुजुर्ग ईसाई के घर और जूता फैक्ट्री को घेर लिया और उन पर कुरान के अपमान का आरोप लगाया। उग्र भीड़ ने जूता फैक्ट्री, कुछ दुकानों और कुछ घरों में आग लगा दी। एफआईआर में कहा गया है, उन्होंने मसीह को भी बेरहमी से जला दिया, लेकिन समय पर भारी पुलिस बल के पहुंचने से मसीह और ईसाई समुदाय के 10 अन्य सदस्यों को बचा लिया गया। एफआईआर में कहा गया है कि जूता फैक्ट्री के बाहर कथित तौर पर पवित्र कुरान के कुछ पन्ने पाए गए, जिससे स्थानीय लोग भड़क गए। पुलिस ने बताया कि सरगोधा स्थित संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) में इलाज करा रहे मसीह की रविवार को मौत हो गई।

एफआईआर में कहा गया है कि जूता फैक्ट्री के बाहर कथित तौर पर पवित्र कुरान के कुछ पन्ने पाए गए, जिससे स्थानीय लोग भड़क गए।

दक्षिण अफ़्रीका के क्वाज़ुलु-नटाल प्रांत में बारिश से दस लोगों की मौत

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। पूर्वी दक्षिण अफ्रीका के क्वाज़ुलु-नटाल प्रांत में हाल की भारी बारिश के कारण दस लोगों की मौत हो गई है। प्रांतीय सरकार ने यह जानकारी दी। क्वाज़ुलु-नटाल प्रांतीय सरकार ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि रविवार रात और प्रांत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाएं और ओलावृष्टि हुई जिसके कारण घरों और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान हुआ।

बयान के अनुसार प्रांतीय सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने आपदा राहत के आकलन और प्रावधान के लिए प्रांत के सबसे बड़े शहर डरबन के उत्तर में उथोंगथी क्षेत्र का दौरा किया है। बयान में कहा गया वे वहां तूफान से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए गए थे, जिसमें घर नष्ट हो गए और प्रांत में 10 लोगों की जान चली गई। प्रांतीय सरकार ने कहा कि उमगाबाबा, डरबन सेंट्रल और शहर के पश्चिमी हिस्सों सहित डरबन के आसपास के अन्य इलाकों में भी भारी बारिश हुई, जिससे कुछ घरों और सड़कों पर पानी भर गया।

ब्रिटेन के लिए जासूसी कर रहे दो चीनी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने अपने दो नागरिकों को ब्रिटेन के लिए जासूसी करने पर गिरफ्तार कर लिया है। यह खुलासा चीनी खुफिया एजेंसी ने करते हुए गताया कि दोनों नागरिक ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई-6 के लिए काम कर रहे थे। गिरफ्तार होने वाले एक दंपति को पकड़ा है। चीन की खुफिया एजेंसी और राज्य सुरक्षा मंत्रालय (एमएसएस) ने कहा है कि उन्होंने एमआई-6 से जुड़े एक महत्वपूर्ण जासूसी मामले का खुलासा किया है। सरकार के महत्वपूर्ण विभाग में कार्य करने वाले दोनों नागरिकों से ब्रिटेन की ओर से जासूसी कराया जा रहा था। यह आरोप ब्रिटिश पुलिस के उस दावे के कुछ हफ्ते बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने तीन लोगों को हांगकांग की खुफिया एजेंसी के लिए कार्य करने में हिरासत में लिया था। पकड़े गए दंपति का सिर्फ सरनेम जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि वांग और जोउ को एमआई-6 की ओर से भर्ती किया गया था। वांग 2015 में ब्रिटेन पढ़ने के लिए गया था। वहां अपनी पत्नी से मिला। वहां वांग को होटल रूम और देशभर में घूमने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। साथ ही पैसे भी दिए गए थे। दंपति ने चीनी सरकार के लिए केंद्रीय राज्य एजेंसी में काम किया और सरकार की खुफिया जानकारी एमआई-6 को दी। चीनी दावों के बारे में पूछे जाने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी खुफिया एजेंसियों के काम या सुरक्षा मामलों पर टिप्पणी न करने की सरकार की दीर्घकालिक नीति रही है।

अमेरिका ने की सफल चुनाव के लिए भारत सरकार और देश की जनता की सराहना

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए भारत सरकार और देश की जनता की सराहना की। लोकसभा के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि, तीन हिन्दी भाषी राज्यों में भाजपा को बड़ी संख्या सीटों का नुकसान हुआ है।

भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्र के लिए अंतिम परिणाम जारी कर दिये, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 240 और कांग्रेस को 99 सीट पर विजयी घोषित किया गया है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अमेरिका की ओर से, हम भारत सरकार और वहां के मतदाताओं को इतने बड़े चुनाव का आयोजन सफलतापूर्वक करने और उसका हिस्सा बनने के लिए बधाई देते हैं।''

निर्वाचन आयोग द्वारा अंतिम परिणाम घोषित किए जाने से पहले मिलर ने संवाददाताओं से कहा, ''हम अंतिम परिणाम देखने के लिए उत्सुक हैं।'' वह भारत में लोकसभा चुनावों को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैं चुनाव जीतने और हारने वालों पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा जैसा कि दुनियाभर में किया जाता है। हमारे लिए महत्वपूर्ण यह है कि हमने पिछले छह हफ्ते के दौरान इतिहास में लोकतंत्र की सबसे बड़ी कवायद को देखा जहां भारत के लोग मतदान के लिए घरों से बाहर निकले।'' उन्होंने अमेरिका सहित पश्चिमी देशों द्वारा भारत के चुनावों में दखल को लेकर तमाम खबरों का भी खंडन किया। वहीं, अमेरिका में भारत-केंद्रित व्यापार एवं व्यवसाय समूह 'द बोर्ड ऑफ अमेरिका-भारत स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) ने कहा, ''हमारी संस्था राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 2024 के आम चुनावों में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देती है।'' एक बयान में, यूएसआईएसपीएफ बोर्ड ने देश के ''गौरवशाली लोकतांत्रिक इतिहास'' में एक और नया अध्याय जोड़ने के लिए भारत के नागरिकों को भी बधाई दी।

चंद्रमा की सुदूर सतह से पत्थर-मिट्टी के नमूने लेकर रवाना हुआ चीन का अंतरिक्षयान

गाजा।

बीजिंग। चीन का कहना है कि चंद्रमा के सुदूर हिस्से से पत्थर और मिट्टी के नमूने लेकर एक अंतरिक्षयान चंद्र सतह से वापस पृथ्वी पर आने के लिए रवाना हो गया है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन ने कहा कि चांग ई-6 अंतरिक्षयान के 'एसेंडर' ने बीजिंग के समयानुसार सुबह उड़ान भरी और उसने चंद्रमा के पास पहले से निर्धारित कक्षा में प्रवेश किया। इस अंतरिक्षयान को पिछले महीने प्रक्षेपित किया गया था और इसका 'लैंडर' रविवार को चंद्रमा की एक सुदूर सतह पर उतरा। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अंतरिक्ष एजेंसी के हवाले से बताया कि अंतरिक्षयान ने योजना के तहत यान के 'एसेंडर' के अंदर रखे एक कंटेनर में नमूने एकत्रित किए। इस कंटेनर को एक 'री-एंट्री कैप्सूल' में रखा जाएगा जो 25 जून के आसपास चीन के आंतरिक मंगोलिया क्षेत्र के रेगिस्तान में पृथ्वी पर उतरेगा।

ब्रिटेन में बॉलीवुड गायक सोनू निगम मानद फेलोशिप से सम्मानित

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन में बॉलीवुड गायक सोनू निगम को संगीत के क्षेत्र में उनके विश्वव्यापी प्रभाव और योगदान के लिए प्रमुख भारतीय प्रवासी छात्र संगठन ने मानद फेलोशिप से सम्मानित किया है। सोनू निगम इस समय एक संगीत कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ब्रिटेन में मौजूद हैं। ब्रिटेन के 'नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनाई यूनियन' (एनआईएसएयू) ने पिछले सप्ताहांत लंदन के वेम्बली एरिना में निगम की प्रस्तुति के दौरान उन्हें फेलोशिप से सम्मानित किया। लेबर पार्टी के वरिष्ठ ब्रिटिश भारतीय सांसद वीरेंद्र शर्मा और स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में भारतीय संस्कृति के एमेरिट्स प्रोफेसर रेचल ड्वायर ने मंच पर निगम को सम्मानित किया। इससे पहले अभिनेत्री शबाना आजमी, लेखक जावेद अख्तर और अध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर समेत कई अन्य हस्तियों को यह मानद फेलोशिप प्रदान की जा चुकी है। यह फेलोशिप उन व्यक्तियों को दी जाती है जो वैश्विक मंच पर भारतीय सांस्कृतिक, शिक्षा और समाज सुधार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। सोनू निगम ने सम्मान प्राप्त करने के बाद कहा, ''आपके प्रेम और इस सम्मान के लिए एनआईएसएयू का धन्यवाद। मैं इसे ईश्वर की ओर से एक और अनमोल उपहार मानता हूं।''

ताइवान के आसपास फिर दिखे चीनी लड़ाकू विमान, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

एजेंसी

यरुशलम। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा है कि मंगलवार और बुधवार की सुबह करीब 26 चीनी लड़ाकू विमान और 10 युद्धपोत ताइवान की सीमा के आसपास दिखाई दिए। ताइवान मीडिया के अनुसार, 26 लड़ाकू विमानों में से 19 चीन और ताइवान की सीमा बांटने वाली मीडियन लाइन को भी क्रॉस कर गए। चीन की इस हरकत को उकसावे वाली कार्रवाई बताया जा रहा है।

चीन और ताइवान के बीच बढ़ा तनाव

ताइवान के मीडिया ने बताया कि चीनी लड़ाकू विमानों के जवाब में ताइवान ने भी अपने लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों को भेजा। साथ ही तटीय इलाकों पर अपने मिसाइल सिस्टम को भी सक्रिय कर दिया, ताकि चीन के किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जा सके। गौरतलब है कि ताइवान में बीती 20 मई को ही नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। नई सरकार बनने के बाद से ही चीन का रुख आक्रामक है और उसके लड़ाकू विमान और युद्धपोत लगातार ताइवान के आसपास मंडरा रहे हैं। चीन की इस कार्रवाई को उकसावे के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ताइवान की आजादी की बात अपने भाषण में कही, जिसने चीन को नाराज कर दिया है। हाल ही में चीन की सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी कर्नल वू कियान ने कहा था कि ताइवान की आजादी का मतलब सिर्फ युद्ध है और ताइवान में अलगाववादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले किसी भी विदेशी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं किया जाएगा और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

चीन की सेना लगातार ताइवान पर बना रही दबाव

चीनी सेना के अधिकारी ने कहा कि चीन का एकीकरण ऐसी घटना है, जिसे टाला नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और यही वजह है कि वह ताइवान की आजादी का विरोध करता है। ताइवान में नई सरकार के गठन के बाद से ही चीन की सेना के लड़ाकू विमान आए दिन ताइवान की सीमा के आसपास मंडराते नजर आ जाते हैं। ताजा घटना को भी उसी दबाव बनाने की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर प्रवासियों को नहीं मिलेगी शरण, राष्ट्रपति बाइडन ने जारी किया आदेश

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर शरण मांगने वाले प्रवासियों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि अमेरिका में नवंबर में चुनाव होने जा रहे हैं।

कांग्रेस में द्विदलीसय सीमा सुरक्षा समझौते के विफल होने के बाद डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति कई महीनों से इस पर विचार कर रहे हैं। दरअसल कई सारे रिपब्लिकन सांसदों ने संभावित रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर खारिज कर दिया था। जो बाइडन का यह आदेश दक्षिणी सीमा पर अतिक्रमण, प्रवासियों के शरण पर रोक लगाएगा।

प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो यह आदेश तब लागू होगा जब प्रवेश में बंदरगाहों के बीच सीमा मुठभेड़ की संख्या प्रतिदिन 2500 हो जाएगी। बता दें कि दैनिक औसत लगभग इससे अधिक ही है। इसलिए यह आदेश तुरंत लागू किया जाएगा। बता दें कि यह प्रतिबंध दो सप्ताह तक प्रभावी रहेगा।

जब तक कि प्रवेश के बंदरगाहों के बीच प्रतिदिन मुठभेड़ों की संख्या सात दिवसीय औसत के तहत 1,500 या उससे कम न हो जाए। आदेश लागू होते ही जो भी प्रवासी सीमा पर पहुंचेंगे, लेकिन देश वापस लौटने का डर नहीं होगा, उन्हें कुछ ही दिनों या घंटों में संयुक्त राज्य अमेरिका से वापस भेज दिया जाएगा। इन प्रवासियों पर अगले पांच साल तक प्रतिबंध और संभावित आपराधिक मुकदमा भी सजा के तौर पर किया जा सकता है। प्रतिबंध के दौरान हर शरणार्थी की जांच अमेरिका शरण अधिकारी द्वारा की जाएगी। जांच में सफल होने के बाद यातना के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन सहित मानवीय सुरक्षा के अधिक सीमित रूपों का पालन कर सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के आदेश को समझाते हुए प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि यह निर्देश ऐसे समय आया है जब दिसंबर से सीमा पर मिलने वाले प्रवासियों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। वहीं एक अन्य अधिकारी ने बताया कि संख्या अभी भी बहुत अधिक है और बेहतर मौसम में आंकड़े बढ़ सकते हैं। जब मुठभेड़ की संख्या पारंपरिक रूप से बढ़ जाती है।

जो बाइडन के बेटे हंटर की बढ़ीं मुश्किलें, बंदूक खरीदने के मामले में अभियोजन पक्ष में कहा- उन्हें नशे की लत

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। अभियोजन पक्ष ने बंदूक मामले में जूरी सदस्यों के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन का बेटा एक नशे का आदी था। उसने रिवॉल्वर पाने के लिए कागजी कार्रवाई पर झूठ बोला था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं होता है। डेलावेयर की संघीय अदालत में जूरी ने गवाह से पहले अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकीलों के बयान सुने। एफबीआई एजेंट को भी बुलाया गया। बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने जूरी से कहा कि ट्रायल में पेश किए सबूतों से पता चलेगा कि 54 वर्षीय हंटर बाइडन जानबूझ कर नियमों का उल्लंघन नहीं किया। यह पहली बार ऐसा हुआ जब किसी वर्तमान राष्ट्रपति के बेटे पर मुकदमा चल रहा है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप पहले ऐसे राष्ट्रपति बन चुके हैं, जिन्हें अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग के वकील डेरेक हाइंस ने जूरी सदस्यों को अक्तूबर 2018 की घटनाओं के बारे में बताया था, जब हंटर बाइडन ने बंदुक खरीदते समय बैकग्राउंड की जांच के दौरान ड्रग्स के उपयोग को लेकर झूठ बोला था।

हाइंस ने कहा, ÷यह गैरकानूनी था, क्योंकि वह नशे का आदी था। हंटर बाइडन ने तीन आरोपों में दोषी न होने की बात कही थी, जिसमें कोल्ट कोबरा 38-कैलिबर रिवॉल्वर खरीदने के दौरान अवैध दवाओं के उपयोग का खुलासा न करने और अक्तूबर 2018 में 11 दिनों के लिए अवैध रूप से हथियार रखने का आरोप शामिल हैं÷ बचाव पक्ष के वकील ने जूरी से सबूतों को ध्यान से सुनने की अपील की। उन्होंने बताया कि बंदूक खरीदने के दौरान एक फॉर्म में हंटर बाइडन से यह पूछा गया था कि वह र्तमान में नशे के आदी है या नहीं। उनसे यह नहीं पूछा गया कि उन्होंने कभी पहले इसका इस्तेमाल किया था नहीं। पिछले साल अदालत ने माना था कि हंटर ने हथियार खरीदने के लिए कई बार झूठ बोला है। उन पर अक्तूबर 2018 में बंदूक खरीदने के दौरान अपनी नशे की लत को लेकर झूठ बोलने का भी आरोप है। कहा गया था कि हंटर ने जब अक्तूबर 2018 में डेलावेयर के कॉल्ट कोबरा स्पेशल स्टोर से बंदूक खरीदी थी। तो उस समय बंदूक खरीदने के लिए उन्होंने जो फॉर्म भरे थे, उसमें उन्होंने झूठी जानकारी दी थी। उन्होंने उस समय कहा था कि वह ड्रग्स का आदी नहीं है जबकि ऐसा नहीं था। एक रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने हंटर को इस मामले में दोषी माना है।

श्रीलंका ने जब्त की 15 समूहों-210 लोगों की संपत्ति

एजेंसी

काठमांडू। श्रीलंका में आतंकवादी और चरमपंथी गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल लिट्टे सहित 15 संस्थाओं और 210 लोगों के सभी फंड, अन्य वित्तीय संपत्तियों और आर्थिक संसाधनों को जब्त किया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा सचिव जनरल (सेवानिवृत्त) कमल गुणरत्ने के नाम से गजट अधिसूचना जारी की गई।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गाजा पर इस्राइली हमले तेज, 19 की जान गई; फलस्तीन को मान्यता देने वाले देशों स्लोवेनिया भी शामिल

एजेंसी

काठमांडू। मध्य और दक्षिणी गाजा में हवाई हमलों और गोलाबारी से लगभग 19 लोगों की मौत हो गई है। करीब आठ महीनों से जारी लड़ाई को बंद करने की अंतरराष्ट्रीय अपील के बाद इस्राइल ने हमले और तेज कर दिए हैं। फिलिस्तीनी अधिकारियों के मुताबिक अल-बुरीज और अल-मगाजी शरणार्थी शिविरों और मध्य गाजा के दीर-अल-बलाह शहर पर इस्राइली हमलों में 17 लोग मारे गए। वहीं रफा में मानवीय मदद पहुंचा रहे 2 पुलिसकर्मी भी हमले में मारे गए।

स्लोवेनिया ने भी फलस्तीन को देश के तौर पर मान्याता दी

स्लोवेनिया फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देने वाला नया यूरोपीय देश बन गया है। इसके पहले स्पेन, आयरलैंड और नार्वे फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं।

स्लोवेनिया के ऐसा करने का मकसद इस्राइल के युद्ध बंद करने के लिए दबाव बनाना है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के गाजा में हमला करने के बाद से इस्राइल ने आक्रामक रुख अपना रखा है।

'जब तक इस्राइल की सेना वापस नहीं जाती सीजफायर नहीं रुकेगा'

हमास ने बयान देते हुए कहा कि जब इस्राइल स्पष्ट रूप से युद्ध विराम का वादा नहीं करता और अपनी सेनाओं को वापस नहीं ले जाता, तब लड़ाई नहीं रुकेगी।

हमास का बयान तब आया है, जब कतर ने भी यहूदी देश से समझौता करने को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। अमेरिका और मित्र के साथ ही कतर भी हमास और इस्राइल के बीच मध्यस्था करने वाला देश है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने 6 हफ्ते के लिए युद्ध विराम का दिया था प्रस्ताव

पिछले हफ्ते, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने तीन चरणों का एक प्रस्ताव दिया था, जिसमें कहा गया था इस्राइली सेना 6 हफ्ते के लिए आबादी वाली जगह से हट जाएगी साथ सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों के बदले बंधकों को भी छोड़ा जाएगा। इसके साथ ही अमेरिका की रिपब्लिक सरकार ने अंतराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय पर प्रतिबंध लगाने के लिए विधेयक पास किया। अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में अभियोजन ने गाजा में सक्रिय इस्राइली सेना के अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग की गई थी।

दिल्ली ने जताया मोदी पर भरोसा: प्रवीण खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चाँदनी चौक लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित घोषित भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल ने कहा है कि दिल्ली के लोगों ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है।श्री खंडेलवाल ने यहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जे पी अग्रवाल को भारी मतों से हराकर अपने राजनीतिक पारी की धमाकेदार शुरुआत करते हुए कहा कि दिल्ली के चुनाव परिणामों ने जाहिर कर दिया कि दिल्ली की जनता पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के आंख में धूल झोंकने वाले इंडिया समूह के गठबंधन का कोई असर नही हुआ है और दिल्ली की जनता ने एक बार फिर से श्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकारा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार तीसरी बार बनने जा रही है।

नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की गई। मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा

था। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति भवन पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लोकसभा भंग करने की सिफारिश करते हुए अपना और अन्य मंत्रियों का इस्तीफा सौंपा। जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूर कर लिया। साथ ही राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी से अगली सरकार के गठन तक बतौर कार्यकारी प्रधानमंत्री जिम्मेदारी संभालने की अपील की।

नरेंद्र मोदी की नैतिक हार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि आज आए लोकसभा चुनाव के परिणाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नैतिक हार हुई है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जनता से जुड़ने के लिए जो दो यात्राएं की, उसका लाभ कांग्रेस को मिला है। श्री खडगे ने कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस चुनाव के जो परिणाम सामने आए हैं, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। उन्होंने जिस तरह से चुनाव लड़ा, कांग्रेस के घोषणा पत्र के खिलाफ झूठ बोला और लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया, जनता उसे समझ गई थी और उसका जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा, इस चुनाव में कांग्रेस को पार्टी नेता राहुल गांधी की दो यात्राओं का बड़ा लाभ मिला है और इन यात्राओं के कारण हमने लोगों की भावनाओं को समझते हुए जनता के लिए पांच न्याय की बात की और पांच न्याय को लेकर जनता ने अपना निर्णय दिया है। श्री खड़गे ने कहा मोदी सरकार देश का संविधान बदलना चाहती थी और हम जनता को यह समझाने में सफल रहे हैं कि भाजपा यदि 400 के पार होती है तो वह संविधान पर हमला करेगी। खुशी इस बात की है कि हम यह संदेश देने में सफल रहे हैं और आज जो स्थिति बनी है, वह कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के दिशा निर्देशों के कारण बनी है और इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं। उन्होंने इंडिया समूह के नेताओं का भी आभार जताया और कहा कि सभी ने मिलकर एक साथ प्रचार किया। उन्होंने कहा कि अभी लड़ाई अंजाम तक नहीं पहुंची है। हमें लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के लिए देश की सेवा और सुरक्षा की यह लड़ाई लड़नी है और सुनिश्चित करना है कि संसद सुचारू रूप से चले, विपक्ष के मुद्दों को प्राथमिकता मिले और संसद में विभिन्न मुद्दों पर बहस हो।

दिल्ली की सातों सीटों पर भाजपा का कब्जा बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर एक बार फिर 'कमल' खिला है। भाजपा ने दिल्ली की सभी सीटों पर शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) ने मिलकर काफी दम लगाया, लेकिन कुछ खास अंतर होता नजर नहीं आया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार उत्तर पूर्वी दिल्ली में भाजपा के मनोज तिवारी 1 लाख 37 हजार अधिक वोटों से कांग्रेस के कन्हैया कुमार को हराया। मनोज तिवारी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है।

नई दिल्ली सीट से भाजपा की बांसुरी स्वराज ने आआपा के सोमनाथ भारती को 78,000 से अधिक वोटों से हराया। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 01 लाख 24 हजार अधिक मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सही राम को हराया। उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के योगेन्द्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज को

2,74,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। पूर्वी दिल्ली सीट से भाजपा के हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार के खिलाफ 81,000 से अधिक मतों से जीत दर्ज की। चांदनी चौक सीट से भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल ने कांग्रेस के जय प्रकाश अग्रवाल को 89,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। पश्चिमी दिल्ली सीट से भाजपा की कमलजीत सहरावत ने आम आदमी पार्टी के महाबल मिश्रा को 1,95,000 से अधिक मतों से हराया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सातों सीटों पर जीत हासिल की थी। यही वजह है कि इस बार आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी ने मिलकर भाजपा को चुनौती दी है। गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी ने 4 और कांग्रेस ने 3 सीटों पर चुनाव लड़ा। लेकिन भाजपा का विजयरथ इस बार भी नहीं रुका। भाजपा को इस चुनाव में 54 प्रतिशत से अधिक वोट प्रतिशत मिला है।

नीट-यूजी 2024 में 13.16 लाख परीक्षार्थी क्वालिफाई

एजेंसी

नईदिल्ली/कोटा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी, 2024 का रिजल्ट मंगलवार को घोषित कर दिया। एनटीए की वरिष्ठ निदेशक डॉ साधना पाराशर के अनुसार 5 मई को यह परीक्षा देश-विदेश के 571 शहरों के 4750 परीक्षा केंद्रों पर 13 भाषाओं में पेन-पेपर मोड में हुई थी। कुल 23 लाख 33 हजार 297 हजार ने यह परीक्षा दी थी, जिसमें से 13 लाख 16 हजार 268 (56.41 प्रतिशत) को क्वालिफाई घोषित किया गया है। इस वर्ष सर्वाधिक 13 लाख छात्राओं और 10 लाख छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा दी है। एनटीए ने मात्र एक माह में इसका रिजल्ट घोषित कर काउंसलिंग के लिए पर्याप्त समय दे दिया है। कोचिंग संस्थानों में रिजल्ट देखने का सिलसिला देर रात्रि तक जारी रहा। नीट-यूजी में देश के टॉप-20 छात्रों ने 99.9971285 परसेंटाइल अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की। इसमें राजस्थान से तीन छात्र सौरव, आदर्श सिंह मोयल और शशांक शर्मा है। शेष 17 छात्र अन्य राज्यों से हैं। इसी तरह, टॉप-20 छात्रायें 99.9971285 परसेंटाइल के साथ ऑल इंडिया रैंक-1 पर सफल रहीं। इसमें राजस्थान से चार छात्रायें

प्रचिता, ईशा कोठारी, ईराम काजी और जाह्नवी टॉपर रहीं। शेष 16 छात्रायें अन्य राज्यों से हैं। एनटीए ने सामान्य एवं प्रत्येक आरक्षित श्रेणी में 10-10 परीक्षार्थियों को परसेंटाइल के आधार पर केटेगरी ऑल इंडिया रैंक-1 प्रदान की है। सामान्य वर्ग के 10 विद्यार्थियों वेद सुनील कुमार शेंदे, सैयद अरिफिन यूसूफ, रूप्यन मंडल, अक्षत पेंगारिया, शौर्य गोयल, प्रचिता, शैलजा एस, सौरव, दिव्यांश व गुन्मय गर्ग ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किये हैं। इसमें सामान्य वर्ग से प्रचिता एवं सौरव टॉपर हैं। इसके अतिरिक्त 11 परीक्षार्थियों को 99.997129 परसेंटाइल अंकों पर राजस्थान स्टेट टॉपर घोषित किया गया है। एनटीए के जोनल कॉर्डिनेटर प्रदीप सिंह गौड ने बताया कि राजस्थान के 24 शहरों में कुल 1 लाख 74 हजार 894 हजार ने यह परीक्षा दी थी, जिसमें 1 लाख 21 हजार 240 क्वालिफाई हुए हैं। कोटा में 56 परीक्षा केंद्रों पर 28 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे।

2.10 लाख सीटों पर मिलेंगे प्रवेश -

कॅरियर काउंसलर पारिजात मिश्रा के अनुसार नीट-यूजी के माध्यम से देश में एमबीबीएस के 706 मेडिकल कॉलेज की 1,09,145, बीडीएस के 323 कॉलेज की 28,088, आयुष पाठ्यक्रम की कुल 55,851 सीटों एवं चयनित बीएससी नर्सिंग कॉलेज के पाठ्यक्रमों की करीब 2 लाख 10 हजार सीटों पर काउंसलिंग द्वारा प्रवेश दिये जायेंगे।

जनादेश भाजपा के खिलाफ, नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें मोदी: आप

एजेंसी

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव के जनादेश को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नफरत और तानाशाही की राजनीति के खिलाफ बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस्तीफे की मांग की है।

आप के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश की जनता का जनादेश भाजपा के खिलाफ है। भाजपा को बहुमत नहीं मिल रहा है, लिहाजा श्री मोदी को नैतिकता के आधार पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। चुनाव परिणाम से संदेश साफ है कि जनता ने महंगाई, बेरोजगारी और तानाशाही से दुखी होकर 'भाजपा वापस जाओ' का नारा दिया है। लोग समझ गए थे कि संविधान और आरक्षण को खत्म करने तथा अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए श्री मोदी को 400 सीटें चाहिए। श्री सिंह ने देश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि इस चुनाव में जनता ने यह सबसे बड़ा संदेश दिया है कि वे 10 साल के भाजपा शासन से दुखी और परेशान हैं। जनता इस सरकार को हटाना चाहती है। लोग महंगाई, बेरोजगारी और तानाशाही से दुखी हैं। जिस तरह से इस चुनाव में धन-बल, ईडी-सीबीआई, आयकर

विभाग, पुलिस बल का इस्तेमाल किया गया, सारे विपक्ष को पकड़कर जेल मे डाला गया। पूरे चुनाव को प्रभावित करने की एक गहरी साजिश रची गई। इसके बावजूद भारत के लोकतंत्र की यह खूबसूरती है कि देश की महान जनता ने 'भाजपा वापस जाओ' का नारा दिया है। जनता ने बाबा साहब के संविधान, दलितों, पिछड़ों, शोषितों और आदिवासियों को मिले आरक्षण को बचाने के लिए वोट किया। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि जिस समय चुनाव का सातवां चरण समाप्त हुआ और एग्जिट पोल आए, सात चरणों के चुनाव में देश की जनता लगातार ये संदेश दे रही थी कि उसने भाजपा की तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी को खत्म करने के लिए अपना जनादेश दिया है। दिल्ली के अंदर भाजपा के मतों का अंतर काफी बड़े पैमाने पर कम होने जा रहा है।

उन्होंने कहा, मैं देश के लोगों से कहना चाहता हूं कि आपने भाजपा को हराया है, लेकिन भाजपा की तानाशाही प्रवृति अभी खत्म नहीं हुई है। इस देश को इसके संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सबको मिलकर इस लड़ाई को आगे लड़ना पड़ेगा। जो इस देश के संविधान और लोकतंत्र में भरोसा रखते हैं, मैं उन तमाम पार्टी के लोगों से भी अपील करता हूं कि अपनी अंतरआत्मा की आवाज को सुनिए और जनता के जनादेश को स्वीकार करते हुए इस तानाशाही को हटाकर संविधान को बचाने के लिए एक लोकतांत्रिक सरकार बनाने के लिए आगे बढ़िए।उन्होंने कहा कि श्री चंद्रबाबू नायडू और श्री नीतीश कुमार से देश के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि वे सही समय पर सही फैसला लेंगे और इस तानाशाही को खत्म करने के लिए देश की जनता की आवाज सुनेंगे।

5,59,472 वोटों से जीते बीजेपी के महेश शर्मा, सपा के महेंद्र नागर को दी करारी मात

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की वीआईपी सीटों में शामिल गौतमबुद्ध नगर से भारतीय जनता पार्टी के डॉ. महेश शर्मा ने जीत की हैट्रिक के साथ रिकार्ड तोड़ वोटों से जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, डॉ. महेश शर्मा ने अपने निकटमत प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी (सपा) के डॉ. महेन्द्र सिंह नागर को साढ़े पांच लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया है। बता दें, 2019 के चुनाव में गाजियाबाद से भाजपा प्रत्याशी वीके सिंह ने 501,500 वोटों के अंतर से प्रदेश में सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। भारत चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा को

8,57,829 वोट मिले। वहीं रनर रहे सपा के डॉ. महेन्द्र सिंह नागर को 2,51,615 वोट प्राप्त हुए। डॉ. शर्मा ने 5 लाख 59 हजार 472 वोटों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में ये सबसे बड़ी जीत है। डॉ. शर्मा का वोट शेयर 59.69 फीसदी रहा। वहीं सपा प्रत्याशी का वोट शेयर 20.76 फीसदी रिकार्ड हुआ। दूसरे चरण में 26 अप्रैल को गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट पर वोट डाले गए। इस बार यहां पर 53.30 फीसदी वोटिंग हुई।

हर जीत के साथ बढ़ा वोटों का अंतर

2014 में डॉ. महेश शर्मा ने पहली बार गौतमबुद्ध नगर सीट से मैदान में उतरे थे। इस चुनाव में डॉ महेश शर्मा को 5,99,702 वोट मिले। वहीं सपा के नरेन्द्र भारती को 3,19,490 वोट मिले थे। डॉ. शर्मा ने ये चुनाव 2 लाख 80 हजार 212 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी। चुनाव में डॉ. शर्मा का वोट शेयर 50 फीसदी था।

वहीं 2019 में डॉ शर्मा ने दूसरी बार भाजपा का कमल खिलाया। इस चुनाव में डॉ. शर्मा ने बसपा के सतवीर सिंह को 3 लाख 36 हजार 922 वोटों के अंतर से हराया था। डॉ. शर्मा को 8,30,812 वोट मिले, वहीं बसपा प्रत्याशी को 4,93,890 वोट मिले थे। चुनाव में डॉ. शर्मा का वोट शेयर 59.64 फीसदी था।

नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियों के लिए आम जनता के लिए बंद रहेगा राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली। नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियों के कारण राष्ट्रपति भवन अगले पांच दिनों तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान जारी कर बताया कि राष्ट्रपति भवन में मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के आगामी आयोजन की तैयारी के कारण राष्ट्रपति भवन (सर्किट-1) का दौरा आम जनता के लिए 5 से 9 जून तक बंद रहेगा। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का तीसरा कार्यकाल तय है, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला है।

NAME CHANGE
I hitherto known as RAM ASRE MAURYA alias RAM ASRE KUSHVAHA S/o SHANKAR LAL, R/o 2816, Karhera-5 Mohan Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201007, have changed my name and shall hereafter be known as RAM ASRE KUSHV

NAME CHANGE
It is for general information that I, AVDHESH KUMAR S/O KUMARPAL SINGH Permanently residing at AHMEDPUR CHAROLI, ASMADPUR CHAROLI, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-203155 Presently resident at RZP-211, RAJ NAGAR-II, PALAM COLONY, NEW DELHI-110077 declare that name of mine has been wrongly written as AVDHESH in my minor son aged 16 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is AVDHESH KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, FATIMA W/o ADAM ABBAS R/o 1173-84, Fourth Floor, Gali Samosan, Farash Khana, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006, declare that name of mine and my minor son have been wrongly written as FATMA and AMAN HEDAR in my minor son's namely AMAAN HAIDER aged 17 years in his Birth Registration Certificate No. MCDOLIR-0112- 005108599. And name of my husband has been wrongly written as AADAM ABBAS in my minor son's namely AMAAN HAIDER aged 17 years in his CBSE 10th class Marksheet cum Certificate. The actual name of mine, my minor son and my husband are FATIMA, AMAAN HAIDER and ADAM ABBAS respectively.

NAME CHANGE
It is for general information that I, AVDHESH KUMAR S/O KUMARPAL SINGH Permanently residing at AHMEDPUR CHAROLI, ASMADPUR CHAROLI, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-203155 Presently resident at RZP-211, RAJ NAGAR-II, PALAM COLONY, NEW DELHI-110077 declare that name of mine has been wrongly written as AVDHESH in my minor son aged 16 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is AVDHESH KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, AMIT KUMAR CHAUHAN S/O OM PRAKASH CHAUHAN R/O A-1455, DABUAA COLONY, FARIDABAD, HARYANA-121001 have changed my name to AMIT CHAUHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAYANK S/O ANIL KUMAR residing at F-36, GALI NO-13, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to MAYANK KUMAR THAKUR for all future purposes.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD PARVEZ ANSARI S/O HAJI MOHAMMAD UMAR R/O F-56, SECTOR-44, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHAMMAD PARVEZ AHMAD ANSARI FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, KIRTI / KIRTI SINGH W/O RISHI RAJ RUSTAGI residing at A-2/23-A, GALI NO-2,, BHAJANPURA, DELHI-110053 have changed my name to KIRTI SINGH RUSTAGI all future purposes

NAME CHANGE
I, ISHA SHARMA D/o JASMEET SINGH R/O HOUSE NO-104 A SECTOR-11 D-BLOCK FARIDABAD SECTOR 7 FARIDABAD HARYANA-121006 have changed my name from ISHA to ISHA ISHA SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NEETU alias NEETU JUNEJA D/o ASHOK KUMAR W/o NEERAJ JUNEJA residing at 270,FF, Pocket -18 , Sector-24, Rohini, North West Delhi-110085 have changed my name and shall hereafter be known as NEETU JUNEJA.

NAME CHANGE
I, NIRMALA VERMA W/O RAJESH KUMAR VERMA residing at C-2/164, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 have changed my name to NIRMAL VERMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAN SINGH S/O GURDAYAL SINGH residing at B-237 P.D VIHAR LAXMI NAGAR BARAMAD DELHI-110092 have changed my name to MAAN SINGH MAKKAR for all future purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, JITENDER BHARTI S/O ALAKH DEV BHARTI R/O WZ-829/1, Naraina Village, South West Delhi-110028 declare that name of mine has been wrongly written as JITENDER KUMAR BHARTI in my minor son namely NITIN KUMAR BHARTI aged 17 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine is JITENDER BHARTI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RAJEEV S/O SHAMSHER SINGH R/O 25-B, Near Dena Bank, Tyagi Mohalla, Chattar Pur, South Delhi-110074 have changed the name of my minor Daughter UNIQUE aged 12 years and she shall hereafter be known as RADHIKA.

सार्वजनिक सूचना
कि दीपक कुमार एवं सत्यम पुत्रगण श्री हर प्रसाद निवासी 8/76, दक्षिणपुरी, नई दिल्ली.62 के द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि हमारे पिता श्री हर प्रसाद पुत्र स्व0 श्री जगदीश पिछले छः वर्षो से लापता है जिसके संबंध में हमने पुलिस को भी सुचित किया हुआ हैं। जिनकी अभी तक कोई जानकारी नही मिली है कि वह जीवित है या स्वर्गवासी हो चुके है। और हम दोनो भाईयों ने अपनी निजी आवश्यकता के लिए मकान नं0.8/76, दक्षिणपुरी, नई दिल्ली. 110062, को श्री अमित चौहन पुत्र श्री ओमप्रकाश को बेच दिया हैं। इसलिए हम दोनो भाई अपने पिता श्री हर प्रसाद जी से अनुरोध करते हैं अगर वो जीवित हैं और उक्त संपत्ति को बेचने से हमारे पिता श्री हर प्रसाद को कोई आपत्ति हैं तो हमे इस सूचना कि तिथि से 15 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करायें । आपत्ति दर्ज करने के 15 दिनो के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नही किया जाएगा ।
दीपक कुमार एवं सत्यम
पुत्रगण श्री हर प्रसाद
निवासी 8/76, दक्षिणपुरी, नई दिल्ली 62

NAME CHANGE
I, NITU KUMARI Wife of No. 4294042L Rank-NK Name-RAVI KANT SINGH Presently residing at VPO-MANIKPUR, TEH+DIST-ARA, PS-KOILWAR, BIHAR-802163 have changed my name from NITU KUMARI to NITU DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 05/06/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 4378046M NK RANGI KUMAR SARKI S/o HOM BAHADUR R/o KARKE CHUK, PHULANI NO-1, JENGRAIMUKH, DISTT-JORHAT, ASSAM-785105 have changed my name from RANGI KUMAR SARKI to RANGI KUMAR NEWAR for all future purposes vide Affidavit dated 05/06/2024 before Sub Divisional Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, Kajal D/o Rajinder Kumar R/o H. No. 152, Ram Nagar, Jagadhri Workshop, Yamunanagar-135002, Haryana have changed my name to Kajal Dhawal permanently

Lost and found
I Yogesh Kumar Babbar R/O of B3/59, Paschim Vihar,New Delhi inform that original Builder Buyer Agreement of Flat number 1047, Zara Avaas, sector 104, Gurgaon has been lost & FIR lodged vide LR 1766860_2024

NAME CHANGE
I, JC-384970K Rank-SUB Name-PRADEEP KUMAR S/o BHAGVAT R/o VILL-BANGHODI, PO-FULARA, TEH-SEONI, DISTT-SEONI, M.P-480661 have changed my mother's name from BANVATI SANODIA to BANVATI SANODIYA for all future purposes vide affidavit dated 05/06/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JASMEET SINGH S/o PRITHIPAL SINGH BHAMBRI R/O 1ST FLOOR SECTOR-11 MILAN VATIKA FARIDABAD SECTOR 7 FARIDABAD HARYANA-121006 have changed my name from JASMEET SINGH BHAMBRI to JASMEET SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Mohd Saqib S/o Mohd Ansar R/o House No-729, Gali No-29, Jafrabad, Seelampur, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Saqib Khan for all future Purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री पवन कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री गुलाब चंद 31.37 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित संपत्ति संख्या 9907-ए (9907 का हिस्सा) के मालिक हैं। अमरीक राय गंज, अहाता ठाकुर दास, सराय रोहिल्ला, दिल्ली में स्थित है। सदुण द्वारा, विक्रय विलेख दिनांक 14.07.2011 को दस्तावेज़ संख्या 6158 के रूप में पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 3920 पृष्ठ 59 से 64 एसआर-। दिल्ली पर, नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेज़ में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री गुलाब चंद पुत्र की एसएमसी श्री पन्ना लाल और श्रीमती पुष्पा देवी के नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र, अब हमारे ग्राहक घोषणा कर रहे हैं कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और निर्मित तीसरी मंजिल (छत/छत के अधिकार के बिना) भी श्रीमती सुषमा को बेची गई है। और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा शादीपुर, दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, MAMTA W/O MOHINDER KUMAR residing at H NO-977/21, JAIL ROAD, PREM NAGAR, ROHTAK, HARYANA-124001 have changed my name to MAMTA MIGLANI all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला अरुणा देवी व उसके पति श्री सुरेंद्र पता मकान नंबर डी-35 विजय नगर कॉलोनी बवाना दिल्ली-39 ने अपने पुत्र रिंकू व उसकी पत्नी मधुबाला को उनके गलत चाल चलन और अनियंत्रण व झगड़ालू व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से हमेशा के लिए बेदखल कर दिया है। अत: उनके किसी कार्य व्यवहार के प्रति मेरे मुवक्किल अरुणा व सुरेंद्र जिम्मेदार नहीं होंगे
के. के. कौशिक अधिवक्ता
Ch No-913 Rohini court Delhi

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mrs. Suman & Mr. Niranjan Singh** who have approached **Indo Star Home Finance Pvt. Ltd** for Loan Against Property of the **Residential Plot, Area Measuring 25 sq. Yds., i.e, 20.90 sq. Mtr., Falling Under Khasra No. 412, Situated at Sant Nagar Colony, Village Sadullabad, Paragan & Tehsil Loni, Dist. Ghaziabad.** Purchased from **Mr. Sanjay Shahasmal** vide Sale Deed regd. as Doc No. 815, Book No.1, Volume No.5348, Pages313-332,dated 12.01.2024, SR-Loni.
It is to mention that the above-mentioned property has not been generated the plot number.
And the said property is going to be mortgaged in **Indo Star Home Finance Pvt. Ltd, F-38, 1st Floor, Pearls Omaxe, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034.**
All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I, RISHI RAJ S/O LEELA DHAR RASTOGI residing at A-2/23-A, GALI NO-2,, BHAJANPURA, DELHI-110053 have changed my name to RISHI RAJ RUSTAGI all future purposes

NAME CHANGE
I, SHYAM BATI mother of NO-17018612Y Rank-CFN Name-AMAR CHAND R/O VILL-RAKHOTA, PO-AHERWAN, TEH-PALWAL, DISTT-PALWAL, HARYANA-121102 have changed my name from SHYAM BATI to SHYAM WATI for all future purposes vide affidavit dated 05/06/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANKARAN SETHURAMAN S/o SETHURAMAN RAMASWAMY R/o B-349, Kendriya Vihar, Near City Center Metro Station, Sector-51, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of mine, my wife and my son has been wrongly written as S. SANKARAN , S. JAYAVIDYA and S. SAIPRASAD in my Service Record. The Actual name of mine, my wife and my son are SANKARAN SETHURAMAN, JAYAVIDYA SANKARAN and SAIPRASAD SANKARAN respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, MAHENDER MIGLANI S/O OM PARKASH residing at H NO-977/21, JAIL ROAD, PREM NAGAR, ROHTAK, HARYANA-124001 have changed my name to MOHINDER KUMAR all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known J. JAYAVIDYA alias JAYAVIDYA J alias JAYAVIDYA JANAKIRAMAN alias JAYAVIDYA SANKARAN D/o JANAKIRAMAN NARAYANASWAMY W/o SANKARAN SETHURAMAN, R/o B-349, Kendriya Vihar, Near City Center Metro Station, Sector-51, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as JAYAVIDYA SANKARAN

NAME CHANGE
It is for general information that I, SAIPRASAD SANKARAN S/o SANKARAN SETHURAMAN R/o B-349, Kendriya Vihar, Near City Center Metro Station, Sector-51, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of mine has been wrongly written as S SAI PRASAD in my Birth Certificate No. 2005/08/127/110. The Actual name of mine is SAIPRASAD SANKARAN respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I hitherto known as JYOTI BRAR alias JYOTI MANOCHA alias SUMAN D/O SHADI LAL BRAR W/O LATE RAJEEV MANOCHA R/O Hno - E-2/253,BLOCK-E,POCKET-2,ROHINI SEC-11,NORTH WEST DELHI, DELHI -110085 have changed my name and shall hereafter be known as JYOTI MANOCHA

NAME CHANGE
I, SARITA AGGARWAL W/O GOPAL AGGARWAL residing at H NO-32/72, HANSRAJ MODEL SCHOOL, PUNJABI BAGH, WEST DELHI-110026 have changed my minor son name from HIMANSH AGGARWAL to HIMANSH AGARWAL for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्रीमती राजरानी पत्नी श्री कुवेरपाल 100 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 5 की मालिक हैं, जिसमें खसरा नंबर 906 शामिल है, जो गांव छपरोला परगना और तहसील दादरी जिले में राज एन्क्लेव गौतमबुद्धनगर उ.प्र. में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 13.03.2015 के आधार पर उप-रजिस्ट्रार-दादरी के कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 5171, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 8011, पृष्ठ 291-310, दिनांक 13.03.2015 के रूप में विधिवत पंजीकृत। आज तक और अपना मूल विक्रय पत्र दिनांक 09.07.2007 को खो दिया है/गुम कर दिया है, जो उप-रजिस्ट्रार-दादरी के कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 10484, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 774, पृष्ठ 113-138, दिनांक 09.07.2007 के रूप में विधिवत पंजीकृत है।. और मूल विक्रय विलेख दिनांक 08.06.2012 को उप-रजिस्ट्रार-दादरी के कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 10538, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 4437, पृष्ठ 335-358, दिनांक 08.06.2012 के रूप में विधिवत पंजीकृत। इसे श्री किशन कुमार करोली की पत्नी श्रीमती सरोजनी सक्सेना के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती लीला को बेची गई और उसका वित्त भी किया गया है डीएमआई द्वारा, हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लिमिटेड शाखा दिल्ली - 5.यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NOTICE
Public at large is hereby informed that M/s. D.P.S. Construction and Promoters is owner of Plot area measuring 191.63 sq. yds. i.e. 160.22 sq. mtrs., Part of Khata No. 516, Khasra No. 1063min, Situated in Village Mehrauli, Pargana Dasna Tehsil and Distt. Ghaziabad vide Sale Deed dated 15/06/2023 executed by (1) Mr. Praveen, (2) Mr. Pramod and (3) Mr. Vijay in favour of M/s. D.P.S. Construction and Promoters through its Partner Mr. Sanjeev Kumar in respect of Plot area measuring 191.63 sq. yds., Khasra No. 1063min, duly registered as Doc. No. 5970, in Book No. I, Volume No. 20041, on Pages 85 to 108, Dated 15/06/2023. (SR-Ghaziabad-I). Initially, Mr. Amar Singh was the recorded owner of the said property as per revenue record. Who died leaving behind his last Regd. WILL dated 06/07/2010 in favour of his Grandsons (1) Mr. Praveen, (2) Mr. Pramod and (3) Mr. Vijay in respect of 2/3rd Share of Land area measuring 680 sq. yds., Khasra No. 1063 and Mr. Monu and Mr. Manish in respect of 1/3rd Share of Land area measuring 680 sq. yds., Khasra No. 1063. (Doc. No. 195) and Finally, Sale Deed dated 15/06/2023 who will mortgage the said property with ICICI Home Finance Co. Ltd. Whosoever, is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 5/6/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

कांग्रेस की गुटबाजी का शिकार हुए राव दान सिंह

एजेंसी

भिवानी। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा हलके में कांग्रेस की आपसी गुटबाजी के चलते कांग्रेस के हाथ से एक सीट निकल गई। इस सीट से भाजपा उम्मीदवार धर्मबीर एक बार फिर से विपरीत परिस्थितियों के खिलाड़ी साबित हुए। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा हलके में कांग्रेस प्रत्याशी राव दान सिंह तथा किरण चौधरी के बीच का विवाद खत्म नहीं हुआ। दोनो नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में भी मंच पर भिड़ गए थे। प्रचार के दौरान किरण चौधरी समर्थकों के कई ऐसे ऑडियो वायरल हुए, जिसमें उन्होंने दान सिंह को हराने की अपील की। यही नहीं किरण चौधरी ने खुलकर राव दान सिंह के खिलाफ काम किया। इसके उलट विपरीत हालातों में भी भाजपा उम्मीदवार धर्मबीर अपना प्रचार करते रहे और एक बार फिर से लोकसभा में पहुंच गए।

20 साल के बाद बांगर में कांग्रेस का दबदबा, जीते जयप्रकाश

जींद। हिसार लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश जेपी की जीत की घोषणा होते हुए शहर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीजे लेकर जुलूस निकाला। डीजे पर यो जेपी सै मेरे भाईए जेपी-जेपी हो री सै गीत पर कार्यकर्ता झूमे। बाजारों में जम कर आतिशबाजी करने के साथ-साथ गुलाल उड़ा कर खुशी मनाई। दुकान-दुकान पर जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लड्डू भी बांटे। 2004 में हिसार लोकसभा से कांग्रेस की तरफ से जयप्रकाश चुनाव जीते थे। 2004 के बाद 20 साल के बाद जयप्रकाश ने जीत दर्ज कर कांग्रेस के सूखे को समाप्त करने का काम किया है। उचाना हलके में उम्मीदों के अनुरूप जयप्रकाश को गांवों में बड़ी जीत मिली। मतगणना के एक भी राउंड में जयप्रकाश पीछे नहीं आए, बल्कि अपनी जीत को बढ़ाते रहे। दोनों पार्टियों के समर्थक अपने-अपने जानकारों से फोन पर चुनाव को लेकर जानकारी लेते रहे। जब हिसार शहर में 32 हजार के आसपास लीड भाजपा को मिलने के साथ-साथ आदमपुर से भाजपा की हार की जानकारी मिली तो भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरे निराश हो गए। बेशक सबसे अधिक सीट भाजपा ने जीती हो लेकिन कार्यकर्ताओं में कोई जोश नजर नहीं आ रहा था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत नफरत पर मोहब्बत की जीत है। मतदाताओं ने नफरत को इस चुनाव में हराने का काम किया है।

अब केंद्र की राजनीति करेंगे मनोहर लाल

एजेंसी

करनाल। करीब दस साल पहले करनाल से हरियाणा की राजनीति में कदम रखने वाले मनोहर लाल को आज कर्णनगरी ने ही नया मोड़ दिया है। लोकसभा चुनाव में अपने विरोधी दिव्यांशु बुद्धिराजा को हराने वाले मनोहर लाल अब केंद्र की राजनीति में सक्रिय होंगे। मोदी पार्ट-3 में उनकी भूमिका अहम हो सकती है। हरियाणा में मनोहर सरकार के कार्यकाल के दौरान लागू की गई कई योजनाओं को केंद्र की मोदी सरकार ने अपनाया है। अब मनोहर लाल बतौर सांसद टीम मोदी का हिस्सा बन गए हैं। मनोहर लाल ने विधायक पद से इस्तीफा देकर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। उनकी जगह खाली हुई विधानसभा सीट पर चुनाव लड़े मुख्यमंत्री नायब सैनी भी यह चुनाव जीत गए हैं। जिसके चलते वर्ष 2014 में सीएम सिटी के रूप में नई पहचान हासिल करने वाला करनाल अभी भी सीएम सिटी बना रहेगा।

पूंडरी में जीते नवीन जिंदल, कलायत व गुहला में हारे

04 छ्ब्ह्ठु 2024 20~58~37

पूंडरी में जीते नवीन जिंदल, कलायत व गुहला में हारे

कैथल। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नवीन जिंदल कैथल व पूंडरी में जीते। उन्हें कलायत में गुहला से हार का सामना करना पड़ा। जिला कैथल की चारों विधानसभाओं से नवीन जिंदल को 227667 वोट मिले तो सुशील गुप्ता ने उन्हें कड़ी टक्कर देते हुए 219298 वोट हासिल किया। जिला कैथल से नवीन जिंदल को 8055 वोटो की बढ़त मिली। जिसने उनकी जीत में अहम भूमिका निभाई। कैथल विधानसभा में बीजेपी के उम्मीदवार नवीन जिंदल ने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सुशील गुप्ता को 16788 वोटों से हराया। कैथल विधानसभा में 149648 वोट में से नवीन जिंदल को 74002 वोट मिली। जबकि आम आदमी पार्टी के सुशील गुप्ता को 57214 वोट मिली। इनेलो के अभय चौटाला को 8604 वोट मिली। जेजेपी के पलाराम सैनी को 941 वोट से संतोष करना पड़ा। नोटा को 369 वोट पड़ी। इसी प्रकार कलायत में सुशील गुप्ता ने नवीन जिंदल को 14437 वोट से हराया। सुशील गुप्ता को 64059 वोट मिली। नवीन जिंदल को कलायत विधानसभा क्षेत्र से 49622 वोट मिली। इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार अभय चौटाला को कलायत विधानसभा क्षेत्र से 17274 वोट मिली। जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार पालाराम सैनी को 828 वोट मिली। नोटा को 232 वोट मिली। पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में पोल हुए 107015 वोटों में से बीजेपी के नवीन जिंदल ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार से 14073 वोट की बढ़त हासिल की।

ताऊ देवीलाल के परिवार का सूपड़ा साफ, बेटे-बहू सभी की हुई हार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोकसभा चुनाव में पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय देवीलाल के परिवार का सूपड़ा साफ हो गया है। प्रदेश के सबसे पुराने राजनीतिक घराने के चार सदस्य चुनावी रण में थे और चारों ही चारों खाने चित्त हो गए।

हिसार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और नायब सरकार में बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ही कांग्रेस के विजेता उम्मीदवार जयप्रकाश जेपी को टक्कर दे पाए। जबकि जननायक जनता पार्टी (जजपा) की प्रत्याशी नैना चौटाला और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की प्रत्याशी सुनैना चौटाला जमानत भी नहीं बचा पाई।

कुरुक्षेत्र में इनेलो के प्रत्याशी और ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला भाजपा के विजेता उम्मीदवार नवीन जिंदल और आइएनडीआइए गठबंधन के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता के सामने कहीं नहीं टिके।

ताऊ देवीलाल के चारों बेटों की राहें जुदा हैं

ताऊ देवीलाल के चार बेटे ओमप्रकाश चौटाला, प्रताप चौटाला, रणजीत चौटाला और जगदीश चौटाला हैं। चारों की ही राजनीतिक राहें जुदा हैं। संसद पहुंचने की चाह में रणजीत चौटाला जहां विधायक पद से इस्तीफा देकर हिसार से चुनावी मैदान में उतरे थे।

उनकी टक्कर में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की मां और पूर्व सांसद डा. अजय चौटाला की पत्नी नैना चौटाला तथा प्रताप चौटाला की पुत्रवधू और रवि चौटाला की पत्नी सुनैना चौटाला सामने थी। अजय चौटाला और अभय चौटाला के लिए हिसार की परंपरागत सीट नाक का सवाल बनी थी लेकिन नतीजों ने सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

इनेलो की मान्यता पर खतरा बढ़ाः वर्तमान में हरियाणा में इनेलो और जजपा ही दो क्षेत्रीय दल हैं लेकिन अब ये दोनों अस्तित्व बचाए रखने के लिए जूझ रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लहर के बावजूद हिसार और सिरसा में शानदार जीत दर्ज करने वाला इनेलो पिछले लोकसभा चुनाव में 1.89 प्रतिशत और विधानसभा चुनाव में 2.44 प्रतिशत वोट पर सिमट गया था। इस बार भी इनेलो दो प्रतिशत वोट नहीं ले पाया।

लोकसभा चुनाव परिणाम, विधानसभा के लिए अच्छा संकेत: बीएल सैनी

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा और निश्चित तौर पर विधानसभा चुनाव में हुड्डा सरकार बनाने का जनता ने निर्णय ले लिया है। यह कहना था रादौर से कांग्रेस के विधायक बी.एल.सैनी का जो अपने निवास पर बुधवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम इस बात का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने भूपेंद्र हुड्डा को पूरी तरह से फ्री हैंड दिया हुआ था और जिस तरह से उन्होंने लोकसभा की टिकटों और चुनाव का प्रबंध किया, उसी का नतीजा है कि हम प्रदेश में भाजपा की एकतरफा जीत को रोक पाए। उन्होंने कहा कि इस बारे में विचार किया जाएगा कि जिन पांच

सीटों पर हम हारे हैं, उस पर क्या कमियां रहीं। इसे लेकर भी हर बूथ स्तर पर आंकलन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा के बड़े-बड़े धुरंधर कैबिनेट मंत्री और मंत्री क्या देश में और क्या प्रदेश में सभी को जनता ने उखाड़ फेंका है और उनकी जुमलेबाजियों को जनता ने समझ लिया है। उन्होंने कहा कि जनता ही लोकतंत्र में सर्वोपरि है। जनता ही सत्ता पर बैठाती है और सत्ता से उतारती है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा में आने वाले विधानसभा की 90 सीटों में 70 से 80 सीटें कांग्रेस की झोली में आएंगी। आज जनता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की ओर देख रही है और निश्चित तौर पर आने वाले समय में हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

जजपा को भाजपा से गठबंधन करना जनता को रास नहीं आया

एजेंसी

हिसार। हिसार लोकसभा क्षेत्र में चुनाव नतीजों ने साबित कर दिया है कि सत्ता विरोधी लहर की कीमत जहां भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह ने चुकाई, वहीं भाजपा की गोद में बैठना दुष्यंत चौटाला को भारी पड़ गया। यही कारण रहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाले दुष्यंत चौटाला की माता इस बार जमानत भी नहीं बचा पाई। जजपा को भाजपा से गठबंधन करना जनता को रास नहीं आया।

वर्ष 2019 के चुनाव में दुष्यंत चौटाला ने हिसार लोकसभा क्षेत्र से जजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए 2 लाख 89 हजार 221 वोट प्राप्त किए थे लेकिन वे इस चुनाव में भाजपा उम्मीदवार बृजेन्द्र सिंह से हार गए थे। बृजेन्द्र सिंह को इस चुनाव में छह लाख 3 हजार 289 वोट मिले थे जबकि कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर भव्य बिश्नोई को एक लाख 84 हजार 369 वोट प्राप्त हुए थे। पिछले चुनाव में भाजपा के बृजेन्द्र सिंह से हार के बावजूद दुष्यंत चौटाला का प्रदर्शन शानदार रहा लेकिन लोकसभा के कुछ समय बाद हुए विधानसभा चुनाव में दुष्यंत चौटाला की पार्टी 10 विधायकों के सहारे भाजपा की गोद में जाकर बैठ गई। दुष्यंत का भाजपा की गोद में जाना था कि उन्हें वोट देने वाले हलकों में तीव्र प्रतिक्रिया हुई क्योंकि विधानसभा चुनाव में दुष्यंत चौटाला ने भाजपा को जमना पार भेजने की बात कहकर वोट मांगे थे। वोट पड़े, परिणाम आए और दुष्यंत चौटाला सत्ता में भागीदार हो गए, जिसका जमकर विरोध हुआ। बाद में चले किसान आंदोलन, किसानों पर लाठियां चलने, कर्मचारी, आंगनवाड़ी व आशा वर्करों सहित हर आंदोलन के समय दुष्यंत चौटाला आंखें मूंदे सरकार में उप मुख्यमंत्री बने बैठे रहे जिसका नतीजा इस बार के लोकसभा चुनाव में देखने को मिल गया है। बातचीत के दौरान भी किसान व आंदोलनकारी संगठन अपने उपर हो रहे अत्याचारों के लिए भाजपा से ज्यादा जजपा को जिम्मेवार मान रहे थे, क्योंकि जजपा के सहारे ही भाजपा सरकार चल रही थी।

सोनीपत लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार सतपाल ब्रह्मचारी ने 21 हजार 816 वोटों से जीते

एजेंसी

सोनीपत। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि सोनीपत लोकसभा के लिए मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई।

सोनीपत लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार सतपाल ब्रह्मचारी ने जीत हासिल की। उन्होंने बताया कि सोनीपत लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार सतपाल ब्रह्मचारी को 05 लाख 48 हजार 682 व भाजपा उम्मीदवार मोहनलाल बड़ौली को 05 लाख 26 हजार 866 वोट मिले। जीत हासिल करने वाले कांग्रेस उम्मीदवार को उपायुक्त ने जीत का प्रमाण पत्र भी भेंट किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अन्य उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त वोटों की जानकारी देते हुए बताया कि इंडियन

नेशनल लोकदल से उम्मीदवार अनूप सिंह को 11 हजार 523, बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार उमेश कुमार को 12 हजार 822, जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार भूपेन्द्र सिंह मलिक को 07 हजार 820, आम आदमी परिवर्तन पार्टी के उम्मीदवार नरेश कश्यप को एक हजार 658, सोसलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया पार्टी के उम्मीदवार बलबीर सिंह को 768, समता पार्टी के उम्मीदवार राकेश को 410, राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण विरोधी पार्टी के उम्मीदवार राकेश धारीवाल को 215, डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार राधे श्याम को 441 तथा राष्ट्रीय गरीब दल के उम्मीदवार सुनील कुमार को 467 वोट मिले। उन्होंने बताया कि आजाद उम्मीदवारों में अश्वनी को 695, डॉ. कमलेश कुमार सैनी को 866, जगबीर को 524, निर्मल सिंह को 318, रमेश को 1651, रोहताश को 777, संत धर्मबीर चोटीवाला को 2154, संजय दास को 572, सतपाल को 1217, गऊभगत सुमित लाठर को 882, सुरेन्द्र सिंह को 296 तथा नोटा को 2320 वोट मिले।

बंतो के काम नहीं आया कटारिया फैक्टर, भितरघात का हुई शिकार

अंबाला। अंबाला लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बंतो कटारिया अपने पति स्वर्गीय रतनलाल कटारिया की मौत के बाद सहानुभूति नहीं ले पाई। वे पार्टी की भितरघात का शिकार हो गई। बंतो कटारिया ने चुनाव प्रचार के दौरान भी कई बार हाईकमान को इस बारे में शिकायतें की थी। यहां पूर्व गृहमंत्री अनिल विज पूरे प्रचार के दौरान अंबाला से बाहर नहीं निकले। विज ने खुद को अंबाला छावनी तक ही सीमित रखा था।

राजनीतिज्ञों की मानें तो बंतो कटारिया के पास चुनाव प्रबंधन के लिए मजबूत टीम का अभाव रहा। यही नहीं वरूण मुलाना ने प्रचार के दौरान भाजपा को जहां कई तथ्यों के आधार पर घेरा, वहीं बंतो कटारिया के पास तथ्यों के आधार पर जवाब देने वाला कोई नहीं था। बंतो

कटारिया यहां कई स्थानों पर भितरघात का शिकार हुई हैं। भाजपा के कई नेता बंतो कटारिया के साथ तो चले लेकिन उनका प्रचार वोट नहीं डलवा पाये।

बसपा का हाथी पड़ा जजपा व इनेलो पर भारी

हिसार। हिसार लोकसभा क्षेत्र का इस बार का चुनाव परिणाम काफी रोचक व चौंकाने वाला है। खास बात यह है कि बहुजन समाज पार्टी का हाथी इस चुनाव में जजपा व इनेलो को रौंदते हुए आगे निकल गया है। मतगणना के दौरान इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जयप्रकाश ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवार रणजीत सिंह को करारी शिकस्त दी है। खास बात यह है कि यहां पर इनेलो व जजपा की जमकर दुर्गति हुई है। दोनों पार्टियां जमानत बचाने लायक तो दूर, कहीं नजर न आने वाली पार्टी बसपा का मुकाबला भी नहीं कर पाई।

फतेहाबाद जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों फतेहाबाद, रतिया व टोहाना में जीती कांग्रेस

एजेंसी

फतेहाबाद। लोकसभा आम चुनाव 2024 के मतों की गिनती चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में बनाए गए मतगणना केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। जिला प्रशासन ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विधानसभा क्षेत्र अनुसार ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किए हुए थे। मतगणना पर्यवेक्षक अमित कुमार व उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नरवाल और विभिन्न राजनीतिक दलों के चुनाव एजेंटों की मौजूदगी में तीनों विधानसभा क्षेत्रों क्रमश~ टोहाना, फतेहाबाद व रतिया के स्ट्रॉग रूम को खोला गया। मतगणना सुबह 8 बजे शुरू हुई। फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के एआरओ राजेश कुमार, रतिया के लिए जगदीश चंद्र व टोहाना के एआरओ प्रतीक हुड्डा की देखरेख में शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना हुई। टोहाना विधानसभा क्षेत्र में कुल 166202 मतों की गणना की गई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक तंवर को 53161, जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार रमेश खटक को 915, बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार को लीलू राम को 3269, इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार संदीप लोट वाल्मीकि को 3522 तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस की उम्मीदवार को कुमारी सैलजा को 101572 मत मिले। इंडियन नेशनल कांग्रेस की उम्मीदवार कुमारी सैलजा ने अपने निकटतम प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक तंवर को 48411 मतों से हराया। फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र में 178196 मतों की गिनती की गई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक तंवर को 72878, जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार रमेश खटक को 1559, बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार को लीलू राम को 1136, इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार संदीप लोट वाल्मीकि को 3637 तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस की उम्मीदवार को कुमारी सैलजा को 95519 मत मिले। इंडियन नेशनल कांग्रेस की उम्मीदवार कुमारी सैलजा ने अपने निकटतम प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक तंवर को 22641 मतों से हराया। इसी प्रकार से रतिया विधानसभा क्षेत्र में कुल 160797 मतों की गिनती की गई। इंडियन नेशनल कांग्रेस की उम्मीदवार कुमारी सैलजा ने अपने निकटतम प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक तंवर को 36332 मतों से हराया। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक तंवर को 56353, जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार रमेश खटक को 900, बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार को लीलू राम को 602, इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार संदीप लोट वाल्मीकि को 5414 तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस की उम्मीदवार को कुमारी सैलजा को 92685 मत मिले। जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नरवाल ने बताया कि मतगणना के लिए तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए 14-14 टेबल लगाई गई थी।

रिटर्निंग अधिकारी ने जयप्रकाश को दिया जीत का प्रमाण पत्र

कांग्रेस के जयप्रकाश ने भाजपा के उम्मीदवार रणजीत सिंह चौटाला को दी शिकस्त

एजेंसी

हिसार। हिसार संसदीय क्षेत्र की मतगणना प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुई। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार जयप्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला को 63 हजार 381 मतों से हराकर जीत दर्ज की। रिटर्निंग अधिकारी प्रदीप दहिया ने विजेता प्रत्याशी को प्रमाण पत्र दिया। इस अवसर पर सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक गोपाल चंद, मतगणना पर्यवेक्षक मिगे कामकी तथा अनुराग कौशल सिंह, एसीयूटी कनिका गोयल सहित सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रिटर्निंग अधिकारी प्रदीप दहिया ने इस दौरान बताया कि हिसार संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 9 विधानसभा क्षेत्रों में से सात विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना स्थानीय महावीर स्टेडियम तथा पंचायत भवन में स्थापित मतगणना केंद्रों में तथा बवानीखेड़ा तथा उचाना

विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना संबंधित विधानसभा क्षेत्र भिवानी तथा जींद जिला में बनाए गए मतगणना केंद्रों में संपन्न करवाई गई है। मतगणना प्रक्रिया को निष्पक्ष पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न करवाने के उद्देश्य को लेकर रिटर्निंग अधिकारी मतगणना केंद्रों के अंदर व बाहर हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे। उन्होंने मतगणना शुरू होने से पहले सभी मतगणना केन्द्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और इसके बाद भी समय-समय पर मतगणना केंद्रों में आवाजाही करते हुए पूरी मतगणना प्रक्रिया पर नजर बनाए रखी। शांतिपूर्ण मतगणना के लिए सुरक्षा के लिहाज से व्यापक प्रबंध किए गए थे। मतगणना केंद्रों के आसपास चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात रहे। निगरानी के लिए हर मतगणना केंद्र पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे के साथ-साथ मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करवाई गई है।

भीतरीघात का शिकार हुए भाजपा के उम्मीदवार बड़ौली

ब्रह्मचारी जीते तो हुड्डा की बची साख

नई दिल्ली।

सोनीपत। सोनीपत लोकसभा क्षेत्र से चुनाव हार चुके भाजपा उम्मीदवार मोहन लाल बड़ौली इस बार भितरघात के शिकार हुए।

भितरघात के कारण भाजपा को यह सीट गंवानी पड़ी है। कांग्रेस ने यहां से बिलकुल नए उम्मीदवार सतपाल ब्रह्मचारी को उतारा और वह भाजपा की गुटाबजी के चलते चुनाव जीत गए। लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार मोहन लाल बड़ौली ने चुनाव होने के कुछ दिन बाद ही भितरघात के आरोप लगा दिए थे। यहां गन्नौर की विधायक निर्मल चौधरी के पति के कई ऑडियो भी वायरल हुए, जिसमें वह भाजपा प्रत्याशी की बजाए कांग्रेस प्रत्याशी ब्रह्मचारी को जिताने की अपील कर रहे थे। निर्मल तथा उनके पति ने किसी भी ऑडियो का खंडन नहीं किया है। सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत के एक विधानसभा क्षेत्र के विधायक के परिवार के वोट नहीं डालने जैसी खबरों को आधार बनाकर बड़ौली पहले ही शिकायत कर चुके हैं। सतपाल ब्रह्माचारी की जीत के साथ ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने वर्ष 2019 में हुई अपनी हार का बदला लेकर अपने गृहक्षेत्र में साख बचा ली है।

कोसली ने भी नहीं दिया अरविन्द शर्मा का साथ

झज्जर जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों से जीती कांग्रेस

एजेंसी

झज्जर। लोकसभा चुनाव में रोहतक लोकसभा क्षेत्र के जिला झज्जर के वोटों की गिनती नेहरू कॉलेज में संपन्न हुई। जिला में इस बार सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों से कांग्रेस उम्मीदवार दीपेंद्र हुड्डा को भारतीय जनता पार्टी के अरविन्द शर्मा के मुकाबले अच्छी खासी बढ़त मिली। यहां तक कि 2019 के लोकसभा चुनाव में शर्मा को 75 हजार से अधिक की बढ़त देने वाले रेवाड़ी जिला के कोसली क्षेत्र ने भी दीपेन्द्र हुड्डा को जिता दिया। वह बात अलग है कि अंतर केवल दो वोट का रहा।

पिछले चुनाव में भाजपा के शर्मा को जिताने में सबसे बड़े सहयोगी रहे कोसली क्षेत्र से इस बार दीपेन्द्र हुड्डा 83422 वोट ले गए। जबकि शर्मा को 83420 वोट मिली। झज्जर से कांग्रेस उम्मीदवार को 82682 और भाजपा उम्मीदवार को 37297 वोट मिले। इस प्रकार यहां दीपेन्द्र 43385 वोटों से जीते। पिछले चुनाव में भाजपा के शर्मा को बढ़त देने वाले बहादुरगढ़ से इस बार कांग्रेस के दीपेन्द्र 21641 वोटों से जीत गए। यहां दीपेन्द्र को 80655 और शर्मा को 59014 वोट मिले। बेरी में कांग्रेस को 86755 और भाजपा को 31111 मत मिले। इस प्रकार कांग्रेस यहां 55644 मतों से जीती। बादली क्षेत्र में जीत का अंतर 46947 रहा। यहां कांग्रेस को 83989 और भाजपा को 37029 वोट प्राप्त हुए। बहादुरगढ़ विधानसभा की वोटों की गिनती शुरू हुई तो पहले ही राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद सिंह हुड्डा को 4004 वोट प्राप्त हुए। जबकि भाजपा प्रत्याशी अरविंद शर्मा को 1576 वोट लेकर संतोष करना पड़ा। वहीं दूसरे राउंड में भी दीपेंद्र हुड्डा को 4529 तो अरविंद शर्मा को 2039 मत हासिल हुए। तीसरे राउंड में कांग्रेस को 4211 वोट तो डा. अरविंद शर्मा को 1913, चौथे राउंड में कांग्रेस को 3628 तो भाजपा को 512, पांचवें राउंड में कांग्रेस को

4231 तो भाजपा प्रत्याशी ने 1969 वोट प्राप्त किए। शुरूआत के पांच राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा प्रत्याशी को आगे नहीं निकलने दिया।

NAME CHANGE

It is for general information that I, VIPIN KUMAR S/o MAHESH KUMAR, R/o H.No. 28, F-Block, Gali No. -1, Near Shemrock School, New Palam Vihar, Phase – 1, Gurgaon, Haryana - 122001, declare that name of my Father has been wrongly written as MAHESH in my 10th class Educational Documents. The actual name of my Father is MAHESH KUMAR, which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, hitherto known as VIRENDER SINGH S/o BEDHARAK SINGH, R/o House No. 16, Village –Seka, Tehsil-Narnaul, Zila-Mahendergarh, Seka(192), Mahendragarh, Haryana - 123001 have Changed my name and shall hereafter be known as BIRENDER SINGH.

अचला एकादशी पर श्री तिरुपति धाम में भगवान श्री वेंकटेश की निकली सवारी शोभा यात्रा

एजेंसी

हिसार। श्री तिरुपति बालाजी धाम में अचला एकादशी पर भगवान श्री वेंकटेश जी की सवारी शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। अर्चकों ने पूरे विधि विधान से भगवान वेंकटेश जी की पूजा व आराधना की और भगवान का तिरुमंजन किया गया। भगवान वेंकटेश जी के चल विग्रह को पालकी में सवार करके शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने भगवान वेंकटेश की सवारी को रस्सों से खींचकर तिरुपति धाम की परिक्रमा की। इस दौरान पूरा तिरुपति धाम परिसर जय भगवान वेंकटेश के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। अचला एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा व आराधना का विशेष महात्म्य है। वेंकटेश जी भगवान विष्णु का ही स्वरूप हैं। इसलिए श्री तिरुपति धाम में भगवान वेंकटेश का मुख्य मंदिर विद्यमान है। दक्षिण भारत से

लाए गए पत्थरों से निर्मित इस मंदिर में भगवान वेंकटेश के आलौकिक दर्शन होते हैं। इस मुख्य मंदिर के साथ ही माता पद्मावती व माता गोदांबा के मंदिर भी स्थापित किए गए हैं। इनके अलावा धाम में श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिर भी विशेष दर्शनीय हैं। हिसार में लांदड़ी टोल प्लाजा के पास स्थापित श्री तिरुपति बालाजी धाम में स्थापित श्री गरुण स्तंभ, बलिपीठम, विशाल घंटाघर, पवित्र पुष्करणी, श्री तिरुपति यज्ञशाला व श्रीनिवास गोशाला का भी श्रद्धालुओं ने अवलोकन किया। तिरुपति धाम में 71 फुट ऊंचा गोपुरम भी निर्माणाधीन है। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय शैली में वहीं के कारीगरों द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 2.30 प्रतिशत फिसलकर 72.51 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 2.00 प्रतिशत लुढ़ककर 76.79 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

मारुति की गाड़ी खरीदना अब और आसान

नई दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने डीलर इन्वेंट्री फंडिंग के लिए डीबीएस बैंक के साथ एक समझौता किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नया समझौता देश भर में 3,863 से अधिक मारुति सुजुकी बिक्री आउटलेटों के लिए व्यापक इन्वेंट्री फंडिंग विकल्पों को बढ़ाता है। कंपनी के विपणन और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने कहा कि यह साझेदारी देश भर में मारुति सुजुकी के व्यापक डीलर नेटवर्क को उनकी बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप नवीन वित्तीय उत्पाद प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। यह रणनीतिक गठबंधन हमारे डीलर भागीदारों के लिए व्यापक कार्यशील पूंजी समाधान प्रदान करने के लिए एमएसआईएल और डीबीएस बैंक इंडिया की संयुक्त क्षमताओं का उपयोग करके बैंक के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करता है। बैंक के प्रबंध निदेशक और वैश्विक लेनदेन सेवाओं, एसएमई और संस्थागत देयता व्यवसाय के प्रमुख दिव्येश दलाल ने कहा कि डीबीएस बैंक इंडिया एसएमई और घरेलू उपस्थिति के लिए अपने अग्रणी डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला समाधानों का लाभ उठाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एमएसआईएल डीलरों को पूरे देश में समर्थन मिले।

टाटा मोटर्स फाइनेंस का टाटा कैपिटल के साथ विलय को निदेशक मंडल की मंजूरी

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स फाइनेंस का टाटा कैपिटल के साथ विलय को उनके संबंधित निदेशक मंडलों से मंजूरी मिल गयी है। टाटा मोटर्स फाइनेंस लिमिटेड, टाटा मोटर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। वाहन कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने टाटा मोटर्स फाइनेंस लिमिटेड का टाटा कैपिटल लिमिटेड के साथ विलय को मंजूरी दे दी है। सूचना में कहा गया है, ''टाटा मोटर्स लिमिटेड (टीएमएल), टाटा कैपिटल लिमिटेड (टीसीएल) और टाटा मोटर्स फाइनेंस लिमिटेड (टीएमएफएल) के निदेशक मंडलों ने आज एनसीएलटी व्यवस्था योजना के माध्यम से टीएमएफएल का टीसीएल के साथ विलय को मंजूरी दे दी है।'' इस विलय के तहत टीसीएल अपने इक्विटी शेयर टीएमएफएल के शेयरधारकों को जारी करेगा, जिसके परिणामस्वरूप टाटा मोटर्स के पास विलय की गई इकाई में प्रभावी रूप से 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। इसमें कहा गया है कि यह लेनदेन वाहन कंपनी के गैर-प्रमुख व्यवसायों से बाहर निकलने और उभरती प्रौद्योगिकियों और उत्पादों पर अपने पूंजीगत व्यय को केंद्रित करने के घोषित उद्देश्य के अनुरूप है। टाटा मोटर्स ने कहा कि इस योजना सेबी, रिजर्व बैंक, एनसीएलटी और टीसीएल तथा टीएमएफएल के सभी शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं के अनुमोदन पर निर्भर करेगी तथा इसे पूरा होने में नौ से 12 महीने लगेंगे।

आईएटीए ने GST शुल्क पर विदेशी एयरलाइनों के खिलाफ जांच पर जतायी चिंता

दुबई । वैश्विक एयरलाइन समूह आईएटीए ने एक भारतीय एजेंसी द्वारा कुछ विदेशी एयरलाइनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित कुछ शुल्कों की जांच को लेकर चिंता जाहिर की। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने भारत में परिचालन करने वाली कुछ विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच शुरू कर है। आईएटीए के भारत के 'कंट्री डायरेक्टर' अमिताभ खोसला ने यहां कहा कि फिलहाल 10 विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच की जा रही है और यह कदम ''अभूतपूर्व'' है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने इस मुद्दे पर भारत सरकार को एक विस्तृत प्रतिवेदन दिया है। एयरलाइनों को अक्टूबर 2023 से नोटिस मिले हैं।

भारत का शिक्षा और स्किल बाजार होगा साल 2030 तक 313 अरब डॉलर

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार हो या सराफा बाजार बीते कुछ साल में हर तरफ जबरदस्त तेजी दिख रही है. भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज विकास दर इसके ग्रोथ में बड़ी भूमिका निभा रही है. इसी तरह एक और बाजार है जो तेजी से ग्रोथ कर रहा है और महज 10 साल के भीतर इसके दोगुना हो जाने का अनुमान है. भारत में शिक्षा और स्किल का बाजार काफी तेजी से बढ़ रहा है.

कैंब्रिज एजुकेशन लैब ने अनुमान लगाया है कि भारत का शिक्षा और स्किल बाजार साल 2030 तक 313 अरब डॉलर (करीब 26 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकता है. यह साल 2020 तक महज 180 अरब डॉलर (करीब 15 लाख करोड़ रुपये) का था. इसका मतलब हुआ कि महज 10 साल के भीतर देश का शिक्षा एवं स्किल बाजार करीब दोगुना बढ़ सकता है.

तेज विकास का फायदा उठाएं सीईएल के संस्थापक सुयश भट्ट ने कहा, हमारी संस्था ने भारत के साथ

यूके, फिनलैंड, इंडोनेशिया और एस्टोनिया में कई शिक्षा सम्मेलन आयोजित किए हैं और अब स्कूल लीडरों, शिक्षकों और छात्रों के लिए कई किफायती शिक्षा कार्यक्रम विकसित करने पर विचार कर रहा है. सीईएल प्रोग्राम ने जम्मू और कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक भारत के कई राज्यों के 60 से अधिक स्कूलों और 1,00,000 से अधिक छात्रों को सीधे तौर पर प्रभावित किया है. दुनियाभर के निवेशक भारत में शिक्षा के इन्?फ्रा में पैसे लगाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए हमें अपनी शिक्षा प्रणाली बदलनी होगी.

मजबूत करना होगा बुनियादी ढांचा भारतीय शिक्षा एवं स्किल बाजार को ग्लोबल लेवल पर मुकाबले के लिए और विदेशी निवेश लाने के लिए Basicढांचे को और मजबूत बनाना होगा. इसमें कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब भी अपना योगदान दे रहा है. इस संस्?था ने देश के टीयर 2 और टीयर 3 शहरों को भी ग?लोबल लेवल पर जोड़ने का काम शुरू किया है. इसके लिए टियर 2 और टियर 3 शहरों के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए जा रहे. इसे जीतने वाले छात्रों को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में एक सप्ताह का ट्रिप कराया जाएगा.

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 45 पैसे गिरकर 83.59 पर बंद हुआ

एजेंसी
मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 45 पैसे गिरकर 83.59 (अनंतिम) पर बंद हुआ, क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा को लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत मिलने की संभावना नहीं है।इसके अलावा, विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और विदेशों में प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से भी निराशा बढ़ी है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में स्थानीय मुद्रा 83.25 पर कमजोर खुली और सत्र के दौरान डॉलर के मुकाबले 83.23 के उच्च स्तर और 83.59 के निम्न स्तर के बीच झूलती रही।घरेलू मुद्रा अंत में डॉलर के मुकाबले 83.59 (अनंतिम) पर बंद हुई, जो पिछले बंद से 45 पैसे की गिरावट दर्शाता है।सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.14 पर बंद हुआ था। मतदान में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के लिए लोकसभा चुनाव में निराशाजनक नतीजे आए हैं। ऐसा लगता है कि एनडीए अपने गढ़ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में भारी हार का सामना कर रहा है, हालांकि उसे करीब 290 सीटों के साथ सरकार बनाने की उम्मीद है।अपने दम पर भारतीय जनता पार्टी 236 सीटों पर बढ़त के साथ बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई है, हालांकि ओडिशा,ह्स्त्रद्बह्यद्धड्ड तेलंगाना और केरल में उसे काफी बढ़त मिली है।

इससे हिंदी पट्टी में अप्रत्याशित नुकसान के बाद पार्टी को कुछ राहत मिली है।इसका प्रतिद्वंद्वी भारत गठबंधन करीब 230 सीटों पर आगे चल रहा है। पिछले चुनाव में भाजपा के पास अकेले 303 सीटें थीं, जबकि एनडीए के पास 350 से अधिक सीटें थीं। चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता के बीच घरेलू बाजारों में तेज गिरावट के कारण आज रुपये में गिरावट आई। इससे विदेशी निवेशकों द्वारा कुछ बिकवाली भी हो सकती है। कमजोर यूरो के कारण कल के नुकसान से अमेरिकी डॉलर में सुधार हुआ, जो निराशाजनक रोजगार आंकड़ों के कारण गिरा था। शेयरखान बाय बीएनपी प रिबास के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ÷आईएसएम विनिर्माण पीएमआई और निर्माण खर्च अपेक्षा से कमजोर रहने के कारण सोमवार को अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्सः अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 45 पैसे गिरकर 83.59 पर बंद हुआ 0.17 प्रतिशत बढ़कर 104.25 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 1.88 प्रतिशत गिरकर 76.89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सीबीआईसी का 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024' के मसौदे पर सुझाव आमंत्रित

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024' के मसौदे पर सुझाव आमंत्रित किए हैं। सीबीआईसी ने हितधारकों से पूर्व-निर्धारित प्रारूप में 26 जून 2024 तक सुझाव मांगा है।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सीबीआईसी ने हितधारकों से 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024' के मसौदे पर 26 जून 2024 तक सुझाव आमंत्रित किए हैं। सीबीआईसी ने इस विधयेक का मसौदा तैयार किया है।

मंत्रालय ने हितधारकों से 21 दिनों के भीतर निम्नलिखित प्रारूप में सुझाव आमंत्रित करने के लिए मसौदा 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024' को सीबीआईसी की वेबसाइट https://www.cbic.gov.in पर अपलोड किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक 2024' अधिनियमित होने के बाद यह विधेयक केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की जगह लेगा। विधेयक का उद्देश्य एक व्यापक आधुनिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून बनाना है, जिसमें कारोबार को आसान बनाने और पुराने तथा अनावश्यक प्रावधानों को समाप्त करने पर जोर दिया जाएगा। विधेयक में बारह अध्याय, 114 (एक सौ चौदह) धाराएं और दो अनुसूचियां शामिल हैं। गौरतलब है कि सीबीआईसी वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के समग्र निर्देशन और नियंत्रण में कार्य करता है।

एयरटेल का टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए प्लान

एजेंसी
नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता एयरटेल ने आज टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों के लिए विशेष पैक पेश किए। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि निर्बाध और निरंतर मैच देखने के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए, एयरटेल अपने प्रीपेड, पोस्टपेड, इंटरनेशनल रोमिंग, होम ब्रॉडबैंड और एयरटेल डिजिटल टीवी उपयोगकर्ताओं के लिए भारत में दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर डिज्नी प्लस हॉटस्टार की तीन महीने की सदस्यता प्रदान कर रहा है। टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए प्रीपेड प्लान 499 रुपए से शुरू होते हैं और 28 दिनों के लिए हाई-स्पीड 3जीबी डेटा के साथ-साथ डिज्नी प्लस हॉटस्टार के तीन महीने के सब्सक्रिप्शन के साथ आते हैं। इस प्लान में एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्ले पर 20 से ज्यादा ओटीटी को मुफ्त में अनलॉक किया जाता है। 839 रुपए में 84 दिनों की योजना भी उपलब्ध है जो प्रतिदिन 2जीबी डेटा के साथ समान लाभ प्रदान करती है। 3359 रुपए की वार्षिक योजना में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की एक साल की बंडल सदस्यता है, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म तक पहुंच और प्रतिदिन 2.5 जीबी डेटा भी शामिल है। पोस्टपेड प्लान में एक साल का डिज्नी प्लस हॉटस्टार सब्सक्रिप्शन, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर 20 से अधिक ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुंच, अनलिमिटेड 5जी डेटा और पारिवारिक ऐड-ऑन लाभ भी शामिल है।

हवाई यात्रियों की 'चेक-इन' सुविधा के लिए एयर इंडिया ने दिल्ली मेट्रो और डीआईएएल से साझेदारी की

एजेंसी
नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने राजधानी नई दिल्ली के दो मेट्रो स्टेशनों पर हवाई यात्रियों की 'चेक-इन' सुविधा के लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) और दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) के साथ साझेदारी की है। यह सेवा नई दिल्ली और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर सुबह 7 बजे से रात नौ बजे तक उपलब्ध होगी।

एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत यात्रियों का सामान डीएमआरसी और डीआईएएल के उन्नत स्वचालित तंत्र के जरिए सुरक्षित रूप से विमान में चढ़ा दिया जाता है। एयरलाइंस ने बताया कि वर्तमान में घरेलू हवाई यात्रा के लिए उपलब्ध यह सेवा अब अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को भी दी जाएगी। कंपनी के मुताबिक अब आप शिवाजी स्टेडियम और नई दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक चेक-इन और बैगेज ड्रॉप का लाभ उठा सकते हैं। यह सेवा आपको घरेलू उड़ानों से 12 से 2 घंटे पहले और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से 4 से 2 घंटे पहले चेक-इन

करने की सुविधा देती है, जिससे बाहरी यात्रियों को बैगेज-फ्री शहर घूमने का विकल्प मिलता है। इस सहयोग का उद्देश्य आपकी यात्रा के अनुभव को आसान और अधिक कुशल बनाना है, जिससे दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 तक मेट्रो यात्रा में 20 मिनट से भी कम समय लगेगा। एयर इंडिया के मुख्य ग्राहक अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा ने जारी बयान में कहा कि यह पहल न केवल दूरदराज स्थानों से आने वाले यात्रियों को एक किफायती विकल्प प्रदान करती है, बल्कि हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने में भी मदद करती है, जिससे हमारे सभी ग्राहकों को बेहतर अनुभव होता है। यह पहल हमारे ग्राहकों की सहूलियत में काफी हद तक इजाफा करेगी। मेट्रो में सहज चेक-इन के साथ अपने यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएं!

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणाम वाले दिन भी घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी सस्ता हुआ है। बाजार में आई इस गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,100 रुपये से लेकर 72,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 66,090 रुपये से लेक्र 66,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 92,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

करदाताओं को रिफंड हासिल के लिए बैंक खाते को करना होगा सत्यापित

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए काम की खबर है। इनकम टैक्स विभाग ने करदाताओं को रिफंड प्राप्त करने के लिए बैंक अकाउंट को सत्यापित करने की सलाह दी है।

आयकर विभाग ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में करदाताओं को रिफंड प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते को सत्यापित करने हेतु एक अनुस्मारक जारी किया है। विभाग ने जिन करदाताओं के पास कोई वैध बैंक अकाउंट नहीं है, उन्हें ई-मेल और एसएमएस के माध्यम से सूचित भी किया है। विभाग ने करदाताओं से कहा कि ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपने बैंक खाते की सत्यापन स्थिति की जांच https:ncometa&.gov.in/iec/fo portal/ पर जाकर करें। आयकर विभाग ने बैंक अकाउंट का सत्यापन करने के लिए जानकारी दी है। विभाग के अनुसार सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https:ncometa&.gov.in/iec/fo

portal/ पर जाएं।अपने खाते में लॉगिन करें। इसके बाद प्रोफाइल पर जाएं। बैंक खाता चुनें। बैंक खाता विवरण जैसे खाता संख्या, IFSC, खाता प्रकार आदि अपडेट करें। अंत में Validate पर क्लिक करें।

नया बैंक खाता जोड़ने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https:ncometa&.gov.in/iec/fo portal/पर जाएं। अपने खाते में लॉगिन करें। इसके बाद प्रोफाइल पर जाएं।माई बैंक अकाउंट पर क्लिक करें। इसके बाद बैंक खाता जोड़ें पर क्लिक करें। अंत में Validate पर क्लिक करें।

चुनाव नतीजों से शेयर बाजार में कोहराम, निवेशकों के 29.14 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव परिणाम के कारण घरेलू शेयर बाजार में कोहराम की स्थिति बन गई। शेयर बाजार आज करीब 6 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन दिन के कारोबार में मतगणना के रुझानों से बाजार पर लगातार दबाव बढ़ता गया।

बाद में रुझानों से केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार बनने की स्पष्ट संभावना नजर आने लगी, तो शेयर बाजार निचले स्तर से कुछ हद तक रिकवरी करने में भी सफल रहा। आज की गिरावट के कारण इंट्रा-डे में सेंसेक्स 6,200 अंक से अधिक टूट गया। इसी तरह निफ्टी भी इंट्रा-डे में करीब 2,000 अंक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 5.72 प्रतिशत और निफ्टी 5.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार में मची भगदड़ के कारण निवेशकों को आज 29 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो गया। कोरोना काल के बाद शेयर बाजार में पहली बार इतनी जोरदार गिरावट देखी गई।

आज के कारोबार के दौरान बीएसई के इंडस्ट्रियल, यूटिलिटी, एनर्जी, टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स और पावर इंडेक्स में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह पीएसयू बैंक और मेटल सेक्टर के शेयरों में भी आज चौतरफा बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 8.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 6.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार की कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 29 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 396.77 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन

425.91 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 29.14 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,934 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 498 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,339 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 97 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,317 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 110 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,207 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 2 शेयर बढ़त के साथ और 28 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 183 अंक लुढ़क कर 76,285.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक 2,809.49 अंक टूट कर 73,659.29 अंक के स्तर तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद मतगणना में भाजपा की स्थिति में सुधार होता देख कर खरीदारों ने भी लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण ये सूचकांक करीब 2,700 अंक की रिकवरी करके 76,300 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। लेकिन इसके बाद जैसे-जैसे मतगणना के रुझान साफ होते गए, वैसे-वैसे बाजार में गिरावट बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स 6,234.35 अंक यानी 8.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 70,234.43 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इस समय तक मतगणना के रुझानों से स्पष्ट होने लगा कि भाजपा अपने दम पर भले ही सरकार न बना सके, लेकिन इस बार भी केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए की सरकार ही बनने जा रही है। इस संभावना के कारण खरीदारों ने एक बार फिर उत्साहित होकर लिवाली शुरू कर दी। आखिरी दौर की खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 1,844.62 अंक की रिकवरी करके 4,389.75 अंक की गिरावट के साथ 72,079.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

2028 तक 450 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में करीब 90 रिटेल प्रॉपर्टी बनेंगी

एजेंसी
दिल्ली। जेएलएल इंडिया के अनुसार, बिल्डरों को खुदरा विक्रेताओं से गुणवत्तापूर्ण संपत्तियों की मांग में वृद्धि की उम्मीद है, क्योंकि 2028 तक सात प्रमुख शहरों में लगभग 90 खुदरा रियल एस्टेट संपत्तियां, जिनमें लगभग 450 लाख वर्ग फुट जगह शामिल है, बनने की उम्मीद है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट जेएलएल इंडिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कम से कम 10 लाख वर्ग फुट के क्षेत्र में 12 बड़े आकार की परियोजनाएं होंगी। दिल्ली-एनसीआर में अगले पांच वर्षों में 25 लाख वर्ग फुट से अधिक के दो खुदरा केंद्र होंगे।अगले पांच वर्षों में, त्त्2 2024-अंत 2028 में संगठित खुदरा स्थान निर्माण में तेजी देखी जाएगी। भारत के शीर्ष सात शहर (मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, कोलकाता और चेन्नई) 88 नए खुदरा विकास के माध्यम से लगभग 45 मिलियन (450 लाख) वर्ग फुट का स्वागत करेंगे, जो पिछले दशक (2014-2023) की आपूर्ति से आगे निकल जाएगा, जो लगभग 38 मिलियन (380 लाख) वर्ग फुट थी,÷ छ्वरु ने कहा। सलाहकार ने कहा कि आगामी खुदरा विकास पिछले दशक में चालू हुए खुदरा विकास की तुलना

में आकार में बड़े होंगे।पिछले दस वर्षों में, नई खुदरा आपूर्ति का औसत आकार लगभग 3,91,099 वर्ग फीट रहा है। हालांकि, 2024-2028 की अप्रैल-जून अवधि के दौरान नई आपूर्ति के जुड़ने के साथ यह 30 प्रतिशत बढ़कर 5,07,341 वर्ग फीट तक पहुंचने की उम्मीद है। सलाहकार ने कहा, मनोरंजन, अवकाश गतिविधियों और भोजन विकल्पों को शामिल करने वाले बड़े विकास आधुनिक उपभोक्ता की जरूरतों को पूरा करने वाले व्यापक गंतव्य बना रहे हैं। जेएलएल के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2024 तक खुदरा अचल संपत्ति का कुल स्टॉक लगभग 89 मिलियन (890 लाख) वर्ग फुट था। JLL के ऑफिस लीजिंग एडवाइजरी और रिटेल सर्विसेज, इंडिया के प्रमुख राहुल अरोड़ा ने कहा, मौजूदा खुदरा स्टॉक, जो 89 मिलियन वर्ग फुट है, 50 प्रतिशत बढ़कर 2028 के अंत तक 134 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंचने की उम्मीद है। अगले पांच वर्षों में आपूर्ति में दिल्ली एनसीआर की सबसे अधिक हिस्सेदारी (43 प्रतिशत) होने की उम्मीद है, इसके बाद हैदराबाद की 21 प्रतिशत और चेन्नई की 13 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

खीरा खाएं या ककड़ी, गर्मियों में सेहत के लिए क्या है ज्यादा सही

गर्मियों के मौसम में हम खानपान में कई तरह की ठंडी चीजों को शामिल करते हैं। इन दिनों सलाद के तौर पर खीरा और ककड़ी (Kheera vs Kakdi) का सेवन भी आप जरूर करते होंगे लेकिन क्या कभी आपके मन में ये सवाल उठा है कि भला सेहत के लिहाज से दोनों में से किसे खाना ज्यादा बेहतर है? अगर हां तो आइए डिटेल में जानते हैं इसके बारे में।

वैसे तो सलाद का सेवन हर मौसम में ही बढ़िया माना जाता है, लेकिन खासतौर से गर्मियों में शरीर को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। आज इस आर्टिकल में हम खीरा (Kheera Benefits) और ककड़ी (Kakdi Benefits) के बारे में बात करेंगे। बता दें, कि ये दोनों ही चीजें पेट को ठंडक देने और शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने के लिहाज से काफी फायदेमंद मानी जाती हैं, लेकिन अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है, कि गर्मियों में किसे खाना सेहत की नजर से ज्यादा सही है। चलिए इस आर्टिकल में आपको इन दोनों के बारे में कुछ खास बातें बताते हैं।

खीरा खाने के फायदे

खीरा और ककड़ी में सिर्फ स्वाद और आकार का ही नहीं, बल्कि पोषक तत्वों का भी फर्क होता है। खीरा की बात करें, तो ये विटामिन सी, विटामिन बी, विटामिन बी6, विटामिन ई, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम और भरपूर मात्रा में फाइबर से भरा होता है। पोटेशियम और मैग्नीशियम की मौजूदगी इसे मसल्स की ग्रोथ के लिहाज से काफी बेहतर बनाती है।

इसमें 90त्न पानी होता है, जो गर्मियों में आपके शरीर को हाइड्रेट रखने के लिहाज से काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आपको त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याओं से दूर रखते हैं। ऐसे में, इसका सेवन सिर्फ सेहत ही नहीं, बल्कि ब्यूटी के लिहाज से भी काफी बढ़िया रहता है। इसके अलावा इसमें शामिल विटामिन्स आपको दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाने का काम करते हैं और इम्युनिटी को भी बेहतर बनाते हैं।

ककड़ी खाने के फायदे

पाचन तंत्र को बूस्ट करने के लिहाज से ककड़ी का सेवन भी काफी फायदेमंद होता है। यह वजन को भी नियंत्रित करती है और शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी कम करने में काफी बढ़िया मानी जाती है। अगर आपको हाई बीपी की समस्या है, तो भी ककड़ी का सेवन आपके लिए फायदेमंद है, बता दें कि इसमें विटामिन सी पाया जाता है जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में बड़ी भूमिका निभाता है। ककड़ी में कैलोरी की मात्रा कम, तो वहीं फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो बढ़ते वजन को रोकने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

दोनों में से क्या है ज्यादा बेहतर?

वैसे तो सेहत के लिहाज से ककड़ी हो या खीरा, दोनों की बढ़िया माने जाते हैं, लेकिन चूंकि खीरे में पानी ज्यादा होता है, ऐसे में गर्मियों में मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए इसका सेवन बेहद लाभदायक है। अगर बात वजन कम करने की करें, तो दोनों ही लो कैलोरी फूड हैं, ऐसे में वेट लॉस के लिहाज से दोनों का सेवन ही बेहतर माना जाता है। वहीं, स्वाद के मामले में भी दोनों में कुछ खास फर्क नहीं है। फाइबर की मात्रा भी दोनों में भी भरपूर होती है, जो कि आपके पेट को काफी देर तक भरा हुआ रखता है। इसलिए किसी एक को चुनने के बजाय आप बेफिक्र होकर दोनों का ही सेवन कर सकते हैं।

आगे और कठिन लड़ाई है!

असमानता में बढ़ोतरी के सवाल का सीधे जवाब देने या खंडन ही करने के बजाय, मोदी की भाजपा ने इस तरह के सारे सवालों को ही संपत्ति पर हमला बना देने की कोशिश की। इसके लिए, कांग्रेस के घोषणापत्र में जातिगत जनगणना के पूरक के रूप में आर्थिक स्थिति का सर्वे कराने की जो बात कही गयी थी, उसे पूरी तरह से सिर के बल खड़ा करते हुए, आम लोगों की संपत्ति पर हमले में ही तब्दील कर दिया गया।हैरानी की बात नहीं है कि एक्जिट पोल के बाद, शेयर बाजार ने भी नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के पक्ष में, दोनों हाथों से मतदान किया है। आखिरी चरण के मतदान की शाम ही, एक्जिट पोलों ने करीब एक राय से मोदी का पुन- राज्याभिषेक कर दिया था। और उसके तीन दिन बाद, छुट्टी के बाद शेयर बाजार एक जबर्दस्त धमाके के साथ खुला। लेकिन, एक्जिट पोलों में मोदी को लगभग चार सौ पार करा दिए जाने पर शेयर बाजार खुशी से उछल नहीं पड़ा होता, तो ही हैरानी की बात होती। आखिरकार, मोदी राज ने अपने दस साल में शेयर बाजार को खुश करने में अपनी ओर से तो कोई कसर छोड़ी नहीं है। उसने एक ओर तो शेयर बाजार के असली खिलाड़ियों यानी कारपोरेटों के हाथ मजबूत करने के लिए, नोटबंदी तथा जीएसटी के हमलों के जरिए, छोटे या अनौपचारिक क्षेत्र को कमजोर करने तथा उसकी कीमत पर औपचारिक क्षेत्र को मजबूत करने का काम किया है। और दूसरी ओर कॉरपोरेट करों में कमी कर के सीधे-सीधे कारपोरेटों की तिजोरियांभरने का काम किया है। और यह सब मोदी राज में दरबारी पूंजीवाद को फलने-फूलने के लिए आम तौर पर खुला तथा सुरक्षित मैदान मुहैया कराए जाने के ऊपर से है।वास्तव में पिछले दस साल में मोदी राज और कारपोरेट पूंजी का जैसा अटूट और आक्रामक गठजोड़ देखने को मिला है, उसका और भी सघन प्रदर्शन इस बार के लोकसभा चुनाव के लंबे प्रचार अभियान के दौरान हो रहा था। यह कोई संयोग ही नहीं था कि विपक्षी गठबंधन द्वारा अपने प्रचार के दौरान, जिसमें कांग्रेस तथा कमयुनिस्ट पार्टियों समेत विपक्षी गठबंधन के चुनाव घोषणापत्र भी शामिल थे, मोदी राज में असमानता में पहले कभी के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ोतरी होने के सवाल उठाए गए थे। और विपक्ष द्वारा दस वर्षों में कारपोरेटों के 16 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के ऋण माफ किए जाने, जबकि आम किसानों के ऋण माफ करने से इंकार ही कर दिए जाने के भी सवाल उठाए गए थे, जिन सब का जवाब, मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने, ध्यान बंटाने की तिकड़मों का सहारा लेते हुए भी, बड़े हमलावर अंदाज में देने की कोशिश की थी।असमानता में बढ़ोतरी के सवाल का सीधे जवाब देने या खंडन ही करने के बजाय, मोदी की भाजपा ने इस तरह के सारे सवालों को ही संपत्ति पर हमला बना देने की कोशिश की। इसके लिए, कांग्रेस के घोषणापत्र में जातिगत जनगणना के पूरक के रूप में आर्थिक स्थिति का सर्वे कराने की जो बात कही गयी थी, उसे पूरी तरह से सिर के बल खड़ा करते हुए, आम लोगों की संपत्ति पर हमले में ही तब्दील कर दिया गया। और वैचारिक सुविधा के लिए इसे वामपंथ के साथ जोड़ते हुए, कांग्रेस के घोषणापत्र को एक ओर मुस्लिम लीग और दूसरी ओर अर्बन नक्सल के विचारों से संचालित करार दे दिया गया।साधारण लोगों की संपत्ति पर विपक्ष के हमले का सरासर ऊटपटांग हौवा खड़ा करते हुए और इस थीम को लगातार आगे बढ़ाते हुए, खुद प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों की आर्थिक स्थिति के सर्वे को, जाहिर है कि सोची-समझी तोड़-मरोड़ में मंगलसूत्र पर हमले, घर के सोने तथा जमा-जथा की जांच व जब्ती, दो घर हों तो एक घर की और घर में चार कमरे हों तो दो कमरों की जब्ती, तक पहुंचा दिया। चुनाव प्रचार के आखिर तक आते-आते तो यह सिलसिला विपक्षी सरकार आ गयी तो पानी के नल की टोंटी ले जाएंगे, घर की चाभी छीन लेंगे, बिजली वापस कटवा देंगे, आदि तक पहुंच गयी। इस सब का मकसद, अपने कारपोरेट तथा धन्नासेठ चाहने वालों को इसकी याद दिलाना भी था कि उनकी सबसे बड़ी हितैषी, मोदी की भाजपा ही है।लेकिन, कारपोरेटों के स्वार्थों की रक्षा का भरोसा, सिर्फ कारपोरेटों के स्वार्थों की रक्षा करने के भरोसे से नहीं दिलाया जा सकता था। उसके लिए तो, मोदी राज जिस कारपोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ का प्रतिनिधित्व करता है, उसके दूसरे जोड़ीदार का भी खेल के मैदान में उतरना जरूरी था। आखिरकार, आम जनता को तो उसी के जरिए भ्रमित किया जाना था। इसलिए, एक्स रे करा के छीन लेंगे, झपट लेंगे के साथ, मुसलमानों को बांट देंगे का झूठ जोड़ दिया गया। इस तरह, इस चुनाव का मोदी की भाजपा के प्रचार का असली हथियार तैयार हो गया, जिसे कम से कम पहले चक्र के मतदान के बाद से लगाकर, आखिरी चरण तक और वास्तव में इस प्रचार अभियान के प्रधानमंत्री के पंजाब के आखिरी भाषण तक, लगातार इस्तेमाल किया जाता रहा था।

बेशक, इस लंबे चुनाव अभियान के दौरान इस हथियार में जरूरत के मुताबिक थोड़ी-बहुत तब्दीलियां भी की गयीं। मिसाल के तौर पर एक तब्दीली तो यही की गयी कि इसकी शुरूआत में नाम लेकर मुसलमानों को बांट देंगे का आरोप लगाने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने संभवत- चुनाव आयोग को अति से अधिक शर्मिंदा नहीं करने के विचार से, अपने मुंह से मुसलमान शब्द तो बोलना बंद कर दिया, लेकिन जेहादी, वोट जेहादी, जेहादी वोट बैंक, तुष्टीकरण वाला वोट बैंक आदि, तरह-तरह के शब्दों का प्रयोग कर, अपने श्रोताओं के लिए इसमें किसी संदेह की गुंजाइश भी नहीं छोड़ी की उनका आशय,

हिंदुओं से छीनकर मुसलमानों को दिए जाने से है। हां! आदिवासी बहुल इलाकों में इस हमले का विस्तार कर, ईसाइयों को भी इस दायरे में समेट लिया गया।

इन तकनीकी तब्दीलियों से भिन्न, जो खासतौर पर जनप्रतिनिधित्व कानून के उल्लंघन से तकनीकी तरीके से बचने की कोशिश में की गयी थीं, एक बड़ी तब्दीली यह की गयी कि चूंकि आम तौर पर संपत्ति छीनकर मुसलमानों में बांट दिए जाने का प्रचार, गरीबों के विशाल हिस्से के बीच, जिनके पास खोने के लिए संपत्ति के नाम पर कुछ खास था ही नहीं, खास उत्तेजना पैदा नहीं कर पा रहा था, इसे जल्द ही आरक्षण का अधिकार छीनकर बांट देंगे कर दिया गया। यह मोदी की भाजपा की नजर में एक साथ दो काम करता था–मुसलमानों को निशाना बनाए रखकर हिंदुओं का ध्रुवीकरण करने का काम और सामाजिक न्याय के विपक्ष के मुद्दे को भोंथरा करने का भी काम। इसलिए, जल्द ही मंगलसूत्र आदि छीन लेंगे के समांतर, आरक्षण छीन लेंगे और मुसलमानों को दे देंगे की थीम का इस्तेमाल शुरू कर दिया गया।इस चुनाव प्रचार के दौरान ही, ओवरसीज कांग्रेस के नेता रहे सैम पित्रोदा के अमरीका में कई राज्यों में विरासत कर लगा होने के उल्लेख का, मोदी ने विपक्षी गठबंधन के संपत्तियां छीन लेने के अपने झूठे प्रचार के लिए जमकर दोहन किया। लेकिन, पित्रोदा का बयान बाद में भले ही उनके लिए आसान बहाना बन गया हो, संपत्तियां छीन लेंगे का झूठा तथा निराधार प्रचार, खासतौर पर कांग्रेस के घोषणापत्र के जवाब में इससे पहले ही शुरू किया जा चुका था। विरासत कर के मुद्दे पर मोदी की भाजपा के हमलावर रुख ने, उसकी कारपोरेटपरस्ती को और भी बेनकाब कर दिया, क्योंकि किसी से छुपा हुआ नहीं था कि विरासत कर हर जगह, विरसे में बहुत ज्यादा संपत्ति मिलने के मामलों में ही लागू होता है और इस तरह इस कर का आक्रामक तरीके से विरोध करने वाले, वास्तव में उंगलियों पर गिने जा सकने लायक धनपतियों के स्वार्थ के लिए, बढ़ती असमानता को ही बनाए रखने की कोशिश कर रहे थे।इस बार के असामान्य रूप से लंबे प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने, अपने राज की दरबारी पूंजीपतिपरस्ती के आरोपों का हमला कर के जवाब देने की कोशिश में, तेलंगाना में एक सभा में प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पर ही यह आरोप जड़ दिया था कि उसे अडानी-अंबानी से टैंपो में भर-भर कर काला धन मिला था! इस दावे का सरासर बेतुकापन अपनी जगह, विपक्ष पर हमला करने की कोशिश में, उन्होंने जिस तरह अपने शीर्ष दरबारी कारपोरेट घरानों पर कालिख लगा दी थी, उससे मोदी भी एक बार को तो कांप ही गए होंगे। तभी तो पूरे चुनाव प्रचार के दौरान दोबारा उन्होंने विपक्ष पर प्रचार के लिए, इस हथियार का सहारा लेने की गलती नहीं की। उल्टे जैसे अपने प्रिय कारपोरेट मित्रों की नाराजगी दूर करने के लिए भी, प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया टुडे परिवार के साथ एक साक्षात्कार में, बढ़ती असमानता पर एक शाकाहारी से सवाल के जवाब में मजाक उड़ाने की मुद्रा में पूछा था–सब को गरीब बना देना चाहिए क्या?नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा जिस नवउदारवादी पूंजीवादी व्यवस्था को देश में चला रहे हैं, वह अपने चरित्र में ही असमानता बढ़ाने वाली व्यवस्था है। बहरहाल, इस व्यवस्था के दायरे में, असमानता पर अंकुश लगाने के प्रयास की जो गुंजाइश थी भी, उसके लिए भी मोदी राज ने दरवाजे बंद कर दिए हैं। उसके लिए विकास के लिए सरकार को सिर्फ और सिर्फ एक काम करना है–कारपोरेटों को प्रोत्साहन देना। विकास कारपोरेटों को ही करना है। और कारपोरेटों को प्रोत्साहन देने में, सस्ते से सस्ता, ज्यादा से ज्यादा अरक्षित श्रम मुहैया कराना भी शामिल है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि तथा लघु उत्पादन क्षेत्र की बर्बादी आदि सब यही सुनिश्चित करने के साधन हैं।

मोदी राज बहुत ही वफादारी से कारपोरेटों के हित में और मेहनत-मजदूरी से गुजारा करने वालों के खिलाफ, काम कर रहा है। कारपोरेटों ने भी उसे लगभग पूरी तरह से एकजुट समर्थन देकर, इसका प्रतिदान दिया है। इलैक्टोरल बांड तथा अन्य कारपोरेट चंदे के भाजपा की टंकी में खुले पतनाले, इसका सबूत हैं। स्वाभाविक रूप से चुनाव के बीच भी मोदी की भाजपा ने कारपोरेटों के हितों की रक्षा के लिए पूरी मुस्तैदी दिखाई है। कारपोरेटों की ओर से भी इसका प्रतिदान, आम तौर पर गोदी मीडिया के पूर्ण समर्पण, तत्काल एक्जिट पोल के तमाशे और अब शेयर बाजार में खुशी के ज्वार के रूप में सामने आया है।अंत में चुनाव के नतीजे जो भी निकलें, देश और जनता को इस कारपोरेट दुश्चक्र से निकलने के लिए बहुत कठिन लड़ाई की जरूरत होगी। कांग्रेस से उठे रैडीकल सुरों से कुछ आशा तो जगती है, मगर ये सुर क्या नवउदारवादी पूंजीवाद के तर्क को चुनौती देने तक जा सकते हैं, यह कहना मुश्किल है। दूसरी ओर, नरेंद्र मोदी ने कन्याकुमारी की अपनी कथित ध्यान साधना के बाद देश के नाम अपनी संदेशनुमा लंबी चिट्ठी से साफ इशारा कर दिया है कि उनका राज कायम रहा तो सुधार यानी उनके और उनके कारपोरेट मित्रों के रास्ते में आने वालों की खैर नहीं।

संपादकीय

बड़े फैसले का दिन

कई विवादों के बीच 18वीं लोकसभा के लिये हुए मतदान के परिणाम मंगलवार को घोषित होंगे जिससे तय हो जायेगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ही नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की तीसरी बार सरकार बनती है या जनता उन्हें हटाकर विकल्प के रूप में उभरे इंडिया गठबन्धन को सरकार का आसन प्रदान करती है जिसका नेतृत्व कांग्रेस करेगी। यह भी देखना होगा कि इंडिया गठबन्धन सरकार की ओर से कौन प्रधानमंत्री बनाया जाता है। इन नतीजों को लेकर एक उत्सुकता और भी है, वह यह कि भाजपा द्वारा 370 तथा उसके नेतृत्व में बने एनडीए (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) के भरोसे 400 सीटें लाने का दावा कितना खरा उतरता है। हालांकि अब यह लड़ाई पार्टी एवं चेहरों से बढ़कर %निरंकुशता बनाम लोकतंत्र% की हो चुकी है। इसलिये मंगलवार का दिन बड़े फैसले का है।सात चरणों में चली मतदान प्रक्रिया समाप्त होते और नतीजों के आते-आते पूरा देश भीषण गर्मी में तप रहा है। कई लोगों की इसके कारण होने वाली मौतों के चलते केन्द्रीय निर्वाचन आयोग का यह निर्णय (लम्बी प्रक्रिया का) सवालों के घेरे में तो है ही, उसकी भूमिका सतत संदिग्ध रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार को अपनी प्रेस कांफ्रेंस में इसे एक गलती माना है। बड़ी बात यह है कि विपक्ष को लगातार शिकायत रही है कि आयोग सीधे-सीधे सरकार के पक्ष में काम करता दिखा है। फिर वह चाहे चुनावी कार्यक्रम बनाने का मसला हो या फिर भाजपा के स्टार प्रचारक नरेन्द्र मोदी समेत बड़े नेताओं को मानो आचार संहिता की धज्जियां उड़ाने की छूट मिली हो। मोदी के लगभग सारे भाषणों में घोर सांप्रदायिकता की श्रेणी में आने वाले बयान थे लेकिन उनकी ओर से अनसुनी कर आयोग केवल विपक्षी दलों के नेताओं पर चाबुक चलाने में तत्पर रहा। कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर तथा उसके अनेक पिछले कामों के बारे में खुल्लमखुल्ला झूठ बोलकर श्री मोदी ने चुनावी माहौल को बहुत ही विषाक्त बनाया। उन्होंने धर्म का भी भरपूर उपयोग किया ताकि वोटों का ध्रुवीकरण किया जा सके।

गभग डेढ़ वर्ष पहले तक जिन मोदी एवं भाजपा के लिये 2024 का चुनाव बेहद आसान माना जाता था, उसकी तस्वीर राहुल गांधी की दो यात्राओं ने बदल दी। मोदी-भाजपा के बरक्स चेहरे, विमर्श तथा संगठन तीनों ही स्तरों पर विकल्प तैयार हुए। इतना ही नहीं, संयुक्त विपक्ष भी खड़ा हुआ जो थोड़ी बहुत कमजोरियों व प्रारम्भिक कठिनाइयों के बावजूद सत्तारुढ़ दल को मजबूत टक्कर देने में कामयाब दिख रहा है और इसी के बल पर माना जा रहा है कि 370-400 तो दूर की कौड़ी है, भाजपा को सरकार बनाने के भी लाले पड़े हैं। बहुमत के लिये आवश्यक 272 का जादुई आंकड़ा भाजपा की पकड़ से दूर दिखता है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का विवाद भी रहा है जिसे लेकर माना जा रहा है कि भाजपा को अगर कोई जीत दिला सकती है तो वे यही मशीनें हैं जिनके बारे में भाजपा, उसकी सरकार व निर्वाचन आयोग को छोड़कर सभी मानते हैं कि उसकी कार्यपद्धति दोषपूर्ण है।

यानी वह जनता के फैसले को सही तौर पर वोटों में नहीं बदलती। इसकी बजाये पुरानी प्रणाली यानी बैलेट पेपर के जरिये ही मतदान कराने की गुहार लेकर सुप्रीम कोर्ट गये वरिष्ठ वकीलों तथा लोकतंत्र के पक्ष में काम करने वाले स्वयंसेवी संगठनों ने भरसक कोशिश की थी कि यह व्यवस्था या तो खारिज हो अथवा पूर्णत- दोषमुक्त हो; लेकिन बात बनी नहीं। इस चुनाव में भी ईवीएम सरकार के पक्ष में ही काम कर सकती है- इसका अंदेशा बहुतेरों को है। यह मतदान भी इसी संदेहास्पद मशीनों के जरिये हो रहा है इसलिये इंडिया के घटक दलों ने अपने कार्यकर्ताओं व पोलिंग एजेंटों को चौकन्ना रहने को कहा है। हालांकि उनकी निगरानी की एक सीमा है और अगर मशीनों के भीतर दर्ज जनता के निर्णयों को किसी तकनीक के बल पर बदला जाता है तो वे सिवा स्ट्रांग रूम्स के बाहर पहरेदारी करने के कुछ और कर सकने की स्थिति में नहीं है। जो होना होगा, वह दूर किसी रिमोट कंट्रोल के जरिये हो चुका होगा।बहरहाल, चुनाव होने के ऐन पहले आये एक्जिट पोल्स ने अलग तरह की सनसनी फैला दी है। सरकार के साथ गलबहियां करने वाले मीडिया घरानों ने 1 जून की शाम से जो रूझान दिखाये हैं, तकरीबन उन सभी ने एक स्वर में फिर से भाजपा की बड़ी जीत के अनुमान बतला दिये हैं। आरोप ये हैं कि सरकार के इशारे पर दरबारी मीडिया भाजपा व एनडीए के पक्ष में वही संख्याएं बतला रहा है जो पाने का दावा अपने प्रचार में मोदी सहित बड़े भाजपा नेता करते रहे हैं। यह संख्या 350 से लेकर 390 तक है। हालांकि इन आंकड़ों की पोल इस प्रकार भी खुल रही है कि मुख्यधारा का मीडिया कई राज्यों में उतनी सीटों पर परिणाम दर्शा रहा है जितनी सीटें हैं भी नहीं। असली बात यह है कि लोग इन फर्जी आंकड़ों को, जिनमें भाजपा-एनडीए की बड़ी जीत बतलाई जा रही है, एक बड़े षड्यंत्र से जोड़ रहे हैं। कांग्रेस व इंडिया के नेता मानते हैं कि यह कोई बड़ी गड़बड़ी करने की पूर्व तैयारी का हिस्सा है। ये आंकड़े जारी करने के बाद अगर ईवीएम के डेटा में फेरबदल कर भाजपा को जिताया जाता है.

नयी सरकार को अधिक निवेश और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना होगा

सार्वजनिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद के 29त्न के करीब पहुंच गया है जो एक स्वस्थ प्रवृत्ति है। यह कई कारकों से संभव हो सका है, जिसमें राजस्व संग्रह में मजबूत वृद्धि और वास्तव में अंतिम राजस्व संग्रह बजट अनुमानों से अधिक है। जीएसटी की आमद लगातार महीने दर महीने 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गयी है।सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के लिए जीडीपी के नये आंकड़े का इससे बेहतर समय और क्या हो सकता है। संसदीय मतदान के अंतिम चरण के समाप्त होने के साथ ही, 2023-24 के लिए जीडीपी के 8.2प्रतिशत के आंकड़े आये जो भारतीय अर्थव्यवस्था की भारी वृद्धि दर को दर्शाते हैं। यदि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए चुनावों में जीतती है, जो सबसे संभावित घटना है, तो वित्तीय बाजार में उछाल की भविष्यवाणी की जा सकती है।लेकिन ऐसी गुलाबी तस्वीर के पीछे क्या रहस्य है, विशेषकर तब जब बाकी दुनिया बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। चीन एक तरफ़ गिर रहा है और गंभीर वित्तीय संकट की संभावनाओं से घिरा हुआ है। अमेरिका निश्चित रूप से पूरी तरह स्वस्थ है और ब्याज दरों में वृद्धि के दौर के बावजूद मंदी की सभी भविष्यवाणियों को झुठला रहा है। हालांकि, अमेरिका में नीतिगत ब्याज दरें बहुत अधिक बनी हुई हैं।भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए विकास के ट्रिगर्स के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए, समग्र निवेश में परिवर्तन की गतिशीलता, अंतिम उपभोग मांग का रुझान, निर्यात प्रदर्शन और विदेशों से धन के प्रवाह को देखना महत्वपूर्ण है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में निजी अंतिम खपत एक प्रमुख कारक है, जो सकल घरेलू उत्पाद के व्यय पक्ष का लगभग 60प्रतिशत है। यह मूल रूप से अर्थव्यवस्था की गति निर्धारित करती है। वास्तव में, कुछ साल पहले कुछ प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने बताया था कि भारत की वृद्धि निजी उपभोग के रुझानों पर बहुत अधिक निर्भर थी और यह एक अस्थिर मॉडल था, जिसे %एकल इंजन की सवारी% के रूप में वर्णित किया गया था।अर्थव्यवस्था के निरंतर मजबूत प्रदर्शन के लिए संरचना और ट्रिगर्स में सूक्ष्म परिवर्तन हैं। ये रुझान कुछ सुखद गतिशीलता दिखो हैं जो अर्थव्यवस्था को संभावित दलदल से बाहर निकालते हैं।

विकास की वर्तमान लहर निवेश द्वारा संचालित है, विशेष रूप से सार्वजनिक निवेश द्वारा। सार्वजनिक निवेश, जो मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे के निर्माण और सामाजिक पूंजी में सरकार के नेतृत्व में निवेश है, अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है।

सार्वजनिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद के 29त्न के करीब पहुंच गया है जो एक स्वस्थ प्रवृत्ति है। यह कई कारकों से संभव हो सका है, जिसमें

राजस्व संग्रह में मजबूत वृद्धि और वास्तव में अंतिम राजस्व संग्रह बजट अनुमानों से अधिक है। जीएसटी की आमद लगातार महीने दर महीने 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गयी है। इसने सार्वजनिक वित्त को एक आरामदायक क्षेत्र में सक्षम बनाया है। व्यय में वृद्धि के बावजूद राजकोषीय घाटा 5.6त्न पर बना रहा।

सरकारी वित्त को एक सहयोगी रिजर्व बैंक द्वारा और मदद मिली है। केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को अभूतपूर्व उच्च लाभांश हस्तांतरित किया है। केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा अर्जित बड़े अधिशेष ने भी केंद्र सरकार की व्यय योजनाओं को आगे बढ़ाया हो सकता है, फिर भी विवेकपूर्णराजकोषीयघाटा मापदंडों के भीतर रह सकता है।अगले ट्रिगर की बात करें तो, नवीनतम आंकड़े संकेत देते हैं कि घरेलू खपत मजबूत बनी हुई है। कुछ उच्च आवृत्ति वाले आंकड़े ऑटो बिक्री, आवास ऋण, ईंधन खपत जैसे कुछ क्षेत्रों में वृद्धि की तीव्र गति का संकेत देते हैं। ये मुख्य रूप से शहरी क्षेत्र में हैं। ग्रामीण क्षेत्र में इस वर्ष सामान्य मानसून के पूर्वानुमान के बावजूद मांग कुछ हद तक कम बनी हुई है।

तीसरा, निर्यात में वृद्धि हो रही है, हालांकि यह धीमी गति से हो रही है। पिछली तिमाही में नकारात्मक से व्यापारिक निर्यात सकारात्मक क्षेत्र में आ गया है। आयात भी बढ़ रहा है, जो मजबूत घरेलू मांग का संकेत देता है। सेवा निर्यात निश्चित रूप से उछाल पर है, हालांकि नयेएआई उत्पादों के उभरने के साथ कुछ अनिश्चितताएं उभरी हैं।

नीति निर्माताओं, अर्थात् आरबीआई और नॉर्थब्लॉक के लिए, सौम्य मुद्रास्फीति की स्थिति के कारण स्थिति और भी आरामदायक है। अप्रैल 2024 में सीपीआईमुद्रास्फीति4.8त्न थी, जो मार्च 2024 में 4.9त्न से कम थी। जनवरी 2024 से इसमें गिरावट का रुख है। नीचे की ओर दबाव मुख्य रूप से पेट्रोलियम से संबंधित कमोडिटी समूहों जैसे ईंधन, बिजली और परिवहन और संचार सेवाओं से उत्पन्न होता है।

अनुकूल समग्र पृष्ठभूमि को देखते हुए, अगली सरकार को बुनियादी ढांचे के निर्माण कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए अपने उत्साही संसाधनों का उपयोग करके अर्थव्यवस्था की गति को बनाये रखने पर जोर दिया जाना चाहिए। यदि ये ट्रिगर बनाये रखे जाते हैं, तो यह समय के साथ बड़े निजी क्षेत्र के निवेशों में फैल जायेगा। निजी निवेश तब आते हैं जब उनकी क्षमता का उपयोग बढ़ रहा है और बढ़ती प्रवृत्ति दिखा रहा है। व्यापार विश्वास सर्वेक्षणों और अन्य संकेतकों से संकेत मिलते हैं कि बड़े निजी निवेश के लिए भावनाएं सकारात्मक हो रही हैं। निजी क्षेत्र के निवेश में कुछ महत्वपूर्ण वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है। वास्तव में, भारतीय निजी निवेश के साथ-साथ कुछ बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनियां भारत में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। केंद्र सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ उठाते हुए, अधिक निवेशक भारत के बारे में उत्साहित महसूस कर रहे हैं। जिन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नयी शुरुआत की उम्मीद है वे हैं कंप्यूटर चिप और सेमीकंडक्टर उद्योग।

अब तक सब ठीक चल रहा है, लेकिन तकनीकी प्रकृति की टिप्पणियों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। कुछ अर्थशास्त्रियों ने बताया है कि जीडीपी डिफ्लेटर, यानी वह तरीका जिससे सांख्यिकीविद् वास्तविक जीडीपी रुझानों पर एक नज़र डालने के लिए जीडीपी आंकड़ों पर बढ़ती मुद्रास्फीति के प्रभावों को खत्म करने की कोशिश करते हैं, उदार रहा है।

इन अर्थशास्त्रियों को लगता है कि अंतिम आंकड़ों की गणना के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला जीडीपी डिफ्लेटरसीपीआई संख्याओं की तुलना में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति के आंकड़ों को अधिक महत्व देने के लिए बहुत कम था। डब्ल्यूपीआई रुझान बहुत कम और कभी-कभी नकारात्मक रहे हैं, जबकि सीपीआई 5.4 प्रतिशत के आसपास मंडरा रहा है। वे सीपीआई के नेतृत्व वाले के खिलाफ डब्ल्यूपीआई भारी प्रतिनिधि के उपयोग पर सवाल उठाते हैं। पूर्व में सीपीआई भारी डिफ्लेटर का उपयोग करने की तुलना में विकास की दर कहीं अधिक है।

फिर भी, कुछ तकनीकी मुद्दों को छोड़कर, इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने कदमों में उछाल दिखा रही है। अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है और प्रतिकूल वैश्विक वातावरण में कोविड के बाद के चरण में तेजी से सुधार किया है। इन रुझानों को देखते हुए, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अर्थव्यवस्था की गति मजबूत बनी रहेगी और वित्तीय बाज़ार भी इसी तरह की बढ़त दिखा सकते हैं।

हेयर स्पा बालों में डाले जान

प्रदूषण, धूल-मिट्टी और तनाव बालों की जडों को नुकसान पहुंचाते हैं और बाल बेजान होने लगते हैं। ऐसे में जब बालों की देखभाल ठीक से नहीं होती तो उनसे संबंधित तमाम समस्याएं पैदा हो जाती हैं मसलन डैंड्रफ, बालों का गिरना, बेजान और दोमुंहे होना। जिस प्रकार त्वचा को पोषण देने के लिए क्लींजिंग, टोनिंग, मॉयस्चराइजिंग और कंडिशनिंग की जरूरत होती है उसी प्रकार बालों को भी विशेष देखभाल की जरूरत होती है। दूसरी अहम बात है बालों के लिए उपयोगी और उचित हेयर केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल। अलग-अलग प्रकार के बालों के लिए अलग तरह के हेयर प्रोडक्ट्स की जरूरत होती है। गलत प्रोडक्ट के इस्तेमाल से सिर की त्वचा और बालों को हानि पहुंच सकती है।

इसके अलावा बालों को नियमित रूप से साफ करना भी जरूरी है ताकि सिर की त्वचा पर जमा अतिरिक्त तेल और फॉलिकल्स साफ हो जाएं। मृत कोश भी निकल जाएं और बालों को विकसित होने के लिए जरूरी पोषण मिल सके। बालों से जुडी समस्याओं को दूर करने के लिए हेयर स्पा एक बेहतर और आधुनिक उपाय है।

हेयर स्पा

इसमें बालों से जुडी विभिन्न समस्याएं जैसे तैलीय बाल, डैंड्रफ, फंगल इन्फेक्शन, बालों का झडना, डीप स्टैंड कंडिशनिंग ट्रीटमेंट आदि का उपचार किया जाता है। बालों पर आपके खानपान का बहुत प्रभाव पडता है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट के दौरान आपके दैनिक आहार पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

स्वस्थ बालों के लिए विटमिन ए, बी और सी के साथ कैल्शियम और कार्बोहाइड्रेट की विशेष जरूरत होती है और यह सभी आपके आहार में शामिल होना जरूरी है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट बालों की किस्म को ध्यान में रखकर किया जाता है। किस तरह के बाल और किस समस्या को कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है यह एक्सपर्ट आपको पहले ही बता देते हैं। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन स्कैल्प एनेलाइजर के जरिये सिर की त्वचा की जांच होती है, जिससे यह पता चल जाता है कि बालों की क्या समस्या है और सिर की त्वचा के पोर खुले हैं या बंद। साथ ही आपको कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है। इसके बाद डीप क्लींजिंग, हेयर पैक, हेयर ऑयल, सक्शन मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। स्कैल्प एनेलाइजर की सहायता से यह जाना जाता है कि अगर फंगल इन्फेक्शन है तो वह किस तरफ ज्यादा है और डैंड्रफ रूखी है या तैलीय। कहीं आपको ज्यादा तनाव या सिरदर्द तो नहीं होता है, इन सभी बातों की सही-सही जानकारी एक्सपर्ट को देनी जरूरी होती है ताकि ट्रीटमेंट का पूरा लाभ मिल सके।

तरह-तरह के स्पा

बालों से जुडी हर प्रकार की समस्या को दूर करके उन्हें स्वस्थ और उनके टेक्सचर को मजबूत बनाती हैं। हर स्पा में अलग-अलग मसाज दी जाती है।

मॉयस्चराइजर बूस्ट

प्रदूषित वातावरण धूल-मिट्टी, खराब मौसम, ब्लो ड्रायर्स और स्ट्रेटनिंग प्रोडक्टस के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को दूर करने के लिए मॉयस्चर बूस्ट हेयर थेरेपी का प्रयोग किया जाता है। इस थेरेपी में मिल्क प्रोटीन और पैंथेनॉल कॉम्प्लेक्स से युक्त प्रोडक्ट का प्रयोग किया जाता है, जो सिर की त्वचा को प्राकृतिक नमी भी प्रदान करता है और नमी के संतुलन को बनाने में मदद करता है।

एक्स्ट्रा केयर

को स्टाइल में रखना आज की जरूरत है। लेकिन स्टाइल के लिए बालों को तमाम रसायनों और तकनीकी प्रक्रियाओं से गुजरना पडता है, जो उन्हें कमजोर बना देते हैं। एक्स्ट्रा केयर हेयर स्पा ऐसे बेजान और कमजोर बालों को पोषण देने के लिए किया जाता है। यह प्रोटीन और सिलिकॉन ऑयल के नए मिश्रण से तैयार किया जाता है, जो बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है।

स्मूद एंड सॉफ्ट

यह स्पा सिर की त्वचा को पोषण देकर उसे नर्म मुलायम बनाने के साथ ही बेजान बालों में जान डालता है। उनकी उलझन को आसानी से दूर करता है। यह बालों को मजबूत बनाता है।

डैंड्रफ कंट्रोल

अपने नाम के अनुसार यह स्पा डैंड्रफ की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है। इस थेरिपी में ऑक्टीपिरॉक्स मौजूद है जो रूसी से मुकाबला करने के लिए सबसे असरदायक होता है। इससे सिर की त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ और साफ रहती है।

ग्रोथ एनहैंसिंग

यह स्पा बालों की जडों के मेटाबॉलिज्म को ऊर्जा प्रदान करता है और उसे संचालित करता है। जिससे बालों की ग्रोथ अच्छी होती है। साथ ही बालों के असमय सफेद होने की समस्या से भी बचाता है।

इस मौसम में मन को भाएं कॉटन साड़ियां

साड़ियां परंपरागत भारतीय परिधान है जो महिलाओं को सौम्य, सुंदर और शालीन छवि प्रदान करता है। बात गर्मियों की हो तो इस मौसम में कॉटन साड़ियों से बेहतर विकल्प नहीं। मार्केट में इन दिनों कॉटन साड़ियों की बेहतरीन वैरायटी मौजूद हैं

समर सीजन में हर महिला की यह चाहत होती है कि वह कुछ ऐसा पहनें जो उसे सौम्य और सुंदर दिखाने के साथ-साथ उसके लिए आरामदायक भी हो। इसलिए इस सीजन में कॉटन साड़ियों से बेस्ट कोई दूसरा ऑप्शन हो ही नहीं सकता। खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसं द करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें। इन दिनों मार्केट में काफी कलरफुल, कई वैरायटीज और प्रिंट्स में कॉटन साड़ियां मौजूद हैं। इन्हें पहनकर आप सिर्फ भीतरी ही नहीं बाहरी तौर पर भी कूल लगेंगी। फैशन डिजाइनर रीमा विस्तार से बता रही हैं कि कौन-सी साड़ियां इन दिनों ट्रेंड में बनी हुई हैं-

ऑरगेंडी साड़ियां

इस सीजन में आप एक बार प्लेन ऑरगेंडी साड़ियां पहन कर जरूर देंखें। लाइट मैटीरियल से बनी होने के कारण ये समर सीजन के लिए एकदम परफेक्ट हैं। वैसे ऑरगेंडी में प्लेन साड़ियों के लिए भी ढेरों ऑप्शन मौजूद हैं। यह कई सारे कलर और फैब्रिक में मार्केट में उपलब्ध है। डिजाइनर ऑरगेंडी साड़ी में बॉर्डर वाली साड़ी ट्राई करें, यह आपके लुक को सोबर और एलीगेंट बनाती है।

प्रिंटेड साड़ियां

डेली वियर और ऑफिस वियर के लिए प्रिं टेड क ॉ ट न साड़ियां भी काफी चलन में हैं। प्रिंटेड साड़ियों में आजकल कई वैरायटी मिलती है। खासकर दो शेड की कॉटन साड़ियां बेहतरीन लुक देती हैं। इसके अलावा प्लेन साड़ी में प्रिंटेड पल्ला भी आपको ग्रेसफुल लुक देता है।

तांत साड़ियां

पश्चिम बंगाल की तांत साड़ियां अपने ग्रेसफुल लुक, चौड़े और अट्रैक्टिव बॉर्डर, बूटीदार डिजाइंस की वजह से देशिवदेश में काफी पॉपुलर है। वैसे तो यह हर सीजन में काफी डिमांड में रहती हैं लेकिन गर्मियों के मौसम में इनकी लोकप्रियता काफी बढ़ जाती है। स्कूल- कॉलेज की टीचर्स या प्रोफेसर हों या फिर वर्किंग वुमेन, सभी की यह पहली पसंद बनती जा रही हैं। प्योर कॉटन के अलावा पार्टीवियर में भी तांत सिल्क की साड़ियां बेहद चलन में हैं।

चंदेरी कॉटन साड़ियां

चंदेरी कॉटन साड़ियां अब सिर्फ आम महिलाओं की पसंद बनकर ही नहीं रह गयी हैं, बल्कि बॉलीवुड स्टार्स भी इसका प्रयोग अपनी फिल्मों में जमकर कर रहे हैं। वैसे चंदेरी कॉटन और सिल्क दोनों ही फैब्रिक में काफी पसंद की जाती है। पारंपरिक चंदेरी डिजाइन में नाचता हुआ मोर, झाड़ पल्लू, चंदेरी बूटी, पटैला बूटी से सजी साड़ियां मार्केट में उपलब्ध हैं। साथ ही साथ आपको मार्केट में चंदेरी कॉटन और सिल्क पर बाघ, बटिक, दाबु और डिस्चार्ज प्रिंट की साड़ियां भी आसानी से मिल जाएंगी।

खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसंद करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें।

बनें आदर्श माता-पिता

आधुनिक दौर में बच्चों को संभालना और उनका सही मार्गदर्शन करना काफी मुश्किल होता जा रहा है। पैरेंट्स के लिए यह चैलेंज बन गया है। यदि बच्चों को समझदारी से हैंडल न किया जाए तो उनके दिलोदिमाग पर बुरा असर हो सकता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे अनुशासित, जिम्मेदार और सबकी आंखों का तारा बनें और आप आदर्श माता-पिता कहलाएं तो आजमाएं ये टिप्स

➔ ***बच्चों*** की सभी बातों में मीन-मेख न निकालें और न ही बात-बात में उन्हें रोकें-टोकें। बच्चों को प्यार से समझाएं। उसके दोस्तों के सामने उसे डांटें नहीं, उसे इस बात का बुरा लगेगा।

➔ जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करे तो उसकी प्रशंसा करना न भूलें। माता-पिता की प्रशंसा बच्चों के अंदर आत्मविास जगाती है और भविष्य में वे और भी अच्छा परफॉर्म करते हैं।

➔ बच्चों को बचपन से ही 'सॉरी' और 'थैंक्यू' जैसे शब्दों का प्रयोग करना सिखाएं। घर आए मेहमानों और बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना सिखाएं। अच्छे आचरण के बीज बचपन में ही बोए जा सकते हैं।

➔ कभी-कभी बच्चों की जिद भी मान लें। जिद करना तो बाल सुलभ स्वभाव है । थोड़ी समझदारी से उसके इस स्वभाव को हैंडल करें तो उसकी यह आदत धीरे-धीरे स्वत: ही कम हो जाएगी।

➔ आमतौर पर पैरेंट्स बोलते हैं और बच्चों को उनकी बात सुननी पड़ती है। बच्चों को भी बोलने का मौका दें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें। बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, यदि बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दिया जाए तो उन्हें दिशा देना आसान हो जाता है।

➔ बच्चों से फ्रेंडली रहें लेकिन एक सीमा तक ही। अपना पैरेंटल अधिकार बनाए रखें और अनु शासन में रखकर बच्चों को जरूरी दिशा-निर्देश दें।

➔ दूसरे बच्चों से अपने बच्चों की तुलना न करें। इससे बच्चों में सुपीरियोरिटी कॉम्प्लेक्स या हीन भावना उत्पन्न हो सकती है। हर पैरेंटिंग बच्चा दूसरे से अलग होता है। उसके अच्छे गुणों को उभारना हर माता-पिता की जिम्मेदारी होती है।

➔ बच्चों में शुरू से ही शेयरिंग की आदत डालें। उसे अपने खिलौने या चॉकलेट अपने दोस्तों या भाई-बहनों के साथ मिल-बांटकर खेलना खाना सिखाएं। इस तरह वे बचपन से ही सोशल होना सीखेंगे।

➔ अपने बच्चों में ईर्ष्या-द्वेष की भावना न पनपने दें, न ही ओवर रिएक्ट करें।

➔ बच्चे अनुशासन घर से ही सीखते हैं। अत: बच्चों को जिम्मेदार और अनुशासित बनाने से पहले स्वयं अनुशासित व जिम्मेदार बनें।

➔ बच्चों को अपने पारिवारिक या आपसी झगड़ों का हिस्सा न बनाएं और न ही उन्हें मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करें।

➔ बच्चों से बहुत अधिक अपेक्षाएं न करें। अक्सर पैरेंट्स अपनी अधूरी महत्वाकां क्षा बच्चों के जरिए पूरी करना चाहते हैं। इसके लिए वे बच्चों पर दबाव डालते हैं, जो सही नहीं है।

➔ बच्चों को अनुशासन सिखाएं, लेकिन उन्हें अनुशासन के दायरे में बांधकर न रखें। अनुशासन के दायरे में बां धकर रखने से बच्चों का समुचित विकास नहीं हो पाता।

➔ बच्चों के सामने गाली-गलौज या अपशब्दों का इस्तेमाल न करें और न ही बच्चों के सामने अनावश्यक झूठ बोलें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे, उसका प्रभाव निश्चित रूप से आपके बच्चों पर पड़ेगा।

➔ बच्चों के लिए भी वक्त निकालें। बच्चों की दिनचर्या में शामिल होना भी बच्चों के संपूर्ण विकास का हिस्सा है।

➔ कोई भी फंक्शन या फैमिली गेट-टुगेदर हो तो बच्चों को साथ जरूर ले जाएं। इससे बच्चे सोशल बनते हैं। हमारी परंपराओं से बच्चे बहुत कुछ सीखते हैं।

➔ बच्चों के सवालों या उसकी किसी जिज्ञासा पर उसे डांटकर चुप न कराएं बल्कि समझदारीपूर्वक उसके सवालों का जवाब दें और उसकी जिज्ञासाओं को शांत करें। इससे बच्चा भ्रमित नहीं होगा।

➔ उन्हें इतनी छूट भी न दें कि वे लापरवाह बन जाएं। बच्चों को कोई भी स्वतंत्रता समय से पहले और जरूरत से ज्यादा न दें, ताकि वे चीजों व भावनाओं की कद्र करना जानें।

➔ बच्चों को आत्मनिर्भर बनना सिखाएं। उसके छोटे-छोटे काम उसे स्वयं करने दें। ऐसा करने से वे बचपन से ही जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बनेगा।

➔ बच्चों की प्रथम पाठशाला उसका घर होता है। अत: अपने बच्चों के सामने सभ्यता से बोलें और अच्छा आचरण करें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे और जैसा आचरण आप करेंगे, वैसा ही आपका बच्चा सीखेगा।

इन सब बातों का ध्यान रखकर और उपरोक्त बातों को अपनी और अपने बच्चों की दिनचर्या में शामिल करके आप भी आदर्श माता पिता बन सकते हैं।

भरपूर मात्रा में दही खाएं, चिंता से मुक्ति मिलेगी

एक शोध के मुताबिक, दही जैसे प्रोबायोटिक्स का सेवन करने से न सिर्फ आंत में बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, बल्कि यह चिंता कम करने के साथ-साथ मस्तिष्क की कार्यक्षमता में सुधार भी करती है। आजकल की बदलती जीवनशैली, व्यस्तता और खराब सामाजिक जीवन के चलते अक्सर चिंता और बेवजह का तनाव होने लगता है, जो धीरे-धीरे अवसाद के तौर पर गंभीर समस्या बन सकता है। इसलिए, जिंदगी में शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी हो गया है। हालांकि, चिंता से मुक्ति पाना आसान नहीं है। लेकिन शोध के मुताबिक,खाने में भरपूर मात्रा में दही शामिल करके चिंता व तनाव से राहत मिल सकती है। शोध में पता चला है कि प्रोबायोटिक्स आंत के बैक्टीरिया को नियंत्रित करने के अलावा मस्तिष्क की कार्यक्षमता को सुधारने में भी अहम भूमिका निभाते हैं, जो चिंता के लक्षणों को कम करती है। प्रोबायोटिक्स को अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, क्योंकि ये हानिकारक बैक्टीरिया से लड़ते हैं। शोध यह भी बताता है कि आंतों के माइक्रोबायोटो को नियंत्रित करके मानसिक विकारों का उपचार हो सकता है। इसका समर्थन करने वाला अभी कोई ठोस सबूत नहीं है।

शरीर सुन्न हो जाने पर घरेलु नुस्खे

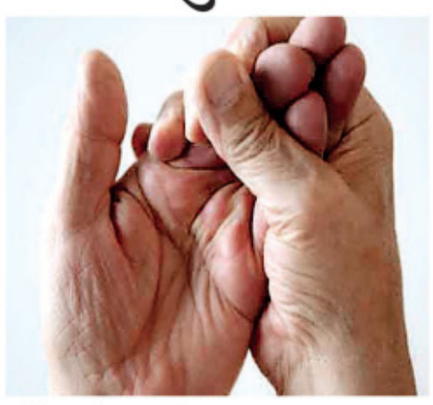

पपीता और सरसों
पपीते या शरीफे के बीजों को पीसकर सरसों के तेल में मिलाकर सुन्न होने वाले अंगों पर धीरे-धीरे मालिश करें।

सोंठ, लहसुन और पानी
सुबह के समय शौच आदि से निपट कर सोंठ तथा लहसुन की दो कलियों को चबाकर ऊपर से पानी पी लें।

यह प्रयोग आठ-दस दिनों तक लगातर करने से सुन्न स्थान ठीक हो जाता है।

अजवायन, लहसुन और तिली तेल
तिली के तेल में एक चम्मच अजवायन तथा लहसुन की दो पूतियां कुचलकर डालें। फिर तेल को पका-छानकर शीशी में भर लें। इस तेल से सुन्न स्थान की मालिश करें।

बादाम
बादाम घिसकर लगाने से त्वचा स्वाभाविक हो जाती है। और बादाम का तेल मलने से सुन्न स्थान ठीक हो जाता है।

पीपल और सरसों
पीपल के पेड़ की चार कोंपलें सरसों के तेल में मिलाकर आंच पर पकाएं। फिर छानकर इस तेल को काम में लाएं।

सोंठ, पीपल, लहसुन और पानी
सोंठ, पीपल तथा लहसुन सभी बराबर की मात्रा में लेकर सिल पर पानी के साथ पीस लें। फिर इसे लेप की तरह सुन्न स्थान पर लगाएं।

कालीमिर्च और इलायची
कालीमिर्च तथा लाल इलायची को पानी में पीसकर त्वचा पर लगाएं।

नारियल और जायफल
100 ग्राम नारियल के तेल में 5 ग्राम जायफल का चूर्ण मिलाकर त्वचा या अंग विशेष पर लगाएं।

लहसुन और पानी
एक गांठ लहसुन और एक गांठ शुंठी पीस लें। इसके बाद पानी में घोलकर लेप बना लें। इस लेप को त्वचा पर लगाएं।

घी
रात को सोते समय तलवों पर देशी घी की मालिश करें। इससे पैर का सुन्नपन खत्म हो जाएगा।

चोपचीनी, पीपरामूल, मक्खन और दूध
5 ग्राम चोपचीनी, 2 ग्राम पीपरामूल और 4 ग्राम मक्खन तीनों को मिलाकर सुबह-शाम दूध के साथ सेवन करें।

बेल, पीपल, चित्रक और दूध
बेल की जड़, पीपल और चित्रक को बराबर की मात्रा में लेकर आधा किलो दूध में औटाएं। फिर रात को सोते समय उसे पी जाएं।

सैन्धव तेल
सैन्धव तेल की मालिश से सुन्नपन में काफी लाभ होता है।

शरीर सुन्न हो जाने का कारण
शरीर के किसी अंग के सुन्न होने का प्रमुख कारण वायु का कुपित होना है। इसी से वह अंग भाव शून्य हो जाता है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि खून के संचरण में रुकावट पैदा होने से सन्नता आती है। यदि शरीर के किसी विशेष भाग को पूरी मात्रा में शुद्ध वायु नहीं मिलती तो भी शरीर का वह भाग सुन्न पड़ जाता है।

शरीर सुन्न हो जाने की पहचान
जो अंग सुन्न हो जाता है, उसमें हल्की झनझनाहट होती है। उसके बाद लगता है कि वह अंग सन्न हो गया है। सुई चुभने की तरह उस अंग में धीरे-धीरे लपकन-सी पड़ती है, लेकिन दर्द नहीं मालूम पड़ता।

रेसिपी

पनीर कोरमा

सामग्री
- 300 ग्रम पनीर
- 1 कप पानी
- 1 प्याज
- 1 टमाटर
- 4 तेज पता
- 5 काजू
- 1 टी स्पून अदरक लहसुन पेस्ट
- 1 टी स्पून गरम मसाला
- 1/2 टी स्पून हल्दी
- 1/2 टी स्पून लाल मिर्च
- 1/2 टी स्पून हरी मिर्च पेस्ट
- 2 टी स्पून खसखस
- 2 टी स्पून नारियल
- 2 टी स्पून धनिया पता
- 2 टी स्पून तेल
- नमक स्वादानुसार

विधि

पनीर कोरमा बनाने के लिए सबसे पहले प्याज और टमाटर को बारीक काट लें। अब खसखस, काजू और नारियल को मिक्सी में पीस लें। साथ ही थोड़ा पानी डालकर एक पेस्ट तैयार कर लें। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गरम करें। गरम तेल में तेज पता और इलायची डालकर भूनें। अब इसमें कटा हुआ प्याज डालें और धीमी आंच पर उसे भूनें। प्याज का रंग हल्का ब्राउन होने लगेगा। इस मिश्रण में हरी मिर्च का पेस्ट, अदरक लहुसन का पेस्ट डालें और इसी मिश्रण के साथ भूनें। इतना करने के बाद इसमें कटा हुआ टमाटर डालें साथ ही नमक, लाल मिर्च और हल्दी डालकर मिश्रण को भूनें। 2 मिनट तक मिश्रण को पकने के लिए छोड़ दें। अब इसमें पिसा हुआ खसखस का पेस्ट और पानी डालकर पकने के लिए छोड़ दें। 5 मिनट तक सब्जी को पकने दें। इस मिश्रण में पनीर के कटे हुए टुकड़े डालें, साथ ही गरम मसाला डालें और 2 मिनट तक सब्जी को पकाएं। आपका स्वादिष्ट पनीर कोरमा बनकर तैयार है। इसे बाउल में निकालें ऊपर से धनिया पत्ता डालें और सभी को गरम-गरम सर्वे करें।

शाही मशरूम

सामग्री
- मशरूम 200 ग्राम
- प्याज 4
- टमाटर 5
- अदरक 1 टुकड़ा
- हरी मिर्च 2
- नमक स्वादानुसार
- लाल मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर 1/2 चम्मच
- चीनी 1 चम्मच
- क्रीम 1 कप
- काजू 1 कप
- घी 3 चम्मच

विधि

मशरूम को धोकर दो टुकड़ों में काट लें। प्याज और टमाटर को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कढ़ाही में दो चम्मच घी गर्म करें और प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। फिर टमाटर, अदरक और हरी मिर्च डालें। जब टमाटर मुलायम होने लगे तो गैस बंद कर दें और मिश्रण के ठंडा होने पर उसका घोल बना लें। अब उसी कढ़ाही में बचा हुआ घी डालें और गर्म करें। तैयार घोल को घी में डालें। लाल मिर्च पाउडर, सभी मसाले, चीनी और काजू का घोल डालें। चार से पाच मिनट तक धीमी आंच पर भूनें ग्रेवी के लिए आधा कप पानी डालें। जब ग्रेवी उबलने लगे तो कड़ाही में मशरूम डालकर धीमी आंच पर पांच से सात मिनट तक पकाएं। सबसे अंत में नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। लगातार चलाते हुए पांच मिनट तक पकाएं और गैस बंद कर दें। लो तैयार हो गया आपका शाही मशरूम। इसे मेहमान के सामने गर्मागर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
प्रसन्नता के साथ सभी जरुरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

लॉफिंग ज़ोन

बेटा (मां से)- मां, क्या पीला रंग महंगा मिलता है ?

मां- नही तो।

बेटा- मगर पडोस वाली आंटी तो कह रही थी, कि बेटी के हाथ पीले करने में लाख रूपए लगेंगे।

□ □ □

प्रदीप- मेरा मुंह मत घोओ बहुत ठंड है।

दादी- बेटे जब मैं तेरी उम्र की थी, तो दिन में चार बार मुंह घोआ करती थी।

प्रदीप- इसलिए तो तुम्हारा मुंह इतना सिकुड गया है।

□ □ □

मां- बेटे तू यह कैसी माचिस लाया है। इसमें एक भी तीली नही है ?

बेटा- मां आपने ही तो कहा था कि माचिस देखकर लाना, तीलियां सीली हुई मत लाना। इसलिए मैंने माचिस की सारी तीलियां जलाकर देख ली।

□ □ □

जज (चोर से)- तुमने सुनार की दुकान से गहने क्यों चुराए ?

चोर- जज साहब, दुकान के बाहर लिखा था 'सुनहरे मौके का लाभ उठाएं'।

काकुरो पहेली - 4076

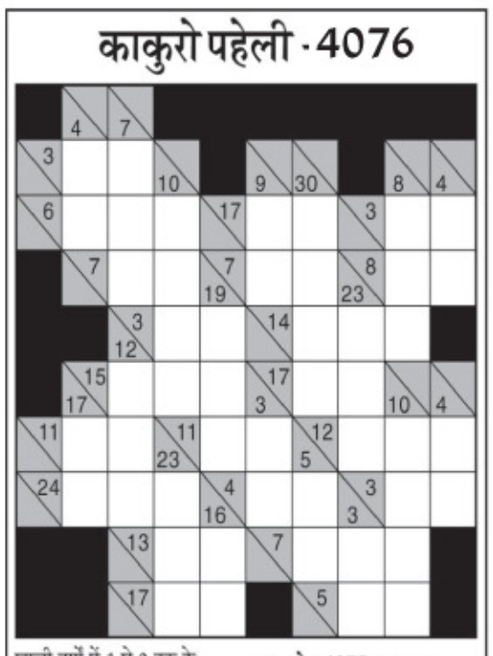

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

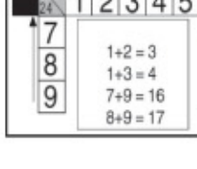

काकुरो -4075 का हल

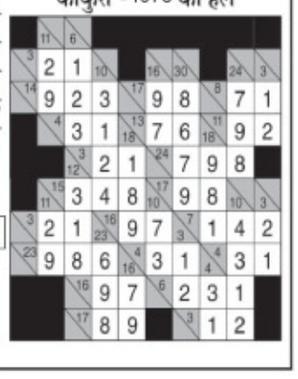

फिल्म वर्ग पहेली- 4076

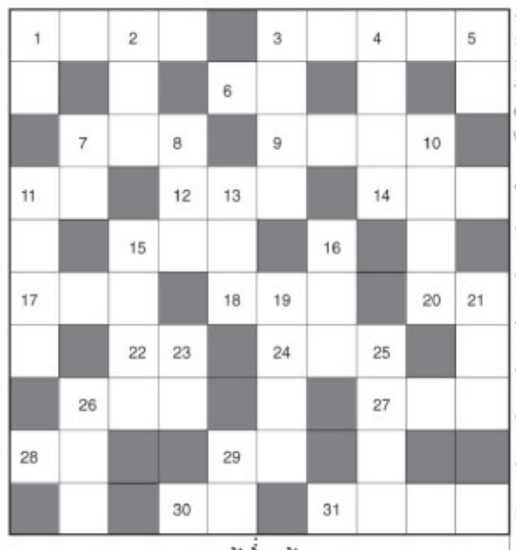

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कैवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरुण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-३
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

सूडोकु 4076

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4075 हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 4076

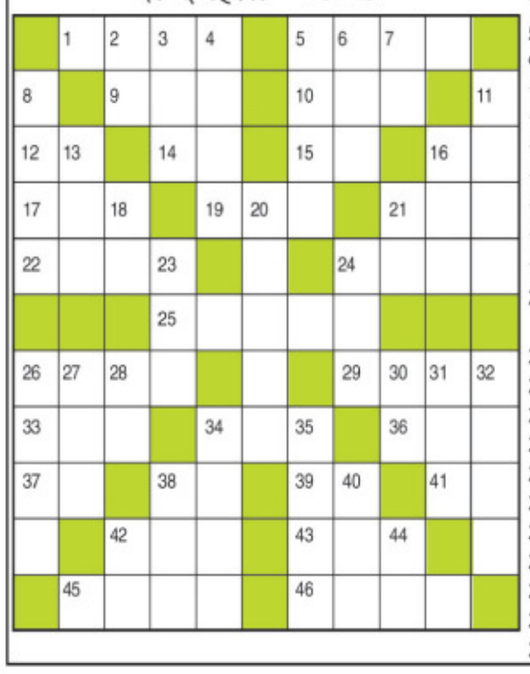

बाएँ से दाएँ
1. सरदार,अगुआ-4
5. जनमत,एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता,परवाह-3
12. पैंदा,तल्ला-2
14. ताल,सुर,आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला,दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल,करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट,पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36. चौकसी,रखवाली-3
37. हलक,कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर,मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा,गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी,अफ़सर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा,बैर-2
8. आदत,व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग,हिलोर-3
16. तृष्णा,लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर,पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या,डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली,आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन,प्रेमपात्र-3
42. पहरा,चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली 4075 का हल

पीएम और सीएम की कर्मभूमि होने के बावजूद पूर्वांचल में भाजपा को मिली हार

एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को पूर्वांचल में तगड़ा झटका लगा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि होने के बावजूद पूर्वांचल में भाजपा की हार के कई मायने हैं। पूर्वांचल भाजपा के लिए इस चुनाव में भी अहम माना जा रहा था। 2019 में वाराणसी के आसपास की सीटें गाजीपुर, घोसी और लालगंज को छोड़कर भाजपा ने अच्छी बढ़त ली थी। लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में जिस तरह भाजपा को पूर्वांचल में हार नसीब हुई थी, उसी तरह से 2024 लोकसभा चुनाव में भी पराजय मिली है। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से सटे चंदौली, राबर्ट्सगंज, गाजीपुर और जौनपुर से लेकर बलिया, घोसी, सलेमपुर, आजमगढ़ व लालगंज में भाजपा की बुरी तरह से हार हुई है। अलबत्ता भदोही में भाजपा और मिर्जापुर में अनुप्रिया पटेल की जीत ने थोड़ी बहुत लॉज बचाई है। बलिया और सलेमपुर में तो भाजपा लगातार दो बार से अच्छे मार्जिन से जीत रही थी। बावजूद, इसके करारी हार मिली है। इस बार डा. संजय की निषाद पार्टी और ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा से गठबंधन काम न आया। दोनों के वोट भाजपा पर ट्रांसफर नहीं हो पाए।

मथुरा से हेमा मालिनी ने तीसरी बार जीत दर्ज की

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार हेमा मालिनी ने तीसरी बार जीत दर्ज करते हुए कांग्रेस के प्रत्याशी मुकेश धनगर को 2,93,407 मतों से हराया है। हेमा मालिनी को 5,10,064 वोट मिले। और 216657 मुकेश धनगर व 188417 सुरेश सिंह को मिले। 15 प्रत्याशी खड़े थे मैदान में, 12 की जमानत जब्त हो गयी। हालांकि 2019 के मुकाबले भाजपा को 7.58 प्रतिशत मत गिरने का नुकसान हुआ है। 2019 में 60.88 प्रतिशत और 2024 में भाजपा की झोली में 53.3 प्रतिशत मत मिले, जबकि मथुरा लोकसभा सीट के लिए चुनाव में उतरे 12 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई है। 4563 मत नोटा पर भी पड़े।

राजग गठबंधन की 30 सीटों पर जीत तय, तो इंडी गठबंधन 09, एक पर निर्दलीय ने मारी बाजी

पटना। बिहार में लोकसभा की 40 सीटों में से 13 सीटों के परिणाम घोषित हो गए है। जबकि 27 सीटों में बढ़त का अंतर पार्टी की जीत तय करती हुयी नजर आ रही है। बिहार में राजग गठबंधन 30 सीटों में आगे चल रही है, जिसमें से उसने 11 सीट पर जीत दर्ज कर ली है। बाकी की 19 सीटों पर उसकी जीत तय नजर आ रही है। प्रदेश की जिन 30 सीटों पर राजग गठबंधन आगे है उनमें 12 सीट पर भाजपा। जिसमें से उसने 06 सीट पर विजय का परचम लहरा दिया है। इसी तरह जदयू भी 12 पर आगे हैं, इनमें से 05 सीट जीत चुकी है और 07 पर आगे चल रही है। बिहार में राजग गठबंधन की लोजपा (आर) 01 सीट जीत चुकी है और चार पर अपराजय बढ़त बनाए हुए है। वहीं हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के सुप्रीमो जीतन राम मांझी गया से चुनाव जीत चुके हैं। दूसरी ओर इंडी गठबंधन की बात करें तो , यहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 02 सीट पर जीत दर्ज कर 01 सीट पर आगे चल रही है। बिहार में राजद चार सीट पर आगे चल रही है। इंडी गठबंधन की सहयोगी सीपीआईएमएल 02 सीट में से एक पर जीत दर्ज कर चुकी है। वहीं पूर्णिया से निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव चुनाव जीत गए है।

नीतीश के इंडी गठबंधन में जाने की बात का केसी त्यागी ने किया खंडन

पटना। बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर चल रही मतगणना के बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश के एक बार फिर इंडी गठबंधन में शामिल होने की चर्चा विपक्षी ने तेज कर दी है लेकिन जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने इसका खंडन किया है। त्यागी ने कहा कि जदयू एनडीए का सबसे भरोसेमंद सहयोगी है। नीतीश कुमार को लेकर चल रही बातें पूर्ण रूप से भ्रामक हैं। उन्होंने शरद यादव के साथ जदयू नेताओं की वार्ता होने की खबरों का भी खंडन किया है। साथ ही कहा है कि नीतीश कुमार एनडीए में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार को इंडी गठबंधन में फिर से शामिल कराने की जिम्मेदारी एनसीपी प्रमुख शरद पवार को दी गई है। यह भी कहा जा रहा है कि शरद ने जदयू के नेताओं से संपर्क कर इस दिशा में वार्ता की है। अंतिम चरण के मतदान से पूर्व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि चार जून के बाद हमारे चाचा जी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फिर से पलटी मारेंगे।

उत्तराखंड में भाजपा ने पांचों सीटों पर खिलाया कमल

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की पांचों संसदीय सीटों पर भाजपा के पक्ष में जनादेश आया। प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ने लगातार तीसरी बार पांचों सीटें जीतकर हैट्रिक लगाई। उत्तराखंड की जनता ने फिर डबल इंजन सरकार को चुना। 2014 और 2019 के चुनाव में पांचों सीटों पर जनादेश भाजपा के पक्ष में ही गया था। प्रदेश में 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। इसमें 47 लाख से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 45 दिनों के इंतजार के बाद चुनावी इम्तहान का नतीजा सामने आया और उत्तराखंड में भाजपा क्लीन स्वीप कर गई। हालांकि पार्टी ने 75 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने का लक्ष्य बनाया था, लेकिन पिछले चुनाव की तुलना में उसे पांच प्रतिशत वोट कम मिले।

पांच कमल खिलाने में दिखी सीएम धामी की धमक

लोकसभा की पांचों सीटों पर जीत की हैट्रिक लगाने में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की धमक भी दिखाई दी। चुनाव का एलान होने से पहले से लेकर प्रचार के आखिरी दिन तक समर में जनसभाएं, रोड शो और जनसंपर्क अभियान में जुटे रहे। उनकी सक्रियता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि उत्तराखंड में ही उन्होंने 109 से अधिक जनसभाएं कीं।

70 प्रतिशत प्रत्याशियों को एक प्रतिशत भी वोट नहीं मिले

उत्तराखंड में पांच सीटों पर हुए लोकसभा चुनाव में जनता ने 70 प्रतिशत प्रत्याशियों को पूरी तरह से नकार दिया। जिन्हें चुनाव में एक प्रतिशत भी मत नहीं मिला। वहीं, मात्र 16 प्रत्याशी ऐसे हैं, जो एक प्रतिशत या फिर इससे अधिक वोट प्राप्त कर सके हैं।

जम्मू-कश्मीर की पांच सीटों में से दो-दो पर भाजपा और नेकां की जीत

एक निर्दलीय के हिस्से में

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों में से भाजपा और नेकां ने दो-दो सीटों पर जीत हासिल की है। उधमपुर लोकसभा सीट पर केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू-रियासी सीट पर जुगल किशोर शर्मा विजयी हुए हैं। श्रीनगर और अनंतनाग-राजोरी सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस को जीत मिली है। बारामुला सीट पर आजाद उम्मीदवार इंजीनियर राशिद जीत गए हैं। लद्दाख में आजाद उम्मीदवार मोहम्मद हनीफा को जीत मिली है। उधमपुर लोकसभा सीट पर भाजपा के उम्मीदवार डॉ. जितेंद्र सिंह ने तीसरी बार जीत दर्ज की है। डॉ. जितेंद्र सिंह को ने 571076 वोट हासिल किए। उन्होंने 1,24,373 वोटों से जीत दर्ज की। कांग्रेस के उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह को 4,46,703 वोट मिले। जम्मू लोकसभा सीट पर भाजपा के उम्मीदवार जुगल किशोर शर्मा ने भी लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की। जुगल किशोर शर्मा को 6,87,588 वोट मिले और उन्होंने 1,35,498 मतों से जीत हासिल की। यहां से कांग्रेस उम्मीदवार रमन भल्ला को 5,52,090 वोट मिले।

अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के मियां अल्ताफ 2,81,794 वोटों से जीत हुई है। उन्हें कुल 5,21,836 वोट मिले। महबूबा मुफ्ती दूसरे स्थान पर रहीं। उन्हें 2,40,042 वोट मिले। अपनी पार्टी के जफर इकबाल मन्हास 1,42,195 वोट मिले। वह तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा ने इस सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। उन्होंने यहां 'अपनी पार्टी' को समर्थन दिया था।श्रीनगर लोकसभा सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के रुहुल्लाह मेहदी ने जीत हासिल की है। रुहुल्लाह को 3,56,866 वोट मिले। उन्होंने 1,88,416 वोटों से पीडीपी के उम्मीदवार वाहिद पर्रा को पराजित किया। वाहिद को 1,68,450 वोट प्राप्त हुए। इंजीनियर राशिद ने बारामुला लोकसभा सीट पर 2,04,142 मतों से जीत दर्ज की है। उन्होंने 4,72,481 वोट हासिल किए। इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 2,68,339 वोट हासिल करके दूसरे नंबर पर रहे। सज्जाद लोन को 1,73,239 मिले।

उप्र में सपा-कांग्रेस गठबंधन को 43

भाजपा के खाते में आई 33 सीटें

एजेंसी

लखनऊ। देश में हुए लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे बेहद चौकाने वाले आए हैं। नतीजों में उत्तर प्रदेश के नतीजों में समाजवादी पार्टी (सपा) सबसे बड़ी पार्टी उभर कर सामने आई है। उप्र में सपा ने 37 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं विपक्षी गठबंधन में सपा के कांग्रेस को भी बढ़त मिली है और छह सीटों पर विजयी परचम लहराया है। जबकि 33 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कमल खिला है।

लोकसभा 2024 के चुनाव में देर रात तक हुई मतगणना के बाद परिणाम में भाजपा को तीसरी बार जनाधार मिलने की तस्वीर साफ हो गई है। चुनाव नतीजों के बाद तीसरी बार भाजपा केन्द्र में मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रही है। इस

परिणाम में उप्र राज्य से भाजपा को भारी क्षति उठानी पड़ी है। यहां पर कई चुनावों में हार का मुहं देख रही सपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। सपा को 37 सीटों पर विजयी मिली है। जबकि गठबंधन में कांग्रेस पार्टी को बड़ी बढ़त मिली और रायबरेली और अमेठी समेत छह सीटों पर कब्जा करने में सफल हुई है। भाजपा के लिए उप्र का चुनाव परिणाम बेहद निराशाजनक रहा और 33 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है। वहीं एनडीए के सहयोगी दलों में रालोद के खाते में दो और अपना दल (एस) ने एक सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं एक सीट पर भीम आर्मी ने जीत दर्ज कर चौंकाने का काम किया है। चुनाव आयोग द्वारा कई सीटों के नतीजों को घोषित न किए जाने से एक-दो सीटों के जीत के आंकड़ों के बदलाव होने की संभवाना है।

यादव परिवार ने सभी सीटों पर जीत की दर्ज

लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के परिवार से पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव कन्नौज, डिंपल यादव मैनपुरी, आजमगढ़ से धर्मेन्द्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, बदायूं से आदित्य यादव ने जीत दर्ज की है।

अखिलेश ने कहा, जनता को प्रणाम, जनमत को सलाम

चुनाव परिणाम को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उप्र की जागरूक जनता ने देश को एक बार फिर से नयी राह दिखायी है, नयी आस जगायी है। ये संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने की और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करवाने की जीत है। उप्र की प्रगतिशील जनता के विचार ही वोट के रूप में हमें मिले हैं। ये बंटवारे की नकारात्मक राजनीति के ख़िलाफ़, सौहार्द-भाईचारे और सकारात्मक राजनीति की जीत है। ये इंडिया गठबंधन और पीडीए की एकता की जीत है। सबको हृदय से धन्यवाद, दिल से शुक्रिया। वहीं शिवपाल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने जो कहा वो और नेताजी के सपने को हमने सच करके दिखाया। उन्होंने जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत को जीत की बधाई दी।

सिर्फ 48 वोट से जीते शिंदे समूह के उम्मीदवार रविंद्र वायकर

एजेंसी

मुंबई। मुंबई उत्तर-पश्चिम के शिवसेना शिंदे समूह के उम्मीदवार रविंद्र वायकर ने लोकसभा चुनाव के बेहद रोमांचक मुकाबले में सिर्फ 48 मतों से जीत हासिल की है। रविंद्र वायकर को कुल 4,52,644 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवसेना यूबीटी के उम्मीदवार अमोल गजानन किर्तीकर को 4,52,596 वोट मिल सके थे।

मुंबई उत्तर-पश्चिम की मतगणना के आखिरी दौर के बाद अमोल कीर्तिकर आगे थे। इसके बाद किर्तीकर ने फिर से मतगणना की मांग की। फिर से मतगणना होने के बाद अमोल कीर्तिकर एक वोट से आगे हो गए। इसके बाद रविंद्र वायकर ने फिर से मतगणना की मांग की और अचानक वायकर 48 मतों से आगे हो गए। चुनाव आयोग ने वायकर को विजयी घोषित कर दिया। लेकिन शिवसेना युबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा है कि वे उत्तर-पश्चिम मुंबई में हुई मतगणना को कोर्ट में चुनौती देने वाले हैं।

सहस्त्र ताल ट्रैक पर 4 ट्रैकर्स की ठंड के कारण मौत की सूचना, 18 अब भी फंसे

एजेंसी

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी-टिहरी सीमा पर समुद्र तल से 4600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित सहस्त्र ताल पर ट्रैकिंग करने गये दल के चार सदस्यों की ठंड के कारण मौत की सूचना आ रही है। जबकि खराब मौसम की वजह से 13 सदस्य अब भी वहां फंसे हुए हैं। दरअसल खबर मौसम के चलते ट्रैकर रास्ता भटक गए थे, जिसके बाद यह हादसा हुआ।इधर हादसे की खबर मिलते ही जिलाधिकारी डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट ने ट्रैकरों को रेस्क्यू करने के लिए तत्काल मौके पर रेस्क्यू टीम में भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एसडीआरएफ के मुख्यालय से आग्रह करने के साथ ही स्थानीय स्तर से तत्काल रेस्क्यू दलों को रवाना किये जाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने एसडीआरएफ के कमांडेंट को पत्र भेजते हुए अवगत कराया है कि अध्यक्ष, ट्रैकिंग ऐजेन्सी, उत्तरकाशी एवं गाइड राजेश ठाकुर ने मंगलवार सांय को अवगत कराया गया है कि हिमालयन व्यू ट्रैकिंग ऐजेंसी, मनेरी के द्वारा मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर एक 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल, जिसमें कनार्टक के 18 सदस्य एवं महाराष्ट्र का एक सदस्य और तीन स्थानीय गाइड शामिल थे, को गत 29 मई को सहस्त्रताल के ट्रैकिंग अभियान पर रवाना करवाया गया था। इस ट्रैकिंग दल को आगामी 7 जून तक वापस लौटना था। इसी दौरान गत दिन अंतिम शिविर से सहस्त्रताल पहुंचने के दौरान मौसम खराब होने से यह दल रास्ता भटक गया। सम्बन्धित ट्रैकिंग ऐजेंसी ने खोजबीन करने पर इस दल के चार सदस्यों की मृत्यु होने की सूचना देते हुए ट्रैक में फंसे अन्य 13 सदस्यों का शीघ्र रेस्क्यू किये जाने का अनुरोध किया है।

मध्य प्रदेश में भाजपा ने किया क्लीन स्वीप, एक सीट भी नहीं जीत पाई कांग्रेस

एजेंसी

भोपाल। लोकसभा चुनाव 2024 के अंतर्गत मतगणना के बाद मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश में क्लीन स्वीप किया है। कांग्रेस को यहां एक भी सीट भी नहीं मिल पाई है।

भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। प्रदेश सहित देश भर में मिली जीत पर भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में मंगलवार शाम को विजय उत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद सहित वरिष्ठ नेतृत्व ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और जनता का आभार

जताया। नतीजों की बात करें तो इंदौर में भाजपा को लोकसभा इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी जीत मिली है। यहां शंकर लालवानी रिकॉर्ड 11 लाख 75 हजार 92 वोट से जीते हैं। इंदौर सीट पर दूसरे नंबर नोटा रहा। यहां कांग्रेस प्रत्याशी के पाला बदलने से भाजपा का मुकाबला नोटा से था। इंदौर में नोटा को दो लाख 18 हजार 674 वोट मिले हैं। यह भी एक रिकॉर्ड है। इससे पहले इतिहास में एक सीट पर नोटा को इतने वोट नहीं मिले हैं। विदिशा से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 8 लाख 21 हजार 408 वोटों से जीत हुई है। गुना सीट से सिंधिया की पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीत हुई है। भोपाल से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा और खजुराहो से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीते हैं। राजगढ़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह एक लाख 40 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए। छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ भी हारे हैं। यहां से भाजपा के विवेक बंटी साहू ने एक लाख 13 हजार 618 वोटों से जीत हासिल की। रतलाम सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया भी हार गए हैं।

तमिलनाडु और पुदुचेरी की सभी लोकसभा सीटों पर इंडी गठबंधन की जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेतृत्व वाली इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों ने राज्य की सभी 39 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल कर ली है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक तमिलनाडु की 39 सीटों पर इंडी गठबंधन ने जीत हासिल की, जबकि पुदुचेरी की सीट को भी इंडी गठबंधन ने जीता। चुनाव आयोग के मुताबिक डीएमके को 22 सीटों पर जीत हासिल हुई, कांग्रेस 9 सीट पर, वीसीके 2 सीट पर, सीपीआई 2 सीट, सीपीएम 2 सीट पर जीत हासिल की है। वहीं, भाजपा के वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ है। भाजपा ने तमिलनाडु में 10 फीसदी से अधिक वोट हासिल किया। चुनाव आयोग के अपडेट के अनुसार तमिलनाडु चुनाव नतीजों में कार्ति चिदंबरम ने जीत हासिल की है। नीलगिरी सीट से डीएमके के राजा ए ने भाजपा के डॉ. मुरुगन एल को हराया। कृष्णागिरि में कांग्रेस के गोपीनाथ ने

जीत हासिल की। पुदुचेरी सीट से कांग्रेस के वी वितिलिंगम ने जीत हासिल की। कोयंबटूर की चुनावी लड़ाई में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के गणपति राजकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के के. अन्नामलाई को हराया। थूथुकुडी में कनिमोझी, श्रीपेरंबदूर में टीआर बालू और मध्य चेन्नई में दयानिधि मारन ने जीत हासिल की। उल्लेखनीय है कि इस लोकसभा चुनाव में इस राज्य में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला। डीएमके और कांग्रेस पार्टी ने इंडिया गठबंधन से, एनडीए में भाजपा ने कई क्षेत्रीय दलों के साथ और एआईएडीएमके ने अलग चुनाव लड़ा था।

भाजपा ने गुजरात की 26 में से 25 सीटें जीतीं

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात की 26 लोकसभा सीटों में से 25 पर भाजपा ने अपना कब्जा बरकरार रखा, लेकिन भाजपा सभी सीटों पर जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गई। उत्तर गुजरात की बनासकांठा सीट पर कांग्रेस की गेनीबेन ठाकोर ने कशमकश भरे मुकाबले में 30 हजार से अधिक मतों से बाजी मार ली।

अमित शाह ने तोड़ा अपना पिछला रिकॉर्ड

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 7.44 लाख मतों के अंतर से गांधीनगर सीट पर दूसरी बार चुनाव जीता। गांधीनगर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अमित शाह को 10,10,972 मत (76.68 प्रतिशत) मिले, जबकि कांग्रेस की सोनल पटेल को 2,66,256 मत (20 प्रतिशत) ही मिल सके। भाजपा ने यह सीट 10 लाख मतों के अंतर से जीतने का दावा किया था।

भाजपा नेताओं के चेहरे पर दिखा हार का गम

उत्तर गुजरात की बनासकांठा सीट

सर्वाधिक चर्चा में रही। यहां से कांग्रेस की गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा की डा. रेखा बेन चौधरी को 30,406 मतों से पराजित किया। ठेठ देसी अंदाज में अपने ससुराल में घूंघट निकालकर वोट मांगती गेनी बेन को मतदाताओं ने वोटों के साथ ही क्राउड फंडिंग के जरिये करीब 27 लाख रुपये भी दिए।

भाजपा ने किया था ये दावा

लोकसभा चुनाव की घोषणा के पहले भाजपा ने सभी 26 सीटों को पांच-पांच लाख मतों के अंतर से जीतने का दावा किया था। राजे-रजवाड़ों को लेकर जो विवादित बयान दिया था, उससे राजकोट, जामनगर, आणंद व सुरेंद्रनगर सीटों पर भाजपा को नुकसान का अंदाजा था, लेकिन सभी अटकलों को धता-बताते हुए केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने राजकोट में 4.84 लाख मतों से जीत दर्ज की। उनके विरुद्ध कांग्रेस ने पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष परेश धनाणी को मैदान में उतारा था। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया पोरबंदर सीट पर 3.5 लाख मतों के अंतर से आगे थे। आणंद से कांग्रेस उम्मीदवार एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा करीब 90 हजार मतों से चुनाव हार गए।

पाटिल ने फिर बनाया रिकॉर्ड

गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने 2019 में नवसारी सीट पर देश में सबसे अधिक 6,69,668 मतों से जीत दर्ज की थी, इस बार उन्होंने रिकार्ड 7,68,799 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। उनके सामने कांग्रेस के नैषध देसाई को 2,54,567 मत ही मिले जो करीब 19 प्रतिशत रहे, जबकि पाटिल को 77 प्रतिशत से अधिक मत मिले।

हिमाचल में सभी सीटें भाजपा ने जीती

शिमला। हिमाचल में सभी चारों संसदीय क्षेत्रों के परिणाम घोषित हो गए है। भाजपा ने सभी सीटें जीतीं हैं। निर्वाचन विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि हिमाचल प्रदेश की चारों संसदीय क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों को जीत प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉ. राजीव भारद्वाज को 632793 व कांग्रेस उम्मीदवार आनन्द शर्मा को 380898 वोट मिले, जबकि 6372 ने नोटा का बटन दबाया। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर को 607068 व कांग्रेस के सतपाल रायजादा को 424711 वोट मिले, जबकि 5178 ने नोटा को चुना। मंडी संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्यशी कंगना रनौत 537022 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को 462267 वोट प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त 5645 ने नोटा का विकल्प चुना।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने राज्यपाल को सौंपा त्यागपत्र

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश विधान सभा चुनाव के नतीजों में अबकी बार अप्रत्याशित बदलाव हुआ है। एनडीए गठबंधन को बड़ी संख्या में सीटें मिलीं। पिछले चुनाव में 151 सीटें जीतने वाली वाईएसआरसीपी इस समय सत्ता से बेदखल हो गई और मात्र दस विधानसभा सीटों पर सिमट कर रह गई। नतीजतन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन ने मंगलवार की शाम मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज्यपाल को अपने कार्यालय से त्यागपत्र भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक आंध्र प्रदेश विधान सभा चुनाव के घोषित परिणाम के मुताबिक तेलुगु देशम 136, वाईएसआरसीपी 10, जन सेना 21 और बीजेपी 8 सीट पर विजयी हुई है।

मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने अपने त्यागपत्र सौंपे जाने के पश्चात मीडिया से बातचीत की। जगन ने कहा कि चुनाव नतीजे लगभग सामने आ चुके हैं। परिस्थितियों को देखते हुए परिणाम वास्तव में आश्चर्यजनक हैं। मुझे ऐसा होने की उम्मीद नहीं थी। हमने अपने राज्य के जनता की भलाई और शिक्षा क्षेत्र में राज्य के छात्र और उनकी पढ़ाई के लिए प्रयास करके उन 53 लाख माताओं का कल्याणकारी योजनाओं से भला किया है, जिन्होंने अम्मा

ओडी प्राप्त की है। जगन ने कहा कि मुझे नहीं पता कि उन बहनों के वोटों का क्या हुआ। हमने 66 लाख दादा-दादी, विधवाओं और विकलांग लोगों (वृद्धावस्था पेंशन के अन्तर्गत) की इतनी मदद की है, जितनी पहले कभी किसी ने नहीं की। उनकी मुश्किलों में उनका साथ देना, उनकी तकलीफों को समझना और यहां तक कि उन्हें उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था राज्य सरकार ने की थी।

जगन ने आगे कहा कि यह एनडीए बड़े लोगों का गठबंधन है। यही गठबंधन दिल्ली में भी शासन कर रहा है। इस गठबंधन में भाजपा, चंद्रबाबू और पवन कल्याण को उनकी बड़ी सफलता के लिए बधाई। मैं आप सभी को, हर नेता को, हर कार्यकर्ता को, हर स्वयंसेवक को, जो मेरी मुश्किलों में भी मेरे साथ खड़े रहे, और मेरे बहनों-भाइयों को, जो हर घर से स्टार प्रचारक के रूप में मेरे साथ खड़े रहे, हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ, विपक्ष तेलुगु देशम जनसेना भाजपा मेरे पार्टी की 40 प्रतिशत वोट बैंक को कम नहीं कर सके। हम यहां से दोबारा जरूर उबरेंगे। यहां से हम साहस के साथ खड़े होंगे और फिर से उठ खड़े होंगे। उन्होंने कहा, हमें विपक्ष में रहना कोई नई बात नहीं है। संघर्ष कोई नई बात नहीं है। इन पांच वर्षों को छोड़कर मैंने अपना सारा राजनीतिक जीवन विपक्ष में बिताया है। मैंने ऐसी कठिनाइयों का अनुभव किया है जो राजनीतिक जीवन में किसी ने नहीं देखीं। अब हम किसी भी कठिनाई के लिए तैयार हैं। आइए इसका सामना करने के लिए तैयार रहें। सरकार में आने वालों को सत्ता प्राप्त कर शासन करने के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। धन्यवाद।

एक बटन दबाते ही एलियंस के बीच, ड्रेगन की सवारी, खजाने की खोज और न जाने क्या-क्या मजेदार चीजें। बोरियत से परेशान होकर जब तुम वीडियो गेम्स खेलना शुरू करते हो तो समय कब बीत जाता है तुम्हें पता ही नहीं चलता। तो आज इनके बारे में कई और बातें जान लो...

रोमांच से भरपूर वीडियो गेम्स

दोस्तों, वीडियो गेम बनने के पीछे काफी मेहनत होती है। अगली बार जब भी तुम वीडियो गेम ऑन करो, एक बार जरूर इनके बनने की प्रक्रिया के बारे में सोचना। कई महीनों की प्लानिंग और तैयारी, स्क्रिप्ट राइटिंग, कास्टिंग, कैरेक्टर डेवलपमेंट, कंप्यूटिंग पावर आदि के बाद वीडियो गेम बनकर तैयार होता है।

पहले बनती है कहानी

हर गेम किसी कहानी पर आधारित होता है। कभी-कभी गेम डिजाइनर्स अपने आइडियाज से ही गेम बनाने की शुरुआत कर देते हैं। एक बार जब विषय चुन लिया जाता है, फिर इसी स्टोरीबोर्ड पर कलाकार और लेखक काम करना शुरू कर देते हैं। इस स्टोरीबोर्ड में तकनीकी निर्देश और स्केच होते हैं, जिन्हें सीक्वेंस में सजाया जाता है और विजुअलाइजेशन फाइनल की जाती है।

फादर ऑफ वीडियो गेम

वर्ष 1951 में टेलीविजन सेट बनाने वाले इंजीनियर रॉल्फ बेयर के दिमाग में एक विचार आया कि अगर कोई गेमप्ले एलिमेंट टीवी से जोड़ दिया जाए तो काफी मजेदार होगा। पर उनके इस विचार से उनके बॉस सहमत नहीं हुए और इंकार कर दिया। उस वक्त तो बेयर ने भी इस प्लान को अपने दिमाग में ही दफना दिया, पर 15 वर्ष बाद न्यूयॉर्क सिटी के एक बस टर्मिनल पर बैठे-बैठे टीवी गेम्स के लिए कुछ आइडियाज उन्होंने नोट किए। पांच दिन के बाद इस पर योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू हुआ और करीब डेढ़ महीने बाद 20 अक्टूबर 1966 को वे अपने पहले वीडियो गेम का मजा ले रहे थे। सबसे पहले होम वीडियो गेम्स का आविष्कार करने वाले बेयर को ही वीडियो गेम्स का जनक यानी फादर कहा जाता है।

पहले के वीडियो गेम्स

सिक्के से चलने वाले वीडियो गेम्स वर्ष 1970 में आए, जिनमें कंप्यूटर स्पेस और पोंग ने काफी लोकप्रियता हासिल की थी। अभी बाजार में पॉपुलर गेम कंसोल का बोलबाला है, जिसमें निनटेंडो वी, माइक्रोसॉफ्ट एक्सबॉक्स 360 और सोनी प्लेस्टेशन 3 आते हैं।

बनाया रिकॉर्ड...

तुम भी तो वीडियो गेम के लिए पागल होगे। बंक मारकर वीडियो गेम खेला होगा जरूर...। मम्मी की डांट एक कान से सुन दूसरे से बाहर निकालना तो तुम्हारे लिए आम बात है। गिफ्ट्स में भी मिले होंगे ढेर सारे और खुद तो पॉकेटमनी से पता नहीं कितने ही खरीद डाले होंगे तुमने। लाइब्रेरी है क्या...वीडियो गेम्स की, अगर नहीं तो बना डालो न।

न्यूयॉर्क स्थित बफेलो निवासी 12 वर्षीय माइकल थॉमसन ने वीडियो गेम कॉस्मिक एवेंजर खरीदा था। पहला वीडियो गेम उपहार के रूप में दादा-दादी ने दिया, फिर तो न जाने कितने ही खरीद लिए उन्होंने। चाहे वह कैसेट, कार्टिज या लेजर डिस्क के रूप में हो या फिर कन्सोल में। उनके पास एक्सबॉक्स, प्लेस्टेशन्स, कैसीनो लूपी जैसे गेम्स भी हैं। आज युवा माइकल के पास 10,607 वीडियो गेम का कलेक्शन है। उन्होंने बफेलो स्थित अपने घर के बेसमेंट में वीडियो गेम की लाइब्रेरी बना ली है। जब गिनीज बुक संस्था को यह पता चला तो वहां के अधिकारी माइकल की लाइब्रेरी में आए और उन्हें गेमिंग एडीशन में विश्व रिकॉर्ड बनाने का सर्टिफिकेट सौंपा।

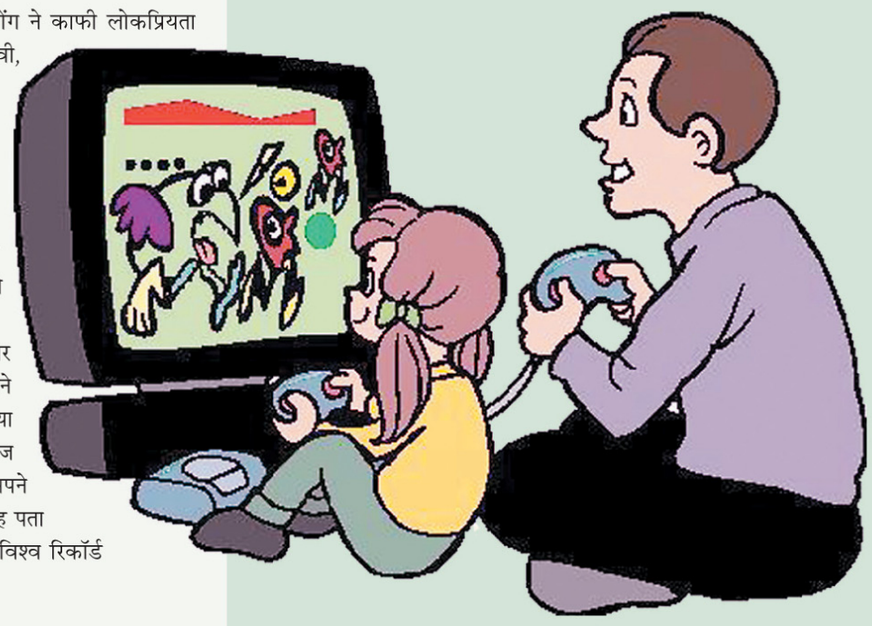

2डी व 3डी वीडियो गेम

2डी और 3डी का मतलब समझते होगे तुम... 2डी यानी 2 डाइमेंशनल जिसमें चौड़ाई और लंबाई हो, पर 3डी इमेज की गहराई यानी 3 डाइमेंशनल तस्वीर दिखाती है, जो बिल्कुल सच लगती है। 2डी गेम्स बस एक ड्राइंग की तरह होती है, जबकि 3डी इमेज की तुलना हम किसी भी स्कल्पचर से आसानी से कर सकते हैं। गेम्स की दुनिया में 3डी तकनीक को इसीलिए अपनाया गया ताकि प्लेयर्स इस रियलिटी वर्ल्ड में जा सकें। 3डी गेम्स में अवतार को तुम ज्वॉयस्टिक से कंट्रोल कर सकते हो, जबकि 2डी में अवतारों को नियंत्रित करने के लिए केवल डिजिटल पैड्स होते हैं।

3डी गेम्स को खेलते समय तुम उसी दुनिया में खुद को महसूस करोगे, क्योंकि यह बिल्कुल रियल इमेज बनाती है, जबकि 2डी गेम्स में प्लेयर्स को बस एक फ्लैट धरातल होता है और उतनी गहराई नहीं होती है।

प्ले स्टेशन ने बदली दुनिया

कुछ साल पहले लॉन्च हुए इस सिस्टम का जादू सभी के सिर चढ़कर बोला। करोड़ों में इसकी यूनिट की खरीदारी हुई। बड़ी स्क्रीन, शानदार मल्टीमीडिया सिस्टम और वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी इसकी खासियत हैं। इसे लगभग हर प्ले स्टेशन के साथ खेला जाता है।

मॉन्स्टर हंटर फ्रीडम 3 इसका सबसे लोकप्रिय गेम है, जिसकी 50 लाख से अधिक कॉपी बिक चुकी हैं। इसके शानदार पिक्सल हैं, साथ ही बड़े स्क्रीन के कारण गेम का मजा दोगुना हो जाता है।

वीडियो गेम अच्छा या बुरा

वीडियो गेम की यात्रा यूनिवर्सिटी से प्रयोगशालाओं और फिर हमारे लिविंग रूम तक पहुंच गई है। प्रतिदिन खेलते हो न वीडियोगेम? एक शोध से यह सामने आया है कि जो बच्चे हर रोज एक घंटे से कम समय के लिए वीडियो गेम खेलते हैं, वे गेम नहीं खेलने वाले बच्चों की तुलना में किसी माहौल में आसानी से ढल जाते हैं। लेकिन जो बच्चे तीन घंटे से ज्यादा समय वीडियो गेम्स को देते हैं, उनमें अच्छा विकास नहीं देखा गया है। वे मिलनसार नहीं होते हैं।

कितनी तरह की गेमिंग

तुम जितने भी गेम खेलते हो, वे गेमिंग सिस्टम दो तरह के होते हैं। पहला पोर्टेबल गेमिंग सिस्टम और दूसरा होता है गेमिंग कंसोल सिस्टम। पोर्टेबल गेमिंग सिस्टम वो होता है, जिसे स्मार्ट फोन या टैबलेट कंप्यूटर पर खेला जाता है। इन्हें किसी कंप्यूटर या किसी अन्य डिवाइस से जोड़ने की जरूरत नहीं होती। हां, हम जानते हैं इसकी छोटी स्क्रीन तुम्हें कभी-कभी अच्छी नहीं लगती। मगर ये भी तो देखो कि इसकी पिक्चर क्वालिटी कितनी अच्छी होती है और साउंड इफेक्ट कितना जानदार होता है। रेंजर स्विच ब्लेड, वाई यू, पोर्टेबल निटेंडो आदि इसी तरह के गेमिंग सिस्टम हैं। पोर्टेबल गेमिंग कंसोल गेम की कीमत 3 हजार से शुरू होती है। गेमिंग कंसोल सिस्टम में तुम बड़ी स्क्रीन का फायदा उठा सकते हो यानी कि इसे टीवी के साथ जोड़ सकते हो। इसके कंसोल में चाहो तो डिस्क लगा सकते हो या फिर खास तरह के कैसेट भी। अब नए जमाने के कंसोल मेमोरी कार्ड का विकल्प भी लिए हुए हैं।

बिना चश्मे खेलो और नचाओ...

इन दिनों निटेंडो 3 की धूम है, जिसमें ऑटोस्टीरियोस्कोपिक तकनीक के जरिए 3डी इफेक्ट पैदा किया गया है और वह भी बिना चश्मा पहने। इसके निंटेंडॉग्स एंड कैट्स तथा लेजेंड्स ऑफ जेल्डा जैसे गेम बहुत लोकप्रिय हैं। वहीं तुम गेम को अपनी उंगलियों पर नचा सकते हो काइनेक्ट से। इसे एक्स बॉक्स 360 के साथ जोड़कर इस्तेमाल किया जाता है। माइक्रोसॉफ्ट का काइनेक्ट एक मोशन सेंसिंग इनपुट डिवाइस है। इसमें सेंसर डिवाइस का मतलब है अपने आस-पास की हरकतों को समझने वाली मशीन। मार्च 2011 में लॉन्च किए जाने के बाद से इसने वीडियो गेमिंग की दुनिया बदलकर रख दी है। वजह यह है कि इसे इस्तेमाल करने के बाद गेम खेलने के लिए किसी स्टिक का इस्तेमाल करने या कंसोल के बटन दबाने की जरूरत नहीं रह जाती। किसी भी गेम को खेलने के लिए अपने हाथ-पैरों से इशारा कीजिए, सेंसिंग डिवाइस तुम्हारी गतिविधियों से ही कमांड ले लेगा।

बड़े पेड़ को भी गिरा सकता चिड़िया का घोंसला!

शायद ही आप कल्पना कर पाएं कि चिड़िया का घोंसला भी पेड़ों के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन गौरेया प्रजाति की एक चिड़िया ऐसा घोंसला बनाती है जो किसी विशाल पेड़ को गिरा सकता है? निश्चित ही आप इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे होंगे। वास्तव में अफ्रीका में पाई जाने वाली चिड़ियों की एक प्रजाति का सामाजिक ताना बाना इतना सघन होता है और वे मिलकर इतने विशाल घोंसले का निर्माण करती हैं कि कई बार पेड़ उसके भार से गिर जाते हैं। अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में पाई जाने वाली गौरेया प्रजाति की यह चिड़िया झुंड में रहते हुए अपने लिए एक ही घोंसला बनाती है। ठीक वैसे ही जैसे इंसान कॉलोनी बसाते हैं। एक घोंसले में 500 चिड़ियों का समूह रह सकता है। इन घोंसलों के आकार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका वजन 900 किलो से भी ज्यादा हो सकता है। कई बार इन घोंसलों की लंबाई 20 फुट और चौड़ाई 13 फुट तक होती है। इसकी मोटाई भी सात फुट तक होती है। सोशल वीवर यानी सामाजिक बुनकर नाम से जानी जाने वाली ये चिड़ियाएं घोंसले के अंदर घास, पंख और रूई इत्यादि का उपयोग कर अलग-अलग कमरों का निर्माण करती हैं। सर्दियों में एक कमरा तीन से चार पक्षियों को गर्म स्थान प्रदान करता है। बारिश का पानी भी घोंसले में नहीं ठहरता। इन चिड़ियाओं के घोंसले की एक और बात बेहद दिलचस्प है, वो यह है कि घोंसले के अंदर बने कमरे कभी भी आपस में जुड़े नहीं होते। हर कमरे में जाने का अलग रास्ता होता है। इस तरह बड़े झुंड में इन चिड़ियाओं के रहने का एक मुख्य कारण सुरक्षा है। झुंड में रहने से किसी शिकारी का खतरा कम होता है।

पेड़-पौधे भी करते हैं बातें!

मनुष्यों की तरह पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं। एक वैज्ञानिक ने खोज के तहत पौधों के बीच संचार के एक नए रूप की खोज की है, जिसमें वे एक दूसरे के साथ असाधारण अनुवांशिक जानकारियों को साझा करते हैं। वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड लाइफ साइंस के प्रोफेसर जिम वेस्टवुड ने कहा, कि इस खोज से विश्व के निर्धन देशों में फसलों पर कहर बरपा रहे परजीवी घासों से भी लड़ने में मदद मिलेगी। वेस्टवुड ने एक परजीवी पौधा दोदर और उसके दो पोषक पौधों अरबिडॉप्सिस और टमाटर के बीच के संबंधों की पड़ताल की। दोनों प्रजातियों के बीच आरएनए के परिवहन की जानकारी उन्हें पहले ही हो चुकी थी। नए अध्ययन में उन्होंने पाया कि इस परजीवी संबंध के दौरान पोषक पौधे और परजीवी पौधे के बीच हजारों संदेशवाहक (एम) आरएनए अणुओं का आदान-प्रदान होता है, जिसके माध्यम से दोनों प्रजातियों के बीच खुली बातचीत संभव हो पाती है। इस आदान-प्रदान द्वारा परजीवी पोषक पौधे की गतिविधियों पर नियंत्रण कर लेता है। इस तरह वह परजीवी से लड़ने

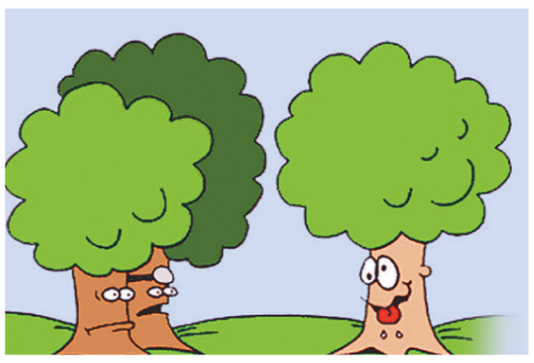

की पौधे की सुरक्षा शक्ति को खत्म कर देता है और आसानी से पौधे पर नियंत्रण कर उसे खत्म कर देता है। वेस्टवुड ने कहा, कि अंतरजीवी संपर्क की खोज से पता चलता है कि हम जितना सोच रहे थे, उससे ज्यादा ही गतिविधियां होती हैं। उन्होंने कहा, कि खोज की सबसे बड़ी बात यह है कि इससे फसल को नुकसान पहुंचाने वाले परजीवियों के खात्मे में मदद मिल सकती है।

बढ़ाओ ज्ञान...

एक क्लिक पर

दोस्तों, पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अगर एक ही जगह बैठे-बैठे तुम्हें देश-दुनिया के बारे में भी दिलचस्प जानकारी मिल जाए तो कितना बेहतर होगा। हम तुम्हें आज एक ऐसी ही वेबसाइट के बारे में बता रहे हैं, जहां क्लिक करते ही तुम्हें पढ़ाई में मदद मिलने के साथ-साथ देश-दुनिया के बारे में भी ढेर सारी जानकारियां मिल जाएंगी। कैसे, बता रहे हैं -

क्यूरिओसिटी डॉट डिस्कवरी डॉट कॉम नामक एक वेबसाइट जानकारियों का खजाना है। इस वेबसाइट पर इतना कुछ है कि तुम नई-नई चीजों के बारे में पढ़ते हुए और सर्च करते हुए थक जाओगे, लेकिन यहां पर नई-नई जानकारियां खत्म होने का नाम नहीं लेंगी। वेबसाइट पर क्लिक करते ही तुम्हें लोगों, जानवरों और दुनिया की तमाम खास जगहों के बारे में दिलचस्प जानकारी मिल जाएगी। इनके बारे में पढ़ने से तुम्हें मजेदार तथ्यों के बारे में जानने को तो मिलेगा ही, तुम्हारे ज्ञान में भी काफी बढ़ोतरी होगी, जो भविष्य में तुम्हारे काफी काम आएगी।

हर विषय की है जानकारी

तुम जैसे स्कूल गोइंग स्टूडेंट्स के लिए इस वेबसाइट पर तुम्हारे विषय से संबंधित भी काफी जानकारी है। बात चाहे गणित के सवाल हल करने की हो या फिर इतिहास के बारे में रोचक तथ्य जानने की या फिर भूगोल की अहम जानकारियां। ये सभी एक क्लिक पर तुम्हें आसानी से मिल जाएंगी। इन सबके अलावा विज्ञान के प्रोजेक्ट और अंतरिक्ष में हो रही हलचल के बारे में भी रोचक जानकारियों का खजाना है यह वेबसाइट।

फ्रेंच ओपन 2024: अल्कराज सेमीफाइनल में, सिनर से होगा सामना

एजेंसी

पेरिस। कार्लोस अल्काराज ने नौवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास को 6-3, 7-6 (3), 6-4 से हराकर फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना विश्व के नंबर एक जननिक सिनर से होगा। तीसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी, जो सितसिपास पर 5-0 के रिकॉर्ड के साथ प्रतियोगिता में आए थे, ने बैकहैंड पर बेहतरीन किक सर्व के साथ पहला सेट 33 मिनट में जीत लिया। दूसरे सेट में 4-2 से पिछड़ने के बाद सितसिपास ने एक जोरदार फोरहैंड मारकर दर्शकों को प्रभावित किया और आखिरकार उन्होंने टाइब्रेक में सेट जीतकर बराबरी कर ली। निराश सितसिपास ने तीसरे सेट में बार-बार अल्काराज की देरी से की गई ग्रन्ट्स के बारे में शिकायत की और तीसरे सेट में लगभग ओवरहेड स्मैश से उन्हें घायल कर दिया, लेकिन अंत में उनके स्पेनिश प्रतिद्वंद्वी ने मैच जीतकर रोलांड गैरोस के दूसरे सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

टी20 विश्व कप: बारिश के कारण इंग्लैंड-स्कॉटलैंड मैच रद्द

एजेंसी

ब्रिजटाउन। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में टी20 विश्व कप 2024 का छठा मैच मंगलवार देर रात बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर गत विजेता इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जॉर्ज मुन्से (31 गेंदों पर 41 रन, 4 चौके और 2 छक्के) और माइकल जोन्स (30 गेंदों पर 45 रन, 4 चौके और 2 छक्के) ने स्कॉटिश टीम के लिए ओपनिंग की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 90 रनों की साझेदारी निभाई। सातवें ओवर की दूसरी गेंद के बाद बारिश के कारण मैच रोक दिया गया था, लेकिन बारिश रुकते ही खेल फिर से शुरू हो गया और इसे 10-10 ओवर का कर दिया गया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और इंग्लिश गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बनाए, जिससे 10 ओवर की समाप्ति के बाद स्कॉटलैंड का स्कोर बिना किसी नुकसान के 90 हो गया। हालांकि, पारी के ब्रेक के दौरान बारिश ने फिर से मैच को बाधित कर दिया और अधिकारियों को मैच रद्द करना पड़ा। यह चल रहे टी20 विश्व कप 2024 का पहला मैच था जो बारिश की भेंट चढ़ गया। फिलहाल, इंग्लैंड एक अंक के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है। वहीं, स्कॉटलैंड एक अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

फ्रांस की जीत के बाद इंग्लैंड की क्वालीफिकेशन उम्मीदें बढ़ीं

नई दिल्ली। सरिना विगमैन का मानना है कि फ्रांस पर इंग्लैंड की 2-1 की जीत यूरो 2025 क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए जरूरी थी। (अधिक फुटबॉल समाचार) शेरनी सेंट जेम्स पार्क में उन्हीं विरोधियों से 2-1 से हार गई, जिसके बाद मैनेजर को सेट-पीस पर ध्यान केंद्रित करने में चूक का पछतावा हुआ, जिसके कारण फ्रांस के गोल हुए। सेंट-इटियेन में रिवर्स फिक्सचर में, इंग्लैंड ने पहले हाफ में दबदबा बनाया, क्योंकि जॉर्जिया स्टैनवे और एलेसिया रूसो के गोल ने उन्हें नियंत्रण में रखा। लीह विलियमसन ने एक पेनल्टी दी, जिसे दूसरे हाफ में कादिदियातोउ डायनी ने शांत तरीके से गोल में बदल दिया, लेकिन इंग्लैंड ने एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की और ग्रुप ए3 में लेस ब्लूज़ से केवल दो अंक पीछे रह गया विगमैन ने शुक्रवार की हार के बाद अपनी टीम की प्रतिक्रिया की सराहना की, लेकिन जुलाई में होने वाले अगले क्वालीफायर्स से पहले अपनी संभावनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा।

नए विश्व नंबर 1 जैनिक सिनर 'इटैलियन मूवमेंट' का नेतृत्व करने से खुश

एंटीगुआ। रैंकिंग में शीर्ष पर पहुँचने के बाद, हाल ही में विश्व नंबर 1 बने जैनिक सिनर को टेनिस में इतालवी आंदोलन का नेतृत्व करने पर गर्व है। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सिनर ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर सेमीफाइनल में पहुँचे। पहले बताया गया था कि नंबर 1 स्थान पाने के लिए इतालवी को फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुँचना होगा। हालाँकि, नोवाक जोकोविच के चोट के कारण रोलैंड गैरोस से हटने से सिनर को शीर्ष पर पहुँचने का मौक़ा मिला। रॉयटर्स के हवाले से 22 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि यह इटली के लिए एक शानदार पल था और हाल के दिनों में कई लोग इस खेल की ओर अपना ध्यान इसका बहुत मतलब है, लेकिन मुझे लगता है कि यह इटली के लिए बहुत बढ़िया है। हम एक महान देश हैं, जिसके पास बेहतरीन कोच और खिलाड़ी हैं, और हम अब देख सकते हैं कि यह पल कैसा है, सिनर ने कहा। मैं इस इतालवी आंदोलन का हिस्सा बनकर खुश हूं। लोग अब ज़्यादा से ज़्यादा टेनिस खेलना शुरू कर रहे हैं, जो देखना बहुत अच्छा है। मुझे लगता है कि यह सबसे महत्वपूर्ण है।

नॉर्वे शतरंज: प्रज्ञानानंद राउंड-8 में कार्लसन से हारे, वैशाली जीतीं

एजेंसी

स्टावेंजर। भारतीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानानंद नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के आठवें राउंड में आर्मगेडन गेम में विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन से हार गए। इस जीत से कार्लसन ने 14.5 अंकों के साथ अपनी बढ़त को पूरे एक अंक तक बढ़ाया, जबकि हिकारू नाकामुरा 13.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, वहीं, प्रज्ञानानंद 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

हिकारू नाकामुरा ने क्लासिल शतरंज में फिरौजा को हराया। इस बीच, विश्व चैंपियन डिंग लिरेन ने दो जीत के स्थान गंवा दिया और अंततः आर्मगेडन टाईब्रेकर में फैबियानो कारुआना से हार गए। महिलाओं के इवेंट में, विश्व चैंपियन जू वेनजुन ने पिया क्रैमलिंग के खिलाफ क्लासिकल गेम जीतकर स्टैंडिंग में बढ़त हासिल की। इस बीच, लेई

टिंगजी ने जीएम कोनेरू हम्पी को हराकर अपनी पहली क्लासिकल जीत हासिल की।

पिछली लीडर अन्ना मुज़ीचुक वैशाली रमेशबाबू से आर्मगेडन में हार गईं। दो राउंड शेष रहते, वेनजुंग 14.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, उनके बाद मुजिचुक 13 अंकों के साथ दूसरे और वैशाली 11.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

फ्रेंच ओपन 2024: कोको गॉफ ने दूसरी बार सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

पेरिस। विश्व की तीसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी अमेरिका की कोको गॉफ ने दूसरी बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गॉफ ने मंगलवार को खेले गए महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ट्यूनीशियाई खिलाड़ी ओन्स जाबेउर को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन और पूर्व रोलांड गैरोस उपविजेता गॉफ ने कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर 4-6, 6-2, 6-3 से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में उनका सामना टूर्नामेंट की पसंदीदा इगा स्विएटेक या मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा। यह अमेरिकी स्टार गॉफ का लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल होगा,

इससे पहले उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी अंतिम चार में जगह बनाई थी। ट्यूनीशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जाबेउर अभी भी अपने पहले मेजर खिताब का इंतजार कर रही हैं, उन्होंने तीन फाइनल और चार क्वार्टर फाइनल गंवाए हैं।

हम अपनी कमजोरियों पर काम कर रहे हैं और एक टीम के रूप में एकजुट हैं : नवनीत कौर

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में चुनौतीपूर्ण यूरोपीय चरण का सामना किया है, जिसमें बेल्जियम और इंग्लैंड जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ छह मैच खेले हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, टीम ने लचीलापन और प्रगति दिखाई है, जिसका लक्ष्य अपने आगामी मैचों में इन अनुभवों का लाभ उठाना है।

अब तक के सफ़र पर विचार करते हुए, उप कप्तान नवनीत कौर ने जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ़ बचे हुए मैचों के लिए अपनी अंतर्दृष्टि और टीम की रणनीति साझा की। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हमने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के यूरोपीय चरण में कड़ी चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन प्रत्येक मैच हमारे लिए एक मूल्यवान सीखने का अनुभव रहा है। असफलताओं के बावजूद, हमारी टीम ने लचीलापन और सुधार दिखाया है, खासकर बेल्जियम और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ़ हमारे करीबी मुकाबलों में।

उन्होंने कहा, हम अपने बचे हुए दो मैचों में जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन का सामना करने के लिए तैयार हैं, इसलिए हम अपने पिछले प्रदर्शनों का विश्लेषण करने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अपनी कड़ी

मेहनत को सकारात्मक परिणामों में बदलना है। हमें अपनी क्षमताओं पर विश्वास है और हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए दृढ़ हैं। यूरोपीय चरण में अब तक भारत को अपने पहले मैच में अर्जेंटीना के खिलाफ़ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा, उसके बाद बेल्जियम (0-2 और 1-2) से भी उसे हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना के खिलाफ़ अपने रीमैच में भारत 0-3 से हार गया। टीम को जर्मनी (1-3) और ग्रेट ब्रिटेन (2-3) से भी हार का सामना करना पड़ा।

टूर्नामेंट में अब तक दो गोल करने वाले नवनीत ने कहा, अब तक का सफ़र चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन इसने हमें एक टीम के तौर पर और भी करीब ला दिया है।

हम एक साथ काम करने, एक-दूसरे का समर्थन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी सीमाओं को पार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टीम के भीतर भावना और समर्पण मजबूत है, और हम टूर्नामेंट को शानदार तरीके से खत्म करने के लिए प्रेरित हैं। कुल मिलाकर, भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में अब तक खेले गए 14 मैचों में से 8 अंक अर्जित किए हैं। जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ अपने अंतिम दो मैचों की तैयारी करते हुए, टीम का ध्यान मजबूत प्रदर्शन करने पर है।

टूर्नामेंट के शेष दो मैचों की रणनीति और भारतीय टीम के आगे के रास्ते के बारे में, नवनीत ने कहा, हमारा ध्यान अब आवश्यक समायोजन और रणनीति बनाने पर है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम अपने शेष मैचों में मजबूत होकर सामने आएं। हम न केवल टूर्नामेंट के लिए बल्कि एक टीम के रूप में हमारे विकास के लिए इन अंतिम खेलों के महत्व को समझते हैं, इसलिए, प्रत्येक खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ देने और हर खेल के साथ सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। सबसे बढ़कर, हम अपनी कमजोरियों पर काम कर रहे हैं, अपनी ताकत पर काम कर रहे हैं और एक टीम के रूप में एकजुट रह रहे हैं। उन्होंने कहा, अब तक के हमारे मैचों से मिले अनुभव और सबक अमूल्य हैं। हम इन्हें आगे बढ़ाते हुए एक अधिक एकजुट और प्रतिस्पर्धी टीम बना रहे हैं, जिसका लक्ष्य बेहतर परिणाम प्राप्त करना और अपने खेल में निरंतर सुधार करना है।

फ्रेंच ओपन 2024: घुटने की चोट के कारण बाहर हुए नोवाक जोकोविच

एजेंसी

पेरिस। गत चैंपियन नोवाक जोकोविच ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो पर मैराथन चौथे दौर की जीत के दौरान लगी घुटने की चोट के कारण क्वार्टर फाइनल से पहले फ्रेंच ओपन 2024 से नाम वापस ले लिया। आयोजकों ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी। टूर्नामेंट से हटने से सर्बियाई खिलाड़ी की रिकॉर्ड 25वीं

ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतने की चाहत खत्म हो गई और इसके परिणामस्वरूप इस महीने के अंत में वह विश्व की नंबर एक रैंकिंग भी गंवा देंगे और इतालवी जननिक सिनर शीर्ष पर पहुंच जाएंगे।

आयोजकों ने एक आधिकारिक बयान में कहा, दाएं घुटने में फटे हुए औसत दर्जे के मेनिस्कस (एमआरआई स्कैन के दौरान पता चला) के कारण, जोकोविच, जिन्हें क्वार्टर फाइनल में कैस्पर रूड से खेलना था, को रोलांड गैरोस टूर्नामेंट से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

भारत वर्सेज कुवैत, फीफा विश्व कप क्वालीफायर लाइव स्ट्रीमिंग

एजेंसी

पेरिस। टीम इंडिया इस अहम मैच की तैयारी कर रही है, जिसमें जीत से वह बड़ी टीमों के बीच अपनी ख्याति फिर से हासिल कर सकती है, क्योंकि कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत के साथ उनका आमना-सामना होने वाला है। (और फुटबॉल समाचार) इस आगामी मैच में भारत के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा होगा। यह पिछले छह दशकों से विश्व फुटबॉल मंच से उनकी अनुपस्थिति को समाप्त कर सकता है। यह मैच टीम के नायक सुनील छेत्री का अंतिम मैच होगा। यह एशियाई फुटबॉल की महाशक्ति होने का गौरव फिर से हासिल करने का मौका भी प्रदान करेगा। भारत फीफा विश्व कप एशियाई क्वालीफायर के दूसरे दौर के ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दूसरी ओर, कुवैत चार मैचों में तीन अंकों के साथ उसी तालिका में चौथे स्थान पर है।

अतिका मीर ने तीसरे स्थान पर रहते हुए डीएएमसी चैंपियनशिप 2024 यूएई सीज़न का किया समापन

एजेंसी

दुबई/नई दिल्ली। अतिका मीर ने डीएएमसी (दुबई ऑटोड्रोम चैंपियनशिप) में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और चैंपियनशिप में कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने यह उपलब्धि रेस के चौथे दौर में चूकने के बावजूद हासिल की क्योंकि इटली में उनकी दूसरी रेस के साथ चौथा राउंड टकरा गया था। राउंड 5 में, जो दुबई कार्टड्रोम में भीषण तापमान में आयोजित किया गया था, अतिका ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए रेस 2 जीती और रेस 1 में तीसरे स्थान पर रही और अंतिम रेस तीसरे स्थान पर समाप्त की। अतिका ने सप्ताहांत के सबसे तेज़ लैप समय के साथ आधिकारिक अभ्यास में शीर्ष स्थान हासिल किया और रेस में जाने के लिए आश्वस्त थी। अतिका ने रेस 1 की शुरुआत 10वें स्थान से की क्योंकि डीएएमसी राउंड 1 में क्वालीफाइंग रेस और रेस 2 के बिना एक रैंडम ग्रिड फॉलो करता है। रेस 1 में अतिका शीर्ष फॉर्म में थी और 7 कारों को पार करते हुए तीसरे स्थान पर पहुंची। रेस 2 में, युवा खिलाड़ी शीर्ष गति पर थी और अंततः रेस जीत गई। फाइनल में जाने पर, आत्मविश्वास से भरपूर अतिका, जिसने दूसरे स्थान पर क्वालीफाई किया था, जीत की कतार में थी। हालाँकि फाइनल में उसकी गति कम हो गई और वह जीत के लिए चुनौती नहीं दे सकी और अंततः ट्रैक लिमिट्स के लिए पेनल्टी मिलने के बाद फाइनल में तीसरे स्थान पर रही। रेस के बाद 9 वर्षीय अतिका ने कहा, मैं 3 महीने के बाद रोटैक्स चला रहा थी और मुझे अपनी ड्राइविंग में काफी बदलाव करना पड़ा। मैंने अभ्यास में गति निर्धारित की और अपनी गति से खुश थी और प्रतियोगिता जीतने के बारे में आश्वस्त भी थी। एक हीट और दूसरे में तीसरा स्थान जीतने के बाद, फाइनल में अग्रिम पंक्ति से शुरुआत करते हुए जीत पक्की थी, लेकिन एक महत्वपूर्ण समय पर मैंने गति खो दी और ट्रैक सीमा के लिए पेनल्टी मिलने के बाद मुझे तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। यह यूएई सीज़न की आखिरी रेस थी और अब हम गर्मियों में भारत और यूरोप में ड्राइव करने जा रहे हैं। मैं अपने समर्थकों और अपनी टीम को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

इंग्लैंड टेस्ट के लिए जेडन सील्स, होल्डर की वेस्टइंडीज टीम में वापसी, लुइस नये चेहरे

एजेंसी

एंटीगुआ। वेस्टइंडीज ने जुलाई में इंग्लैंड के आगामी तीन टेस्ट मैचों के दौरे के लिए अनकैप्ड ओपनिंग बल्लेबाज मिकील लुइस को टीम में शामिल किया है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी क्रेग ब्रैथवेट करेंगे और उनके डिप्टी अल्जारी जोसेफ होंगे।

टीम में जेडन सील्स भी शामिल हैं, जो चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली सीरीज से बाहर हो गए थे। जेसन होल्डर भी टीम में शामिल हैं, जिन्होंने पिछले दौरे के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया था।

23 वर्षीय लुईस, जो पहले अंडर-19 टीम के लिए खेल चुके हैं, को उनके प्रथम श्रेणी सत्र में मजबूत प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है, जिसमें उन्होंने लीवार्ड आइलैंड हरिकेंस के लिए 48.71 की औसत से 682 रन बनाए थे। सीडब्ल्यूआई के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा,

टीम को अनुभव और उभरती प्रतिभा दोनों के साथ तैयार किया गया है, जिससे अंग्रेजी परिस्थितियों में खेलने की चुनौती का सामना करने के लिए एक मजबूत संतुलन सुनिश्चित होता है। पिछले एक साल में, हमारा रेड-बॉल कार्यक्रम लगातार विकसित हो रहा है। जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में आखिरी टेस्ट में हमारी जीत के बाद, यह स्पष्ट है कि हम उस निवेश का फल देख रहे हैं। चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी ने लगातार प्रदर्शन और कड़ी मेहनत के माध्यम से अपनी जगह बनाई है। हमें विश्वास है कि अनुभवी खिलाड़ियों और उभरते चेहरों का यह मिश्रण इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करेगा।

रिचर्ड्स-बॉथम ट्रॉफी 10 जुलाई को लॉर्ड्स में शुरू होगी।

वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है : क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज़े, जोशुआ दा सिल्वा, जेसन होल्डर, कावेम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, ज़ाचरी मैकास्की, किर्क मैकेंज़ी, गुडाकेश मोती, केमर रोच, जेडन सील्स, केविन सिंक्लेयर।

हॉकी इंडिया परिवार में नए सदस्य के रूप में शामिल हुआ आरके रॉय अकादमी

एजेंसी

नई दिल्ली। आरके रॉय हॉकी अकादमी को हॉकी इंडिया परिवार में नए सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। बिहार के पटना में स्थित आरके रॉय हॉकी अकादमी की स्थापना अभिषेक कुमार और अरुणिमा रॉय ने की थी, जो अपने क्षेत्र में हॉकी के खेल को आगे बढ़ाने के लिए जुनूनी हैं।

अकादमी विभिन्न आयु समूहों में हॉकी में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने और युवा एथलीटों को अपने कौशल विकसित करने और उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस नए प्रावधान से बिहार में हॉकी के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत में इस खेल के समग्र विकास में योगदान मिलेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने नए अकादमी

सदस्य के शामिल होने पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम आरके रॉय हॉकी अकादमी का हमारे परिवार में स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। युवा प्रतिभाओं को निखारने की उनकी प्रतिबद्धता जमीनी स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह मेल खाती है। हमें विश्वास है कि इस साझेदारी से ऐसे असाधारण खिलाड़ी निकलेंगे जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, आरके रॉय हॉकी अकादमी का शामिल होना बिहार में हॉकी की नींव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। युवा एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए उत्कृष्टता और संरचित दृष्टिकोण के प्रति अकादमी का समर्पण सराहनीय है। हम खेल और समुदाय पर उनके सकारात्मक प्रभाव को देखने के लिए उत्सुक हैं।

नए सदस्यों को शामिल करने के साथ, हॉकी इंडिया में वर्तमान में 27 स्थायी सदस्य, 34 सहयोगी सदस्य, 52 अकादमी सदस्य और 2 हॉकी-की सदस्य हैं।

यूईएफए यूरो 2024: दिग्गज फुटबॉलर पैट्रिस एवरा सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के एक्सपर्ट पैनल में शामिल

एजेंसी

मुंबई। देश के प्रमुख प्रसारक-सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने इस साल के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट- यूईएफए यूरो 2024 के लाइव कवरेज के लिए फ्रांस फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान पैट्रिस एवरा को एक्सपर्ट पैनलिस्ट के रूप में अपनी टीम में शामिल किया है।

एवरा यूईएफए यूरो 2024 के दौरान प्रमुख स्टूडियो शो-फुटबॉल एक्स्ट्रा-में एक्सपर्ट्स के प्रतिष्ठित पैनल में शामिल होंगे। वह प्रत्येक मैच के अपने उत्कृष्ट विश्लेषण से दर्शकों के अनुभव को और समृद्ध बनायेंगे। पैट्रिस एवरा दुनिया के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 2004-2016 के बीच 81 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसके अलावा इस पूर्व डिफेंडर ने क्लब फुटबॉल में 725 मैच खेले हैं। इसमें 2006 से 2014 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 379 मैच शामिल हैं।

उन्होंने 2014-2017 तक जुवेंटस के लिए 82 मैचों में भी हिस्सा लिया। लेफ्ट बैक एवरा मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ पांच खिताब जीतने वाली प्रीमियर लीग अभियानों का हिस्सा थे। उन्होंने इंग्लिश क्लब के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग और फीफा क्लब विश्व कप भी जीता। इसके अलावा, एवरा 2015 और 2016 में सेरी ए जीतने वाली

जुवेंटस टीम का भी हिस्सा थे। एवरा ने कई पुरस्कार भी जीते हैं। उन्हें 2003-04 में यूएनएफपी लीग 1 यंग प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। उन्होंने 2003-04 में यूएनएफपी लीग 1 टीम ऑफ द ईयर, तीन बार (2006-07, 2008-09, 2009-10), फीफा फीफप्रो वर्ल्ड XI: 2009 और 2009 में यूईएफए टीम ऑफ द ईयर में जगह बनाई।

राजेश कौल, (मुख्य राजस्व अधिकारी, वितरण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा प्रमुख - खेल व्यापार, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया) ने कहा, हम इस साल के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट-यूईएफए यूरो 2024 के लिए फुटबॉल के दिग्गज पैट्रिस एवरा को अपने प्रतिष्ठित एक्सपर्ट पैनल में शामिल करके बहुत खुश हैं। एवरा का जीवन से बड़ा व्यक्तित्व, साथ ही उनके अनुभव, ज्ञान और खेल की समझ हमारे दर्शकों के लिए एक समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करेगी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क में, हमारी प्रतिबद्धता अपने दर्शकों को इस मार्की टूर्नामेंट को देखने का सबसे अच्छा अनुभव प्रदान करना है, चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर, जो एवरा को यूईएफए यूरो 2024 पैनल के लिए एकदम सही बनाता है। फ्रांस के पूर्व कप्तान पैट्रिस एवरा ने कहा, भारत मेरे दिल में एक खास जगह रखता है। मैंने अपनी पिछली यात्रा के दौरान देश में शानदार समय बिताया और मैं यूईएफए यूरो 2024 के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ अपनी साझेदारी के साथ इसे आगे बढ़ाने का इंतजार नहीं कर सकता। भारत में फुटबॉल के घर के रूप में सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क की एक महान विरासत है और मैं टूर्नामेंट के प्रसारण के दौरान अपने अनुभव और ज्ञान का योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। यूईएफए यूरो 2024 दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंटों में से एक है, जिसमें यूरोप की कुछ बेहतरीन टीमें और खिलाड़ी प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

यामी गौतम

और Aditya Dhar की शादी को पूरे हुए तीन साल, कपल ने शेयर की एक-दूजे संग खास तस्वीरें

यामी गौतम और आदित्य धर आज 4 जून को अपनी शादी की तीसरी सालगिरह सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस कपल ने कोरोना काल के दौरान महज 18 लोगों की मौजूदगी में गुपचुप शादी रचाई थी, जिसकी खबर कानों-कान किसी को न हुई।एक्ट्रेस ने शादी करने के बाद देर शाम अपनी तस्वीरें शेयर कर फैंस के होश उड़ा दिए थे। इस खास मौके पर इस कपल ने सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर कर एक-दूजे को सालगिरह की बधाई दी है।

यामी गौतम का पोस्ट

यामी गौतम ने कुछ ही देर पहले आदित्य धर संग एक अनदेखी फोटो शेयर की है। ये फोटो उनकी फिल्म आर्टिकल 370 के प्रमोशन की है, जिन दिनों वह प्रेग्नेंट थी। इस फोटो में ये कपल कैमरे में देखकर हंसता नजर आ रहा है। इस तस्वीर में यामी का बेबी बंप भी साफ नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने इस फोटो को शेयर करते हुए लिखा, सबसे खुशहाल 3 और सचमुच अब।

आदित्य धर ने भी किया विश

यामी गौतम के अलावा डायरेक्टर आदित्य धर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर यामी संग कुछ फोटोज शेयर की है और कैप्शन में लिखा, प्रिय यामी, आप मेरे लिए दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला थीं, हैं और हमेशा रहेंगी। सालगिरह मुबारक हो माय लव।

एक्ट्रेस ने बेटे को दिया जन्म

ये कपल 10 मई को पेरेंट्स बने था। मां बनने के 10 दिन बाद एक्ट्रेस ने अपनी गुड न्यूज शेयर की थी। उन्होंने 20 मई को इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया था। इस कपल ने अपने लाडले का नाम वेदविद (ङ्कद्गस्रङ्1द्बस्र) रखा है, जिसका कनेक्शन भगवान विष्णु से है।

अनुपमा के बाद स्टार प्लस के इस मशहूर शो में आ रहा है लीप, शो में होगी नए कलाकारों की एंट्री

स्टार प्लस के टीवी सीरियल 'गुम है किसी के प्यार' में 10 साल का लीप आने वाला है. और इस लीप के चलते ईशान भोसले का किरदार निभाने वाले शक्ति अरोड़ा इस शो से बाहर हो जाएंगे. टीवी9 हिंदी के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हमने सबसे पहले ये जानकारी आपके साथ शेयर की थी. हालांकि इस खबर के बाद कई मीडिया पोर्टल्स ने ये दावा भी किया कि न तो इस शो में कोई लीप आएगा और न ही शक्ति को रिप्लेस किया जाएगा. लेकिन अब खुद शक्ति अरोड़ा ने इस बात की पुष्टि की है. सिर्फ शक्ति अरोड़ा ही नहीं बल्कि उनका पूरा ऑनस्क्रीन परिवार (भोसले परिवार) इस शो को अलविदा कहने वाला है.शक्ति अरोड़ा के शो छोड़ने के बाद अब हितेश भरद्वाज 'गुम है किसी के प्यार में' के नए लीड एक्टर होंगे. हितेश के साथ सीनियर एक्टर पल्लवी प्रधान और सागर सैनी की भी शो में एंट्री हो गई है. वो दोनों हितेश के ऑनस्क्रीन माता-पिता की भूमिका में नजर आने वाले हैं. भाविका शर्मा और पल्लवी का ये दूसरा सीरियल है. इससे पहले उन दोनों ने स्टार भारत के सीरियल 'जीजीमां' में काम किया था.

जानें क्या है शक्ति अरोड़ा का कहना

'गुम है किसी के प्यार में' आए हुए इस लीप से एक्टर शक्ति अरोड़ा बिलकुल भी खुश नहीं हैं. उनका कहना है कि उन्हें शो में आने वाले इस बदलाव को लेकर कोई भी जानकारी नहीं दी गई थी. शक्ति के मुताबिक आईपीएल के चलते भी उनके टीवी सीरियल ने टीआरपी के चार्ट पर अच्छा प्रदर्शन किया था. उनकी टीआरपी हर हफ्ते 2 के आस-पास थी. और बाकी सीरियल की रेटिंग के मुकाबले उनके शो की रेटिंग काफी अच्छी थी. साथ ही शक्ति ने ये भी कहा कि इस सीरियल में उनके और सवी (भाविका शर्मा) के किरदार के बीच ज्यादा बहस ही दिखाई गई. अगर उनके बीच रोमांस होता तो दर्शकों को देखने में और भी मजा आता.

जो 'पठान' - 'टाइगर' में नहीं हुआ, वो 4 बड़ी चीजें आलिया भट्ट की पहली YRF फीमेल स्पाई फिल्म में होने वाली है!

YRF स्पाई यूनिवर्स ने अगले कुछ सालों के लिए बहुत तगड़ी प्लानिंग कर रखी है. चार बड़ी फिल्में आने वाली हैं. लिस्ट में ऋतिक रोशन की 'वॉर 2', शाहरुख खान की 'पठान 2', आलिया भट्ट-शरवरी की पहली स्पाई फिल्म और सलमान-शाहरुख की 'टाइगर वर्सेज पठान' शामिल है. हालांकि, आखिरी वाली फिल्म को सबसे लास्ट में लाने की प्लानिंग है, इसके लिए ऋतिक रोशन और आलिया भट्ट की फिल्में मंच सेट करेंगी. ङ्खक्रस्न स्पाई यूनिवर्स धीरे-धीरे बड़ा होता जा रहा है. 12 सालों में 5 बड़ी फिल्में आ चुकी हैं. इस वक्त हम ङ्खक्रस्न की पहली फीमेल स्पाई फिल्म की बात करेंगे.आलिया भट्ट इस साल काफी बिजी रहने वाली हैं. उनके खाते में तीन बड़ी फिल्में हैं, जिसमें से एक की शूटिंग वो पूरी कर चुकी हैं. इसके अलावा ङ्खक्रस्न स्पाई यूनिवर्स की फिल्म और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में काम कर रही हैं. इसी बीच उनकी एक्शन पैक्ड स्पाई फिल्म को लेकर 4 बड़ी बातें पता लग गईं.

आलिया भट्ट की फिल्म पर 4 बड़े अपडेट्स

हाल ही में दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट सामने आई है. इससे पता लगा कि, YRF स्पाई फिल्म के विजुअल एस्पेक्ट पर खास ध्यान दिया जा रहा है. वहीं, 'द रेलवे मेन' में अपने काम को लेकर तारीफें बटोर चुके रुबैस को फिल्म की सिनेमैटोग्राफी का काम सौंपा गया है. इसके अलावा एक्शन सीन्स कोरियोग्राफ करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के क्रेग मैक्रे को बुलाया गया है. दरअसल उन्होंने पहले 'पठान', 'जवान' और 'योद्धा' में भी काम किया है. इससे यह तो पता चल रहा है कि, इनकी तरह ही आलिया भट्ट की फिल्म में भी बेहतरीन एक्शन सीक्वेंस होने वाले हैं.

इस रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि, फिल्म की शूटिंग 15 जून से शुरू होने वाली है. इसका पहला शेड्यूल मुंबई में ही होगा. वहीं बाद में लंदन में शूटिंग की जाएगी. बीते दिनों पता लगा था कि, इस फिल्म के लिए आलिया भट्ट ट्रेनिंग ले रही हैं.

इस सुपरस्टार की फिल्म में एंट्री!

फिल्म की कहानी को लेकर भी बड़ा हिंट मिल रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक, इस स्पाई फिल्म में आलिया के कैरेक्टर का अलग-अलग देशों के साथ तगड़ा कनेक्शन होगा, जो फिल्म को ग्लोबल लेवल पर बड़ा बनाने में मदद करेगा. फिल्म में ऋतिक रोशन का कैमियो होने की खबरें आ रही हैं. हालांकि, पहले ये कैरेक्टर शाहरुख खान निभाने वाले थे. वहीं ऐसा पता लगा है कि, फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ बहनों का रोल प्ले करने वाली हैं.

यह फिल्म अब एक इमोशन बन चुकी है...लापता लेडीज पर बोलीं

प्रतिभा रांटा

लापता लेडीज की रिलीज के बाद से इसकी स्टार कास्ट नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव को फैंस का खूब प्यार मिला। नेटफ्लिक्स पर अपने ओटीटी डेब्यू के बाद तो मानों फिल्म ने जैसे दर्शकों का दिल ही चुरा लिया हो। अब हाल ही में फिल्मीज्ञान को दिए एक इंटरव्यू में फिल्म में जया के किरदार में नजर आईं प्रतिभा रांटा ने किरण राव संग काम करने और फिल्म को लेकर अपने एक्सपीरियंस पर बात की.तिभा रांटा ने कहा कि फिल्म ने दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ये सिर्फ एक कहानी से कहीं अधिक है। प्रतिभा ने बताया कि फिल्म में लोग न सिर्फ उनके किरदार जया सिंह की तारीफ कर रहे हैं बल्कि फूल कुमारी और दीपक कुमार के लिए भी उतना ही प्यार दिखा रहे हैं।

लापता लेडीज एक इमोशन है

प्रतिभा ने कहा,मैंने देखा है कि लापता लेडीज एक इमोशन की तरह बन गई है। जब भी कुछ होता है, जैसे अगर जया को बहुत तारीफ मिल रही है,तो कोई कहता है,%फूल की भी तारीफ करो और अचानक फूल को बहुत तारीफ मिलने लगती है। फूल की तारीफ हो रही हो तो कोई दीपक को कैसे भूल सकता है? यह देखना बेहद खूबसूरत है कि कैसे लोग भावनात्मक रूप से खुद को इस फिल्म से जोड़ रहे हैं। मुझे लगता है कि लापता वास्तव में एक इमोशन बन गई है।

कोरोना के दौरान हुई थी शूटिंग

प्रतिभा ने बताया कि लापता लेडीज की शूटिंग कोरोना की थर्ड वेव के दौरान हो रही थी। उन्होंने कहा कि आप किरण राव मैम का चेहरा देखकर ये बिल्कुल नहीं कह सकते थे कि कोई पैनिक जैसा कुछ है। मैम के बारे में दूसरी सबसे अच्छी बात ये है कि वो सेट पर लोगों को बहुत दुलार करती हैं। सेट पर काफी ज्यादा हंसी-मजाक होता था कि हमें भी नहीं पता ये टाइम कहां निकल गया? लापता लेडीज मेरा सबसे अच्छा एक्सपीरियंस रहा।किरण राव के अलावा साल 2024 प्रतिभा रांटा के लिए भी काफी अच्छा रहा। लापता लेडीज की जया के अलावा फिल्म हीरामंडी में उनके किरदार शमा को भी लोगों ने खूब प्यार दिया। संजय लीला भंसाली की इस वेब सीरीज में प्रतिभा मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख के साथ नजर आई थीं।